मिशनों के लिए अंतरिक्ष यात्री तैयार करने की जरूरत : मोदी
- 12

कपास के शुल्क मुक्त आयात पर 30 सितंबर तक अनुमति
- 12

ट्रंप ने शुरू की पुतिन और जेलेंस्की के बीच आमना-सामना कराने की तैयारी
- 13

महिला विश्वकप के लिए भारतीय टीम में रेणुका ठाकुर शामिल, शैफाली वर्मा बाहर
- 14

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

26.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.45

सूर्यास्त 06.46

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वादशी 01:58 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 20 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 270, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

एशिया कप -टी20 क्रिकेट

सूर्य कुमार यादव के नेतृत्व में टीम इंडिया की घोषणा

मुंबई। 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरू होने वाले एशिया कप-2025 टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए सूर्य कुमार यादव की अगुवाई में 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। शुभमन गिल को उप कप्तान बनाया गया है। जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की लंबे समय के बाद छोटे प्रारूप की टीम में वापसी हुई है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा करते हुए कहा कि बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को भी टीम में शामिल किया गया है, जितेश शर्मा दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज होंगे।

ग्लोबल लीडरशिप का माध्यम बनेगी चिवनिंग-यूपी छात्रवृत्ति योजना : योगी

मुख्यमंत्री के समक्ष एफसीडीओ- प्रदेश सरकार के बीच हुआ एमओयू

- अटल बिहारी के नाम पर 'चिवनिंग-यूपी छात्रवृत्ति योजना' की शुरुआत
- हर वर्ष पांच छात्रों को मिलेगी यूके में मास्टर डिग्री के लिए स्कॉलरशिप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी की मौजूदगी में उप्र सरकार, एफसीडीओ यूके के बीच ऐतिहासिक समझौता हुआ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में मंगलवार को उप्र सरकार और द फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ) यूके के बीच ऐतिहासिक समझौता हुआ। इसके तहत 'चिवनिंग-भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी उप्र राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना' शुरू की गई है। इसके तहत हर साल प्रदेश के पांच प्रतिभाशाली छात्रों को यूनाइटेड किंगडम के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में मास्टर डिग्री के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना मेधावियों के लिए ग्लोबल लीडरशिप का माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री आवास पर मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह छात्रवृत्ति योजना प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने और युवाओं को ग्लोबल लीडरशिप रोल के लिए तैयार करने का सशक्त माध्यम बनेगी। इस योजना का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, शोध और नेतृत्व में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर देना है। यह योजना शैक्षणिक सत्र 2025-26 से तीन वर्षों तक (2025-26, 2026-27 और 2027-28) संचालित होगी। इसके बाद 2028-29 से योजना को नवीनीकृत किया जाएगा।

भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की प्रेरणा से प्रारंभ की गई यह योजना प्रदेश के युवाओं को वैश्विक शिक्षा और नेतृत्व में नई ऊंचाइयां हासिल करने का अवसर देगी। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर उत्तर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाएं।

प्रति छात्र 48 लाख खर्च सरकार देगी 23 लाख

छात्रवृत्ति में पूर्ण शिक्षण शुल्क, परीक्षा व शोध शुल्क, रहने-खाने का भत्ता और यूके तक आने-जाने का हवाई किराया शामिल रहेगा। प्रति छात्र लगभग लगभग 45 से 48 लाख रुपये का खर्च आएगा। इसमें से उत्तर प्रदेश सरकार लगभग 23 लाख रुपये वहन करेगी, शेष राशि का वहन एफसीडीओ यूके करेगा।

ब्रिटिश हाई कमिश्नर ने कहा-शानदार अवसर

ब्रिटिश हाई कमिश्नर टू इंडिया, लिंडी कैमरन ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष हुए एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि यह बेहद खुशी की बात है। यह यूनाइटेड किंगडम और भारत के बीच बढ़ते रिश्तों का प्रतीक है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी की यूके विजिट के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा ट्रेड एग्रीमेंट और विजन 35 साइन किया गया है, जिससे शिक्षा के साथ व्यापार के अवसर भी खुलेंगे।

भारत से विशिष्ट मुद्दों को सुलझाकर बढ़ाएंगे पारस्परिक विश्वास : वांग

नई दिल्ली, एजेंसी

- चीनी विदेश मंत्री और एनएसए डोभाल में कई मुद्दों पर बातचीत
- चीन ने माना कुछ वर्षों का मुश्किल दौर दोनों देशों के हित में नहीं था

गलवान में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के पांच वर्ष बाद चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को माना कि पिछले कुछ वर्षों का मुश्किल दौर दोनों देशों के हित में नहीं था और अब दोनों को आम सहमति बनाकर सीमाओं पर विशिष्ट मुद्दों को सुलझाकर परस्पर विश्वास बढ़ाना चाहिए। भारत ने भी सीमा पर शांति और सौहार्द के कारण संबंधों के मजबूत होने का उल्लेख करते हुए कहा है कि इससे दोनों देशों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिली है।

सीमा विवाद से संबंधित मुद्दों पर विशेष प्रतिनिधि स्तर की 24वीं बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत यात्रा पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को यहां राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ बैठक में अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि भारत और चीन के बीच मजबूत और स्थिर संबंध दोनों देशों के दीर्घकालिक हितों की पूर्ति करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हमें जो मुश्किलें झेलनी पड़ीं, वे हमारे हित में नहीं थीं। सीमा विवाद से जुड़े विशेष मुद्दों के समाधान और परस्पर विश्वास बढ़ाने की मंशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि चीन भारत के साथ और अधिक आम सहमति बनाने के लिए तैयार है। हमें सीमाओं पर विशिष्ट मुद्दों को उचित ढंग से सुलझाना चाहिए और रणनीतिक बातचीत के माध्यम से आपसी विश्वास बढ़ाना चाहिए। वांग यी ने कहा कि हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब सीमाओं पर स्थिरता बहाल हो गई है। हम एससीओ के लिए प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा का स्वागत करते हैं। वांग ने कहा कि बीजिंग में सीमा वार्ता के 23वें दौर में हमने सीमाओं को स्थिर करने पर नई और महत्वपूर्ण सहमति हासिल की। डोभाल ने कहा कि पिछले नौ महीनों में सीमाओं पर शांति और सौहार्द के कारण संबंध और भी मजबूत हुए हैं, एक सकारात्मक रुझान देखने को मिला है।

सीमा पर शांति बनाए रखना महत्वपूर्ण : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन के साथ सीमा पर शांति और सौहार्द बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए कहा है कि भारत इस मुद्दे के पर परस्पर स्वीकार्य समधान के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ मंगलवार को बातचीत में कहा कि सीमा पर शांति और सौहार्द बनाए रखना महत्वपूर्ण है। वांग ने चीन में इस महीने के अंत में होने वाले शंघाई शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से प्रधानमंत्री को निमंत्रण दिया। मोदी ने निमंत्रण के लिए राष्ट्रपति शी को धन्यवाद दिया और उसे स्वीकार किया।

ब्रीफ न्यूज

अब किसी भी बैंक से यूपीआई भुगतान ले सकेंगे डाकघर

नई दिल्ली। डाक विभाग ने 5,800 करोड़ रुपये की लागत वाली उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) पूरे देश में लागू कर दी है जिससे विभाग को एक विश्वस्तरीय सार्वजनिक लॉजिस्टिक संगठन के रूप में बदला जा सकेगा। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि इस उन्नत मंच के जरिये डाकघर अब किसी भी बैंक के ग्राहकों से यूपीआई भुगतान ले सकेंगे।

बीकेआई मॉड्यूल के दो सदस्य गिरफ्तार

जालंधर। बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के कुछ दिनों बाद, काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर ने उसी मॉड्यूल के दो और गुर्गों को गिरफ्तार कर एक 86पी हैंड ग्रेनेड बरामद किया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान विश्वजीत और जैक्सन के रूप में हुई है, जो नकोदर के शंकर इलाके के निवासी हैं।

अभिनेता अच्युत पोद्दार का 90 की उम्र में निधन

मुंबई। भारत की खोज और वागले की दुनिया जैसे टीवी शो और 3 इडियट्स जैसी फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ने वाले बुजुर्ग अभिनेता अच्युत पोद्दार का सोमवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 90 साल के थे। अभिनेता अच्युत पोद्दार को कल शाम करीब चार बजे जुपिटर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पोद्दार ने दबंग 2 और फेरारी की सवारी जैसी प्रतिष्ठित फिल्मों में सहायक लेकिन अविस्मरणीय भूमिकाएं निभाईं।

राष्ट्रपति का कोर्ट से सलाह मांगने में कुछ भी गलत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

विधेयक समय सीमा मुद्दा

- राष्ट्रपति के संदर्भ के विरोध पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- समस्या क्या है...

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को पूछा कि अगर राष्ट्रपति स्वयं राष्ट्रपति के संदर्भ के माध्यम से यह राय मांगती हैं कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर निश्चित समय-सीमा लागू की जा सकती है या नहीं, तो इसमें गलत क्या है। प्रधान न्यायाधीश बीआर. गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह प्रश्न तब उठाया, जब तमिलनाडु और केरल की सरकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने राष्ट्रपति के संदर्भ की विचारणीयता पर ही सवाल उठाया।

पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं। पीठ ने संदर्भ पर महत्वपूर्ण सुनवाई शुरू करते हुए पूछा कि जब माननीय राष्ट्रपति स्वयं संदर्भ पर राय मांग रही हैं, तो समस्या क्या है... क्या आप सचमुच इसका विरोध करने के लिए गंभीर हैं? पीठ ने कहा, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि हम परामर्शी अधिकार क्षेत्र में बैठे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मई में संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए शीर्ष अदालत से यह जानने का प्रयास किया था कि क्या राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर विचार करते समय राष्ट्रपति द्वारा विवेकाधिकार का प्रयोग करने के लिए न्यायिक आदेशों द्वारा समय-सीमाएं निर्धारित की जा सकती हैं। केंद्र ने अपने लिखित दलील में कहा है कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए निश्चित समय-सीमा निर्धारित करना, सरकार के एक अंग द्वारा ऐसा अधिकार अपने हाथ में लेना होगा, जो संविधान ने उसे प्रदान नहीं किया है और इससे संवैधानिक अव्यवस्था पैदा हो सकती है। केरल सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता केके. वेणुगोपाल ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के संबंध में इसी प्रकार के प्रश्नों की व्याख्या शीर्ष अदालत पंजाब, तेलंगाना और तमिलनाडु से संबंधित मामलों में पहले ही कर चुकी है।

उपराष्ट्रपति चुनाव

पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी बने विपक्ष के उम्मीदवार

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को घोषणा की कि उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्षी दलों के संयुक्त उम्मीदवार हैं। साथ ही उन्होंने देश के दूसरे सबसे बड़े पद के लिए होने वाले आगामी चुनाव को एक वैचारिक लड़ाई बताया।

रेड्डी उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और गोवा के पहले लोकायुक्त हैं। वह हैदराबाद स्थित अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता एवं मध्यस्थता केंद्र के न्यासी बोर्ड के सदस्य भी हैं। वह 21 अगस्त को अपना नामांकन दाखिल करेंगे। खरगे ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी दलों ने एक साझा उम्मीदवार चुनने का फैसला किया है, यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है। मुझे खुशी है कि सभी विपक्षी दल एक नाम पर सहमत हुए। यह लोकतंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि जब भी लोकतंत्र और संविधान पर हमला होता है, विपक्षी दल एकजुट होकर उसका मुकाबला करते हैं। इसलिए हमने इस चुनाव में एक अच्छे उम्मीदवार को मैदान में उतारने का फैसला किया है।

महत्वपूर्ण फैसला

सेवा एवं नियमितीकरण कानून में सुप्रीम कोर्ट ने स्थापित किया नया मानक

कर्मचारियों को ताबीज की तरह नहीं कर सकते इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी

- इलाहाबाद हाईकोर्ट का पलटा फैसला, रोजगार में तदर्थवाद की आलोचना की

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा सेवा आयोग के लंबे समय से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को राहत देने से इनकार करने वाला इलाहाबाद हाईकोर्ट का एक फैसला मंगलवार को पलटते हुए सेवा एवं नियमितीकरण कानून में नया मानक स्थापित किया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ व न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि वित्तीय बाधाओं को दशकों से स्थायी कार्य कर रहे कर्मचारियों को वैध नियमितीकरण से वंचित करने को ''ताबीज'' की तरह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने रोजगार में तदर्थवाद की आलोचना करते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकारें केवल एक बाजार भागीदार नहीं, बल्कि एक संवैधानिक नियोक्ता भी हैं। पीठ ने अपने 22 पन्नों के फैसले में इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार (केंद्र और राज्य) केवल बाजार भागीदार नहीं है, बल्कि एक संवैधानिक नियोक्ता है। वह उन लोगों के भरोसे बजट का संतुलन नहीं बना सकता जो सबसे बुनियादी और सार्वजनिक कार्य करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जहां काम दिन-ब-दिन और साल-दर-साल दोहराया जाता है, वहां प्रतिष्ठान को अपनी स्वीकृत शक्ति और संलग्नता प्रथाओं में उस वास्तविकता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। अस्थायी स्तर के तहत नियमित श्रमिकों का दीर्घकालिक शोषण लोक प्रशासन में विश्वास को कम करता है।

प्रशासन में पारदर्शिता का होना जरूरी

कोर्ट ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि वित्तीय कठोरता का सार्वजनिक नीति में निश्चित रूप से एक स्थान है। लेकिन यह कोई ऐसा ताबीज़ नहीं है जो निष्पक्षता, तर्क और क़ानूनी आधार पर काम को व्यवस्थित करने के कर्तव्य को दरकिनार कर दे। इसके अलावा यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि 'तदर्थवाद' वहां पनपता है जहां प्रशासन अपारदर्शी होता है। धरम सिंह और अन्य द्वारा दायर याचिका छह अपीलकर्ताओं से संबंधित थी, जो वर्ष 1989 और 1992 के बीच चपरासी और ड्राइवर के पद पर कार्यरत थे। 30 वर्षों से अधिक की निरंतर सेवा के बावजूद उनकी स्थिति दैनिक वेतनभोगी या निश्चित मानदेय कर्मचारी जैसी ही रही, जिन्हें स्वीकृत पदों के पूरे कार्य करते हुए वर्षों तक केवल 1,500 से 2,000 रुपये प्रति माह मिलते रहे।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 20 अगस्त 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

पशु प्रेमियों और डॉक्टरों ने निकाला मार्च पास्ट

शाहजहांपुर,अमृत विचार : पशु प्रेमियों और शहर के डॉक्टरों ने मार्च पास्ट मंगलवार को निकालकर आवरा कुत्तों को शेल्टर होम में डालने का विरोध किया। मार्च पास्ट घंटाघर से शुरू होकर शहीद उद्यान पर समाप्त हुआ। अभी हाल में ही सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक आदेश पारित किया गया है। जिसमें दिल्ली में कुत्तों को आठ हफ्तों में शेल्टर होम में डाल दिया जाए, जो गलत है। क्योंकि दिल्ली में लाखों कुत्ते हैं और उनके लिए कोई भी ऐसे शेल्टर हाउस व्यवस्थित नहीं बने हुए है, वहां पर कुत्तों का मरना निश्चित है।

फोटोग्राफर एसोसिएशन ने किया पौधरोपण

शाहजहांपुर, अमृत विचार : फोटोग्राफर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की ओर विश्व फोटोग्राफी दिवस पर पौधरोपण किया गया। साथ ही लखनऊ में होने वाले इंडिया फोटो वीडियो एक्सपो का पोस्टर भी वितरित किया गया। जिसमें संगठन के जिला प्रभारी पंकज राठौर, अध्यक्ष अरुणेश अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष जितेंद्र मेहता, राजीव कामरा, मनोज कुमार मीडिया प्रभारी, चंद्र प्रकाश, गोपाल मिश्रा, दीप कुमार सक्सेना, रोहित कुमार, अंकुर सक्सेना, राकेश चौरसिया, अतीक अहमद समेत अन्य रहे।

चित्रकूट के रानीपुर टाइगर रिजर्व में छोड़ा गया तेंदुआ

एक माह में दर्जनों पालतू जानवर को बना चुका था निवाला

संवाददाता, खुटार

चित्रकूट के जंगल में छोड़ा जाता तेंदुआ। ● अमृत विचार

अमृत विचार : गांव चांदपुर में कई दिनों से तेंदुआ डेरा जमाए बैठा था। वह दर्जनों जानवरों को निवाला बना चुका था, गांव के किनारे ही चहल कदमी करता रहता था। जिससे ग्रामीण खेतों में काम करने से भी डर रहे थे और पशुओं की रखवाली दिन रात कर रहे थे। ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए रेंजर के खिलाफ प्रदर्शन भी किया था। जिस पर डीएफओ विनोद कुमार के निर्देश पर 5 अगस्त को चांदपुर में दो सीसीटीवी कैमरे ट्रैप व दो पिंजरे लगाए गए थे। उधर तेंदुए को पिंजरे में कैद करने के लिए एक बकरी को पिंजरे में बांधकर रखा गया था। जिस पर रविवार की रात तेंदुआ बकरी की आवाज सुनकर पिंजरे में जा पहुंचा और कैद हो गया था। सोमवार सुबह वनकर्मियों ने जब पिंजरा देखा तो तेंदुआ पिंजरे में कैद था। जिस पर रेंजर मनोज श्रीवास्तव ने तेंदुए को खुटार वन रेंज कार्यालय मैलानी स्थित लेकर चले गए थे। जहां पर डीएफओ विनोद कुमार, एसडीओ डॉ सुशील कुमार वन रेंज कार्यालय पहुंचे और उच्चाधिकारियों को तेंदुआ के कैद होने की सूचना दी। जिस पर उच्चाधिकारियों के निर्देश पर उसका डॉक्टरी परीक्षण कराया गया। जिस पर वह पूर्ण रूप से स्वस्थ पाया गया। उसके बाद उसे चित्रकूट के रानीगंज टाइगर रिजर्व में छोड़ने के निर्देश जारी हुए। इसके बाद खुटार रेंजर मनोज श्रीवास्तव, वनरक्षक संदीप यादव, माली अशोक वाजपेई व अन्य वन कर्मियों को साथ लेकर तेंदुए को चित्रकूट रानीगंज टाइगर रिज़र्व लेकर पहुंचे और वहां पर चित्रकूट के डीएफओ व एसडीओ के समक्ष टाइगर रिजर्व में तेंदुए को छोड़ दिया गया।

तिलहर सीएचसी में सुविधाओं का अभाव

शाहजहांपुर, अमृत विचारः तिलहर की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल स्थिति को लेकर समाजसेवियों ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को पत्र भेजा है। जिसमें बताया सीएचसी में बुनियादी सुविधाओं के अभाव में लोगों को इलाज के लिए बरेली जाना पड़ता है।

पत्र में तीन प्रमुख मांगें उठाई गई हैं। पहली, नगर तिलहर सीएचसी में एमआरआई सुविधा तत्काल उपलब्ध कराई जाए ताकि मरीजों को बाहर न जाना पड़े। दूसरी, अल्ट्रासाउंड मशीन की सेवा बहाल की जाए जिससे गर्भवती महिलाओं व अन्य रोगियों को समय पर सुविधा मिल सके। तीसरी, सरकारी चिकित्सकों की कमी को दूर करते हुए सभी पदों पर डॉक्टरों की तैनाती की जाए। पत्र पर समाजसेवियों विपिन मौर्य, सेठी कश्यप, दिनेश कुमार, पुनीत, विनय गंगवार, नितिन सिंह, संजय कुमार, दिव्यांश रस्तोगी, रामदेव और कौशल कुमार गुप्ता सहित अन्य लोगों के हस्ताक्षर हैं। समाजसेवियों ने उम्मीद जताई है कि सरकार शीघ्र आवश्यक कदम उठाकर क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से निजात दिलाएगी।

निगोही नगर पंचायत में सफाई कर्मियों के शोषण का आरोप

संवाददाता, निगोही

- सफाई कर्मचारी संघ ने डीएम को पत्र भेजकर ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की
- आरोप है कर्मियों को सफाई के दौरान पानी पीने तक की अनुमति नहीं दी जाती

अमृत विचार: उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ ने निगोही नगर पंचायत में कार्यरत ठेका सफाईकर्मियों के शोषण का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को पत्र भेजा है। संघ ने ठेकेदार और नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

संघ ने पत्र में कहा है सफाईकर्मियों से ईपीएफ और ईएसआई की राशि तो काटी जा रही है, लेकिन वह उनके खातों में जमा नहीं हो रही है, जो शासनादेशों का खुला उल्लंघन है। ऐसे में ठेका निरस्त कर ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाए। संघ ने यह भी आरोप लगाया नगर पंचायत में 103 सफाईकर्मियों का नाम दर्ज है, लेकिन केवल वाल्मीकि समाज के 40 लोगों से ही काम कराया जा रहा है।

सफाईकर्मियों ने तैनात एक बाबू पर भी उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि आवाज उठाने वाले कर्मचारियों को हटाने या दूसरी जगह स्थानांतरित करने की धमकी दी जाती है। संघ ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत अध्यक्ष तक कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान पानी पीने की अनुमति नहीं देते। संघ ने यह भी बताया कि कर्मचारियों को मौसम के अनुसार अब तक वर्दी नहीं दी गई जबकि शासनादेश के मुताबिक वर्दी दी जानी चाहिए। कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों पर दो कर्मचारियों की तैनाती भी सुनिश्चित नहीं की जा रही है। पत्र पर अनिल वाल्मीकि, अनिल कुमार, अशू, राजीव, अनीकेत, राहुल, दीपक और रविन्द्र सहित कई सफाईकर्मियों ने हस्ताक्षर किए हैं। संघ ने डीएम से दस दिन के भीतर समस्याओं का समाधान कराने की मांग की है।

बिक्री संवर्धन को लेकर दवा प्रतिनिधियों ने भेजा ज्ञापन

शाहजहांपुर,अमृत विचार: उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन ने श्रम और रोजगार मंत्री भारत सरकार को बिक्री संवर्धन कर्मचारियों की मांगों पर डीएम के माध्यम से ज्ञापन भेजा।

दवा प्रतिनिधियों ने कलेक्ट्रेट में नारेबाजी कर नायब तहसीलदार अपूर्वा सिंह को ज्ञापन सौंपा। महासचिव विमेश कुमार मिश्रा ने बताया 10 अगस्त, 2017 को आयोजित औद्योगिक त्रिपक्षीय समिति की बैठक के निर्णय के अनुसार बिक्री संवर्धन कर्मचारियों सेवा की शर्तों अधिनियम, 1976 की धारा 12 के तहत बिक्री संवर्धन कर्मचारियों के लिए फ्रेम वैधानिक कार्य नियम, 4 श्रम कोड स्क्रैप करें और बिक्री संवर्धन कर्मचारी सेवा की शर्तें अधिनियम, 1975 सहित मौजूदा श्रम कानूनों को जारी रखें।

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 2 को लागू करें और उद्योग के रूप में बिक्री संवर्धन की घोषणा करें।

बिजली कटौती के विरोध में किया प्रदर्शन

संवाददाता, शाहजहांपुर

पांच सूत्रीय मांग पत्र नायब तहसीलदार अपूर्वा सिंह को सौंपते हुए बसपाई ।

- नगर निगम का कचरा डंपिग यार्ड शहर से बाहर किए जाने की उठाई मांग

अमृत विचार: बहुजन समाज पार्टी ने मंगलवार को जनहित की विभिन्न समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट में हुंकार भरी।

बसपाइयों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई, बिजली आपूर्ति, मच्छर प्रकोप से निजात आदि मुद्दों को लेकर डीएम को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार अपूर्वा सिंह को सौंपा। ज्ञापन में बताया गया पंडित रामप्रसाद बिस्मिल मेडिकल कॉलेज में स्टाफ नर्स द्वारा भर्ती मरीजों, तीमारदारों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाना, शहर से सटे कारखाने, मिल के प्रदूषण को नियंत्रण किया जाना, महानगर के कूड़ा कचरा के लिए ककरा में बना डंपिंग यार्ड से वहां रहने वाले वांशिदो को बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है, उक्त समस्या का निस्तारण हो। भीषण गर्मी के बिजली की अघोषित कटौती को रोका जाए, महानगर में रोजाना जहरीले मच्छरों के प्रकोप से लोग बीमार हो रहे हैं, इससे निजात के लिए फांगिग, एंटीलार्वा दवा का छिड़काव किया जाए। इसके साथ ही प्रदर्शन कारियों ने बताया इन दिनों छुट्टा पशुओं की समस्या सबसे ज्यादा विकराल हो गई। किसान किसी तरह अपनी फसलों की रखवाली कर सुरक्षा कर रहे है। जरा सा मौका मिलने पर छुट्टा जानवर फसलों को चट कर जा रहे है। इस दौरान महानगर अध्यक्ष मो.राशिद कुरैशी, राजेश्वर सिंह, अमित कुमार, मनोज सिंह, गुड्डू, सुधाकर गौतम आदि मौजूद रहे।

शाहजहांपुर की रेलवे मेल सेवा न हो बंदः अरुण सागर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- सांसद बोले- बंद हुई सेवा तो व्यापारियों व उपभोक्ताओं को होगा नुकसान

अमृत विचार: सांसद अरुण सागर ने संसद भवन में नियम 377 के तहत शाहजहांपुर की रेलवे मेल सेवा को बंद करने के प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने सदन में कहा कि संचार विभाग के पार्सल निदेशालय के डिप्टी मैनेजर द्वारा भेजा गया प्रस्ताव जनपदवासियों के लिए परेशानी का सबब बनेगा।

सांसद ने कहा कि रेलवे मेल सेवा न केवल शाहजहांपुर बल्कि हरदोई जनपद के लिए भी अहम है। प्रतिदिन औसतन 15 हजार साधारण डाक, 250 पार्सल और 500 रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट आर्टिकल इसी सेवा से भेजे और प्राप्त किए जाते हैं। कार्य दिवसों के अलावा छुट्टियों में भी यही सेवा रजिस्ट्री व स्पीड पोस्ट की सुविधा देती है। उन्होंने कहा कि सेवा बंद होने से आम जनता, व्यापारियों और ई-कॉमर्स से जुड़े उपभोक्ताओं को नुकसान उठाना पड़ेगा। सांसद ने सदन के माध्यम से सरकार से रेलवे मेल सेवा को पूर्व की भांति संचालित रखने की मांग की और भरोसा दिलाया कि जनपदवासियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। क्षेत्र के लोगों को जो भी सुविधाएं मिल रहे उन्हें जारी रखने के लिए हर तरह का कदम उठाया जाएगा।

छात्रवृत्ति के आवेदनों का 31 तक करें सत्यापन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

राजकीय इंटर कॉलेज में शिक्षण संस्थाओं की बैठक संपन्न। ● अमृत विचार

अमृत विचारः सत्र 2025-26 में अनुसूचि जाति, अनुसूचि जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति कक्षा 11-12 के लिए छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन से लेकर वितरण तक की कार्रवाई के निर्गत समय सारिणी के अनुसार क्रियान्वयन संबंधित शिक्षण संस्थाओं की बैठक हुई। बैठक प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक की अध्यक्षता में राजकीय इण्टर कॉलेज के मीटिंग हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने शिक्षण संस्थाओं को निर्देश दिए कि पूर्वदशम छात्रवृत्ति कक्षा 9-10 एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12 योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 में पात्र छात्र एवं छात्राओं द्वारा किए जा रहे ऑनलाइन आवेदनों को प्रथम चरण में निर्गत समय सारिणी अनुसार 2 अक्टूबर को छात्रवृत्ति वितरण की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए संस्था स्तर से छात्र व छात्राओं के आवेदन ऑनलाइन सत्यापित करते हुए 31 अगस्त तक ही अग्रसारित किए जा सकते हैं। निर्धारित तारीख तक कार्यवाही पूर्ण करने पर बल दिया गया है। 31 अगस्त तक संस्था स्तर से अग्रसारित आवेदनों को राज्य एनआईसी लखनऊ से स्क्रूटनी के पश्चात् पात्र पाए जाने की दशा में 2 अक्टूबर को छात्रवृत्ति वितरण दिवस कार्यक्रम मनाया जाएगा। सम्बन्धित संस्थाएं निर्धारित तिथि में छात्रवृत्ति डाटा सत्यापित एवं अग्रसारित करे।

इस दौरान प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, वरिष्ठ सहायक पिछड़ा वर्ग कल्याण, वरिष्ठ सहायक समाज कल्याण, प्रधानाचार्य जीआईसी प्रधानाचार्य जीआईसी कांट आदि मौजूद रहे।

सिंधौली में पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण शुरू

सिंधौली, अमृत विचार: बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आरम्भ किए गए पांच दिवसीय एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) प्रशिक्षण की शुरुआत आरएलडी पब्लिक स्कूल में हुई। कार्यक्रम का शुभारम्भ कैंटोमेंट उपाध्यक्ष अवधेश दीक्षित ने माता सरस्वती की स्तुति कर किया।

प्रशिक्षण के प्रथम दिन प्रशिक्षक अतुल शुक्ला ने जानकारी दी कि कक्षा तीन की हिन्दी पाठ्य पुस्तक को ''वीणा'' नाम दिया गया है, जिसमें कुल अध्यायों को पांच इकाइयों में बांटा गया है। इसमें पर्यावरण, श्रम, देशप्रेम, मित्रता और खेल विषयों को प्रमुखता दी गई है। प्रशिक्षक उपेंद्र तिवारी और रूपेंद्र जीत सिंह ने बताया कि पुस्तक का निर्माण बच्चों की रुचि को ध्यान में रखकर किया गया है और इसका मुख्य उद्देश्य भाषा विकास है।

प्रशिक्षक आरफीन अली खां और वली मोहम्मद ने शिक्षण के दौरान छात्रों का ध्यान विषयवस्तु पर केंद्रित रखने की विधियों पर विस्तार से चर्चा की। प्रशिक्षण सत्र में वरिष्ठ शिक्षक आशुतोष मिश्र, पंकज पांडेय, कमलेश यादव, संध्या मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहे।

छात्रों को टोल फ्री नंबर बताकर किया जागरूक

जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अयोजनाओं की जानकारी देतीं हुई। ● अमृत विचार

संवाददाता, हांपुर

अमृत विचार: डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश और जिला प्रोबेशन अधिकारी गौरव मिश्रा के मार्गदर्शन में बाल विवाह प्रतिषेध एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरुक करने के लिए मंगलवार को महिला कल्याण विभाग में प्राथमिक विद्यालय नवादा इन्देपुर में जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित ने महिला कल्याण विभाग की ओर से संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से बाल विवाह , बाल श्रम, आदि की जानकारी दी गई। विभागीय योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, वन स्टाप सेंटर योजना, वृद्धा पेंशन योजना, दिव्यांग पेंशन योजना सामूहिक विवाह योजना , राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना,निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना के विषय में जानकारी दी।

रश्मि देवी द्वारा चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1098, एवं अन्य सभी टोल फ्री नंबर 112,1090,181,108,102 आदि टोल फ्री नंबरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित, जेंडर स्पेशलिस्ट रश्मि देवी, काउंसलर आरती त्रिवेदी, अध्यापिका आदि लोग मौजूद रहे।

गन्ना मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल दिलाने की मांग

शाहजहांपुर,अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में मंगलवार को किसान यूनियन पदाधिकारियों ने डीएम को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार अपूर्वा सिंह को सौंपा।

जिला सचिव अनूप कुमार ने बताया गन्ना के मूल्य 500 प्रति क्विंटल दिलवाए जाए,ताकि बढ़ी हुई लागत से किसानों को नुकसान न हो। पढ़े लिखे युवाओं को रोजगार दिलाया जाए। गोशालाओं की जांच कराई जाए। चारागाह खलिहान और तालाबों को कब्जामुक्त कराया जाए। वृद्धावस्था पेंशन अन्य राज्यों के समान 5000 रुपये प्रतिमाह, विधवा महिलाएं जो आवास पात्र हैं, अभी उनको आवास नहीं मिले हैं। उन्हें आवास मुहैया कराए जाएंगे। सरकारी फार्मों पर जांच कराई जाए। ज्ञापन देने वालों में महिला जिलाध्यक्ष रेशमा, जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, पूजा कश्यप आदि के ज्ञापन पर हस्ताक्षर रहे।

न्यूज डायरी

व्यापार मंडल के प्रतिनिधि को एसपी ने किया सम्मानित

शाहजहांपुर,अमृत विचार : अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में मंगलवार को एसपी राजेश द्विवेदी से मिला। जिसमें हर घर तिरंगा कार्यक्रम में शामिल व्यापार मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ एसपी से भेंट की गई। इस अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत जिले एवं महानगर के पदाधिकारी को सांस्कृतिक मंत्रालय की ओर से जारी प्रमाण पत्र एसपी द्वारा वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नरेंद्र शुक्ला, प्रदीप गुप्ता, श्याम मोहन मिश्रा, सुनील मल्होत्रा, बिंदु मिश्रा, वाजिद खान, रईस मियां, शाहनवाज मंसूरी सहित काफी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

शोभायात्रा का जगह-जगह किया स्वागत

रोजा, अमृत विचार : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष में मनोकरण नाथ मंदिर मोहल्ला रेती से शोभायात्रा निकाली गई जो मुख्य मार्गों से होते मंदिर में आकर समाप्त हुई। शोभायात्रा का शुभारंभ भगवान गणेश, राधा कृष्ण आदि सभी देवी देवताओं की आरती पूजा अर्चना कर भगवान राधा कृष्ण के सिंहासन को भक्त राकेश मोहन मिश्रा, प्रदीप तिवारी, अभिषेक कुमार मिश्रा, जितिन तिवारी स्वयं खींचकर आगे बढ़ाया। शोभायात्रा में गणेश जी का प्रतीक हाथी, घोड़े बालाजी की मूर्ति, खाटू श्याम जी का सिंहासन था।

भुड़िया-उमरा भानपुर मार्ग की होगी मरम्मत, मांग स्वीकृत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जिला पंचायत क्षेत्र कांट द्वितीय वार्ड के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण मार्गों की जर्जर स्थिति को देखते हुए अब मरम्मत कार्य शुरू होने जा रहा है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य नीरज मिश्र और वर्तमान सदस्य कुसुम मिश्रा के प्रयासों से यह प्रस्ताव जिला पंचायत बैठक में रखा गया था, जिस पर कार्रवाई शुरू हो चुकी है। भुड़िया–उमरा–भानपुर मार्ग का मरम्मतीकरण स्वीकृत हो गया है और कुणी की बड़ी नहर पुलिया से पुलिस चौकी मार्ग तक सड़क निर्माण के लिए टेंडर की विज्ञप्ति भी जारी कर दी गई है। जिला पंचायत सदस्य कुसुम मिश्रा ने जिला पंचायत अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महा सरथाली, जमुनिया और पुरेना के मार्ग भी शीघ्र निर्माण कार्य में शामिल होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्र की सभी आवश्यक सड़कों का कार्य समय से पूरा कर लोगों को राहत मिलेगी।

नीरज मिश्रा।

गमगीन माहौल में निकाले गए ताजिए

बंडा, अमृत विचार : मुस्लिम समुदाय ने इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मंगलवार को चेहल्लुम मनाया। नगर के मुरादपुर मोहल्ले से ताजिए खुटार रोड होते हुए पूरनपुर रोड स्थित करबला तक निकाले गए। इस दौरान भारी संख्या में मुस्लिम वर्ग के लोग शामिल हुए। बैंड–बाजे की धुनों के बीच मुस्लिम समुदाय के लोग नौहे और मरसिए पढ़ते हुए इमाम हुसैन और उनके साथियों की कुर्बानी को याद कर शोक सभाओं में शामिल हुए। मोहर्रम की दसवीं तारीख को हुए युद्ध में इमाम हुसैन और उनके साथी शहीद हो गए थे। उसी की याद में चालीसवें दिन चेहल्लुम का पर्व मनाया जाता है। शाम 6:30 बजे ताजियों को करबला में गमगीन माहौल के बीच दफनाया गया। इस दौरान जामा मस्जिद के इमाम गुलाम नबी ने कहा यह त्योहार शहादत और बलिदान की याद में मनाया जाता है।

संभव में उठा जलनिकासी और सफाई का मुद्दा

कार्यालय संवाददाता,शाहजहांपुर

संभव जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनते अधिकारी। ● अमृत विचार

- नगर आयुक्त ने पांच शिकायतों में से दो का मौके पर किया निस्तारण

अमृत विचार: नगरवासियों के लिए नगर निगम कार्यालय में हर मंगलवार को आयोजित होने वाले संभव जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों ने जलनिकासी, जलापूर्ति, बिजली सप्लाई और साफ -सफाई व्यवस्था आदि को लेकर शिकायतें की गईं।

नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र की अध्यक्षता में सिस्टेमैटिक एडमिनस्ट्रेटिव, मैकेनिज्म, ब्रिगिंग, हैपीनेन्स एण्ड वैल्यू सम्भव के अन्तर्गत नगर निगम कार्यालय में जन सुनवाई दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जनसामान्य की ओर से जन-सुनवाई दिवस में सम्मिलित होकर साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, प्रकाश बिन्दु, नाली निर्माण एवं कर विभाग से संबंधित अपनी-अपनी शिकायतों को रखा। नगर आयुक्त ने शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना और जनसमस्याओं का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया। नगर आयुक्त ने कहा प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता आधार पर जन-सामान्य की संतुष्टि, समदृष्टि को ध्यान में रखते हुए ससमय निस्तारण कराया जाएं। जनसुनवाई दिवस में 5 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर ही 2 शिकायतों का निस्तारण कराया गया। शिकायतकर्ताओं द्वारा समस्याओं का मौके पर ही किए निस्तारण के लिए नगर आयुक्त का आभार व्यक्त किया गया। नगर आयुक्त ने शेष समस्याओं के निस्तारण के लिए त्वरित कार्रवाई किये जाने को संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही लोगों से अपील की गई कि प्रत्येक मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में आयोजित होने वाले जनसुनवाई दिवस में शामिल होकर निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं से संबंधित समस्याओं को रख सकते है, जिनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। जन सुनवाई दिवस में संयुक्त नगर आयुक्त संगीता कुमारी, सहायक नगर आयुक्त राजकुमार गुप्ता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक जल विजय नारायण मौर्य व अन्य अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सक्रिय प्रतिभाग किया गया।

आवश्यकता है

अनुभवी व्यक्तियों की

- आई.टी. टेक्नीशियन
- कंप्यूटर ऑपरेटर
- सुपरवाइजर
- कुक (रसोईया)
- वार्ड बॉय
- हाउस कीपिंग स्टाफ

वेतन योग्यतानुसार

सम्पर्क करें

एच.आर. ऑफिस, कमरा नं. 102, निकट ओ.पी.डी. गेट, वरूण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल एन.एच. 30, बन्थरा, शाहजहाँपुर।

समय प्रातः 10 बजे से सायं 04 बजे तक

मो. 7521001986

न्यूज ब्रीफ

युवक से मारपीट करने वाले पर रिपोर्ट

खुटार, अमृत विचार : गांव मलिका में रहने वाले योगेंद्र शुक्ला ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया 17 अगस्त की रात वह बंडा रोड पर ओवरब्रिज के पास स्थित दुकान पर सिगरेट लेने के लिए गया था। रुपये वापस मांगने पर दुकान मालिक कपिल शुक्ला निवासी रजमना से उसकी कहासुनी हो गई। आरोप है कपिल शुक्ला ने योगेंद्र शुक्ला की लाठी डंडों से पिटाई कर दी। जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल का मेडिकल परीक्षण कराया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी कपिल शुक्ला व एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लूट की जगह मारपीट में दर्ज की रिपोर्ट

मिर्जापुर, अमृत विचार : कलान थाना पुलिस पर गंभीर आरोप लगे हैं। गांव नरसुईया निवासी लालाराम ने कहा कि शनिवार रात तीन युवकों ने उससे मारपीट कर मोबाइल और पांच हजार रुपये लूट लिए। घटना की शिकायत करने पर पुलिस ने लूट की जगह साधारण धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की। पीड़ित का आरोप है कि तहरीर बदलने से इनकार करने पर थाने में उसकी पिटाई की गई और जबरन रिपोर्ट बदल दी गई। प्रभारी निरीक्षक ने सभी आरोपों को निराधार बताया है।

नियम तोड़ने पर 66 वाहनों का काटा चालान

शाहजहांपुर, अमृत विचार : अधिकारियों के निर्देश पर जिले में नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ 18 और 19 जुलाई को विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। दो दिवसीय अभियान के अन्तर्गत 66 वाहनों के खिलान चालान की कार्रवाई की गई। जिसमें से 2 ट्रैक्टर पिपरौला चौकी, 5 ट्रक थाना अल्हागंज, 1 ट्रक आरसी मिशन व 1 ट्रक थाना निगोही में सीज किया गया है। इस दौरान 7 .05 लाख का चालान किया गया। एआरटीओ प्रशासन ने वाहन स्वामियों को निर्देशित किया है कि बिना मानक के वाहनों का संचालन कदापि न किया जाए। अन्यथा की स्थिति में कार्रवाई की जाएगी।

ढाई किलो अफीम समेत दो तस्कर गिरफ्तार

जैतीपुर/शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुलिस ने दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से ढाई किलो अफीम और तलाशी में 2150 रुपये बरामद किए है। थाना के उप निरीक्षक रविन्द्र नाथ सिंह को मंगलवार की सुबह 8 बजे सूचना मिली कि बंडिया खुद तिराहे पर दो तस्कर खड़े है जो किसी का इंतजार कर रहे है। पुलिस ने दोनों तस्करों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी मो. नौशाद अली निवासी वरवाडीह थाना लातेहर जिला लातेहर झारखंड और अताऊल हक निवासी पोखरी कला थाना लातेहर जिला लातेहर, झारखण्ड है। पुलिस ने ढाई किलो अफीम और 2150 रुपये बरामद किए है। बरामद अफीम की अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत छह लाख रुपये है।

करंट लगने से महिला की मौत

पुवायां, अमृत विचार : घर में खाना बनाते समय करंट लगने से महिला की बेहोश हो गई। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जनपद लखीमपुर के थाना मोहम्मदी के गांव सिसोरा उमाशंकर की पत्नी सोनी देवी घर में खाना बना रही थी। इस दौरान उसका हाथ अचानक विद्युत उपकरण से छू गया। जिससे उसे करंट लग गया। आनन फानन में उसे छुड़वाया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक को पीटकर किया घायल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : चौक कोतवाली के मोहल्ला कच्चा कटरा निवासी नवनीत वर्मा ने बताया कि 13 अगस्त की रात 10 बजे मालखाना के निकट होटल दिल्ली दरबार में खाना पैक करा रहा था। वहां पहले से मौजूद अक्ष्य कदम, योगेश कदम निवासी खिरनीबाग थाना सदर बाजार व इनका एक कर्मचारी सुनील कारीगर व शिवांश से गाड़ी हटाने को लेकर उसका विवाद हो गया। आरोपी गाली देने लगे। विरोध करने पर मारपीट पर अमादा हो गए। पीड़ित झगड़े से बचने के लिए गाड़ी लेकर पैदल चल दिया। होटल के बाहर खड़े उसके भाई सचिन वर्मा ने कहा कि चलो अंडे लेकर आते हैं। वह चल दिया। आरोप है कि आरोपियों ने उसके भाई को पीटकर घायल कर दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके विवेचना की जा रही है।

कमरे का लिंटर गिरने से ग्रामीण और दीवार गिरने से महिला की मौत

लिंटर जर्जर हालत में था, बारिश से दीवार में सीलन थी, कटरा और निगोही में हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिले में अलग-अलग स्थानों पर मकान का जर्जर लिंटर गिरने से कमरे में सो रहे व्यक्ति और कच्ची दीवार गिरने से महिला मलबे दबकर घायल हो गयी। दोनों घायलों को सरकारी अस्पताल में लाया गया। जहां डाक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मीरानपुर कटरा क्षेत्र में मकान का जर्जर लिंटर गिरा और निगोही क्षेत्र में मकान की कच्ची दीवार गिरी है।

मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के गांव सिउरा निवासी सुखवीर सिंह मंगलवार की सुबह सात बजे अपने घर के अंदर एक कमरे में सो रहे थे। कमरे का लिंटर जर्जर हालत में था। अचानक जर्जर लिंटर गिर गया और मलवे में दब गया। लिंटर गिरने की आवाज सुनकर परिवार और गांव वाले दौड़कर आए। गांव

वृद्धा की मौत के बाद विलाप करते परिजन। ● अमृत विचार

वालों ने उनके ऊपर से मलबा हटाया। परिवार वाले सुखवीर सिंह को लेकर सीएचसी पर गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार में रोना पिटना मच गया। सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक जुगुल किशोर सिपाहियों के साथ

सुखबीर

नन्ही देवी

पहुंचे। उन्होंने तहसील को सूचना दी। भूराजस्व निरीक्षक अरविंद कुमार सिंह व लेखपाल धर्मेंद्र सिंह गांव में पहुंचे और मृतक के परिवार वालों से जानकारी की। ग्राम प्रधान शरद यादव ने सरकार से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

निगोहीः थाना क्षेत्र के गांव हसौआ निवासी 65 वर्षीय विधवा नन्ही देवी एक दीवार की बनी कोठरी में मंगलवार की सुबह पांच बजे सो रही थी। अचानक कच्ची दीवार उसके ऊपर गिर गयी और गलवे में दब गयी। दीवार गिरने की आवाज सुनकर परिवार वाले जाग गए। परिवार वालों ने गांव वालों की मदद से उसके ऊपर से मलवा हटाया। परिवार वाले उसे सीएचसी पर ले गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने राजस्व विभाग को सूचना दी। परिवार वालों ने बताया कि बारिश के दौरान कच्ची दीवार में सीलन आ गयी थी। मृतका के तीन बेटे है। मौत से परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

होमगार्ड पर पिटाई का आरोप, पीड़ित ने लगाई न्याय की गुहार

शाहजहांपुर, अमृत विचार: थाना मदनापुर के गांव बंधा निवासी रूपेश कुमार ने होमगार्ड पर पिटाई करने का आरोप लगाया। पीड़ित मंगलवार को चिनौर स्थित जिला होमगार्ड कमांडेंट कार्यालय पर पहुंचकर पीड़ित रूपेश पाठक ने जिला होमगार्ड कमांडेंट को शिकायती पत्र दिया। जिसमें बताया 15 अगस्त को वह गांव में गाय चरा रहा था, पास में गोशाला में गायों की दुर्दशा देखकर मदद करनी चाहिए तो गांव के प्रधान ने 112 डायल कर पुलिस को बुला लिया। जहां से पुलिस उसको थाने ले आई, आरोप है थाने में मौजूद होमगार्ड दीनानाथ सागर नशे में था उसने लाठी से उसकी पिटाई की। थाने में तहरीर देने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने होमगार्ड के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जिसका संज्ञान लेते हुए होमगार्ड कमांडेंट ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान हर्षित शंखधार जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा युवा प्रकोष्ठ, उमाशंकर अवस्थी जिला महामंत्री ब्राह्मण महासभा युवा प्रकोष्ठ मौजूद रहे।

खुटार-पूरनपुर हाईवे पर बस की टक्कर से किसान की मौत

संवाददाता, खुटार

● खुटार से मोबाइल ठीक कराकर बाइक से घर आ रहे थे सतनाम

अमृत विचार : खुटार पूरनपुर स्टेट हाईवे पर बाइक सवार किसान को डबल डेकर बस ने टक्कर मार दी। जिससे वह बाइक सहित रोड पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए बरेली लेकर जा रहे थे, रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

सतनाम सिंह

क्षेत्र के झदिया गांव निवासी सतनाम सिंह (45) मंगलवार सुबह 10 बजे बाइक से खुटार जाने के लिए घर से निकले थे। खुटार पहुंचने पर उन्होंने मोबाइल खराब होने पर उसे ठीक करा कर दोपहर लगभग 2 बजे वह बाइक से घर लौट रहे थे। वह खुटार से जैसे ही पूरनपुर स्टेट हाईवे लालपुर मोड़ के पास पहुंचे थे, इसी बीच पीछे से आ रही डबल डेकर बस ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने इलाज के लिए बरेली लेकर चले गए। परिजन सतनाम सिंह को बीसलपुर के पास लेकर पहुंचे ही थे कि उन्होंने रास्ते में दम तोड़ दिया।सतनाम सिंह अपने पीछे पत्नी नरेंद्र कौर, बेटी लव जीत कौर, बेटा लवदीप सिंह व सोनू को रोता बिलखता छोड़ गया।

हादसे के बाद बस चालक मौके से भाग निकला। जिस पर ग्रामीणों ने कुछ दूरी पर जा कर उसे घेर कर रोक लिया व पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस को अपने कब्जे में ले लिया जबकि चालक मौके से फरार हो गया। वहीं सुभाष चंद्र, कार्यवाहक थानाध्यक्ष खुटार ने बताया बस की टक्कर से घायल की इलाज के लिए लेकर जाते समय मौत हो गई है। बस को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गांव पड़ैनिया में मकान से नकदी-जेवर ले गए चोर

मौके पर जांच पड़ताल करती पुलिस। ● अमृत विचार

संवाददाता, जैतीपुर

अमृत विचार: चोरी की अफवाहों के बीच सोमवार रात गांव पड़ैनिया में चोरों ने दीवार फांदकर घर के अंदर दाखिल हुए और कमरे का गेट खोलकर बक्से का ताला तोड़ दिया। घर में रखे आभूषण और नकदी सहित करीब पांच लाख का माल चोरी कर ले गए। घटना के समय परिवार के मुखिया सुशील शंखधार खेत पर फसल की रखवाली कर रहे थे जबकि घर पर पत्नी बेबी शंखधार और बच्चे अकेले थे। रात करीब एक बजे के बाद चोर कमरे का सामान बिखेरते हुए दो छोटे बक्से उठा ले गए, जो बाद में गांव के बाहर पड़े मिले। सुशील शंखधार के अनुसार, चोर घर से एक लाख बीस हजार की नकदी, सोने की अंगूठी, झुमकी, लर, पेंडल, मंगलसूत्र आदि चोरी कर ले गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घटना स्थल की जांच पड़ताल की लेकिन चोरों का कोई सुराग हाथ नहीं लगा। इस संबंध में थाना प्रभारी गौरव त्यागी ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है, मामले की जांच की जा रही है। प्रार्थना पत्र अभी प्राप्त नहीं हुआ है।

पुलिस पर महिलाओं के साथ अभद्रता करने का आरोप

तिलहर, अमृत विचार: मारपीट के मामले में आरोपियों की तलाश में पहुंची पुलिस पर महिलाओं के साथ अभद्रता करने का आरोप लगा है। इससे मोहल्ले के लोगों में आक्रोश है। नगर के मोहल्ला पचासा में गत दिवस दो पक्षों में गाली-गलौज एवं मारपीट हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया था। घायल की ओर से पुलिस ने एक परिवार के चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। मंगलवार दोपहर पुलिसकर्मी आरोपियों की तलाश में उनके घर पहुंचे। परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाया कि आरोपियों के नहीं मिलने पर पुलिस ने घर में मौजूद महिलाओं के साथ गाली-गलौज करते हुए अभद्रता की। मौके पर मौजूद महिलाओं ने आरोप लगाया कि पुलिस के एक सिपाही ने युवतियों और महिलाओं के सामने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। पीड़ित महिलाओं ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

सहकारी समितियों से जुड़े किसानों को मिलेगा 11 अंकों का विशेष कोड

बैठक करते डीसीबी के चेयरमैन डीपीएस राठौर। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● बैठक में चेयरमैन डीपीएस राठौर ने दी जानकारी

● खाद-बीज व लोन की पारदर्शी उपलब्धता का आश्वासन

अमृत विचार: जिला सहकारी बैंक मुख्यालय स्थित अटल सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए डीसीबी चेयरमैन डीपीएस राठौर ने कहा कि सहकारिता विभाग किसानों की खाद, बीज, कीटनाशक और लोन जैसी आवश्यकताओं की सुविधाजनक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी सहकारी समितियों (बी-पैक्स) से जुड़े किसानों को 11 अंकों का विशेष कोड जारी करेगा। इस कोड में जनपद का कोड, परिवहन कोड तथा समिति का अलग कोड शामिल होगा।

उन्होंने बताया कि सभी समितियां अपने-अपने सदस्य किसानों को डिजिटल यूनिक कार्ड देंगी, जिससे खाद और बीज वितरण सहित अन्य सुविधाओं में पारदर्शिता बनी रहेगी। वहीं, उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किसानों को सहकारिता परिवार से जोड़ने और उन्हें सदस्य बनाने पर बल दिया।

डीसीबी चेयरमैन ने कहा कि सभी समितियों पर खाद की उपलब्धता निरंतर बनी रहेगी। किसानों को हर आवश्यकता की पूर्ति पैक्स स्तर पर ही कराई जाएगी। बैठक में सहायक आयुक्त सहकारिता अखिलेश प्रताप सिंह, महाप्रबंधक सौरभ द्विवेदी, एडीसीओ बैंकिंग हरिकेश परमार, एडीसीओ सदर संजय सिंह, तिलहर के दिनेश कुमार, जलालाबाद के शिवरतन लाल, कलान के ओमप्रकाश मौर्य, उप महाप्रबंधक शकील अहमद व राजेश कुमार कुशवाहा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महिला की फोटो वायरल करने पर रिपोर्ट दर्ज

खुटार, अमृत विचार : क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया शनिवार रात गांव के ही रहने वाले गैर समुदाय के शब्बू ने उसकी पत्नी के फोटो को एडिट करके फेसबुक और इंस्टाग्राम आईडी के स्टेट्स लगा दिया था।

● महिला के पति के विरोध करने पर दबंगों ने घर में घुसकर की थी मारपीट

जिसकी जानकारी होने पर उसने विरोध किया तो आरोपी शब्बू अपने भाई सोनू, पिता मो.शेर व मां को बुला लिया था और रात 11 बजे उसके घर में घुस आया और गाली देते हुए उससे मारपीट की थी। घटना की सूचना रात में ही पुलिस को दी थी। लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद पीड़ित सुबह थाने पहुंचा और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी थी। लेकिन फिर भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी। जिसके मंगलवार को पीड़ित सीओ से मिला। जिस पर सीओ ने तत्काल पीड़ित की रिपोर्ट दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए। सीओ के आदेश पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर घायल महिला के पति का मेडिकल कराया है।

स्वर्ण पदक जीतने वाली छात्राएं हुई सम्मानित

संवाददाता, शाहजहांपुर

छात्रा को सम्मानित करते एसपी राजेश द्विवेदी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : डॉ सुदामा प्रसाद बाल विद्या मंदिर कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने राज्य स्तरीय टेबल टेनिस, बैडमिंटन एवं राइफल शुटिंग खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अर्जित किया है। इन छात्राओं का चयन बरेली मंडल की राज्य स्तरीय टीम में किया गया है।

एसपी राजेश द्विवेदी ने अपने कार्यालय में इन छात्राओं को सम्मानित किया। टेबल टेनिस में 14 वर्ष की आयु वर्ग की आभ्या सिंह ने स्वर्ण पदक जीता, बैडमिंटन में 19 वर्ष की आयु वर्ग की शुभि और मीनाक्षी की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता, 14 वर्ष की आयु वर्ग में दिव्या दूबे और देविका सैनी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

राइफल शूटिंग में 17 वर्ष की आयु वर्ग में जिज्ञासा कश्यप और 14 वर्ष की आयु वर्ग में आकांक्षा कश्यप ने स्वर्ण पदक जीता। एसपी ने कहा कि छात्राओं ने राज्य स्तरीय खेत प्रतियोगिता में कालेज का नाम नहीं बल्कि जिले का नाम रोशन किया है। बेटियां भी किसी क्षेत्र में पीछे नहीं है। खेलों में उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण भाव अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। सम्मान समारोह में प्रशिक्षु सीओ आदि मौजूद रहे।

सर्पदंश से युवक की हालत बिगड़ी

तिलहर, अमृत विचार: सर्प दंश से युवक की हालत बिगड़ गई। परिजन उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। कटरा थाना क्षेत्र के गांव ईसुरा में मंगलवार तड़के एक युवक सर्पदंश का शिकार हो गया। जानकारी के अनुसार, राजीव का 20 वर्षीय पुत्र नीरज सुबह करीब चार बजे सांप के काटने से घायल हो गया। परिजन तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलहर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार दिया। युवक की स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजन चिंतित होकर युवक को मेडिकल कॉलेज लेकर गए। जहां उसका इलाज चल रहा है।

किश्त मिलने के बाद निर्माण न होने पर होगी एफआईआर

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र के साथ कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में डूडा विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की प्रगति की समीक्षा बैठक की। बैठक में डीएम ने स्वीकृत, पूर्ण अथवा अपूर्ण आवासों तथा प्रथम एवं द्वितीय किश्त प्राप्त करने के उपरांत निर्माण कार्य न कराए जाने वाले लाभार्थियों की स्थिति पर समीक्षा की। नगर आयुक्त ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत 1789 अपूर्ण आवास हैं, जबकि 84 आवास निर्माणाधीन हैं। इसके अतिरिक्त 34 लाभार्थी मृतक तथा 256 लाभार्थियों को अपात्र पाए गए हैं। डीएम ने निर्देश दिए कि 31 अगस्त से पूर्व कुल स्वीकृत आवासों में आवश्यकतानुसार पोर्टल पर संशोधन एवं कमी की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि अब तक 401 लाभार्थियों को प्रथम किश्त तथा 42 लाभार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय किश्त जारी की जा चुकी है। किन्तु किश्त प्राप्त करने के उपरांत लाभार्थियों द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। इस पर नाराज़गी व्यक्त करते हुए डीएम ने निर्देश दिए कि यदि 31 अगस्त तक ऐसे लाभार्थियों द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया जाता है तो उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराते हुए वसूली की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन 849 आवासों के संबंध में जिनमें वर्तमान समय में निर्माण कार्य प्रगति पर है, डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक दशा में 31 अक्टूबर तक सभी निर्माण कार्य पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि योजनांतर्गत सभी प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर समयबद्ध लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें तथा लाभार्थियों को योजना का वास्तविक लाभ समय पर प्रदान किया जाए।

रेल पटरी चटकने में अधिकारियों पर हो सकती है कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● एक सप्ताह पूर्व पटरी चटक गई थी, अधिकारियों ने संयुक्त रिपोर्ट भेजी

अमृत विचार: कहेलिया ओर ऐगवां रेलवे स्टेशन के बीच रेल पटरी चटखने के मामले में रेल अधिकारियों द्वारा ने अपनी संयुक्त रिपोर्ट मंडल कार्यालय को भेज दी है। रेल अधिकारियों और कर्मचारियों पर गाज गिर सकती है।

एक सप्ताह पूर्व कहेलिया और ऐगवां रेलवे स्टेशन के बीच डाउन लाइन पर खंभा संख्या 1214/10 के सामने रेल पटरी चटख गयी थी। रेलवे के चाबी मैन ने चटखी पटरी को देखा था। उन्होंने स्टेशन मास्टर और रेलवे कंट्रोल को सूचना दी थी। कंट्रोल ने आंझी शाहाबाद रेलवे पथ निरीक्षक और स्टेशन मास्टर को सूचना दी थी। रेल अधिकारियों ने मौका पर आकर देखा कि एक स्थान पर रेल पटरी चटखी हुई थी। इस दौरान डाउन लाइन पर एक घंटे तक रेल संचालन प्रभावित रहा था।

डाउन लाइन की बेगमपुरा एक्सप्रेस, जम्मूतवी-कानपुर एक्सप्रेस, पंजाब मेल और गंगा सतलज एक्सप्रेस को विभिन्न स्टेशनों पर रोक दिया गया था। जागल प्लेट बांधकर काशन देकर ट्रेनें निकाली गयी थी। मंडल के अधिकारियों ने मौका मुआयना किया था। रेल अधिकारियों ने अपनी संयुक्त रिपोर्ट बनाकर मंडल कार्यालय को भेज दी है। मुरादाबाद मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि किसी कर्मचारी को निलंबित नहीं किया गया है। जांच पूरी होने के बादअनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अभी जाचं चल रही है।

हज यात्री धनराशि 20 तक हज कमेटी के खाते में जमा करें

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● प्रदेश के 18760 हज यात्रियों का हुआ चयन

अमृत विचार: जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रोहित कुमार सिंह ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई द्वारा 2026 के हज यात्रियों के चयन के लिए 13 अगस्त को सुबह 11:30 बजे कमेटी कक्ष, हज कमेटी आफ इण्डिया, हज हाउस, मुम्बई में ऑनलाइन कुर्रा आयोजित किया गया। जिसका हज कमेटी आफ इण्डिया की वेबसाइट पर लाइव प्रसारण भी किया गया।

प्रदेश के 18760 हज यात्रियों का चयन हो गया है। प्रत्येक कवर हेड के मोबाइल नम्बर पर सूचना हज कमेटी आफ इण्डिया की तरफ से भेज दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश से चयनित हज यात्रियों की सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। प्रत्येक कवर को आवंटित बैंक रेफरेंस नम्बर उनके कवर के आगे अंकित है। हज कमेटी ने प्रोवीजनली चयनित हज यात्रियों को निर्देश जारी किए हैं कि प्रत्येक प्रोवीजनली चयनित हज यात्री को अग्रिम धनराशि 1,52,300 रुपये 20 अगस्त तक हज कमेटी आफ इण्डिया मुम्बई के खाते में जमा करना होगा। चयनित हज यात्री निर्धारित धनराशि ऑनलाइन वेबसाइट पर व हज सुविधा एप पर क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग के माध्यम से भी जमा कर सकते हैं।

धनराशि स्टेट बैंक आफ इण्डिया व यूनियन बैंक आफ इण्डिया में भी पे-इन-स्लिप द्वारा हज कमेटी आफ इण्डिया के खाते में जमा की जा सकती है। धनराशि जमा करने को वेबसाइट पर उपलब्ध सूची में प्रत्येक कवर नम्बर के सामने बैंक रेफरेंस नम्बर अंकित है।

धनराशि जमा करने के बाद प्रत्येक यात्री को रसीद व पे-इन-स्लिप स्वतः हस्ताक्षरित हज आवेदन फार्म, घोषणा पत्र, अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट हेतु घोषणा पत्र, मेडिकल स्क्रीनिंग एण्ड फिटनेस सर्टिफिकेट हज कमेटी आफ इण्डिया के पोर्टल पर अपने लॉग-इन आईडी से अपलोड करना है अथवा कार्यालय राज्य हज समिति मौलाना अली मियां मेमोरियल हज हाउस, सरोजनीनगर लखनऊ पर डाक अथवा दस्ती 25 अगस्त तक जमा करना होगा। समय से धनराशि व प्रपत्र जमा न कराने पर प्रोवीजनली चयनित हज यात्री की सीट निरस्त हो सकती है।

सड़क दुर्घटनाओं में सात लोग घायल, पांच रेफर

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार: थाना बिलसंडा क्षेत्र के गांव मुड़िया बिलहरा निवासी जयवीर फुफेरे भाई कमलेश के साथ पुवायां से लौट रहा था। रास्ते मे बंडा रोड पर सामने से आ रही मोहल्ला रामलीला निवासी ईश्वर चंद्र की बाइक से टकरा गई। जिसमें तीनों घायल हो गए। घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां कमलेश और ईश्वरचंद्र को जिला रेफर कर दिया।

उधर, बंडा के जमुनिया खानपुर निवासी अनोज भाई हरिओम, पत्नी गुड्डी और श्रीपाल के साथ पुवायां में मुकदमें की पैरवी निपटाकर ई-रिक्शा से घर जा रहे था। ई-रिक्शा हरिओम चला रहा था। रास्ते मे गांव जुझारपुर के पास अचानक कार सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद सभी गिरकर घायल हो गए। घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां से श्रीपाल, हरिओम व अनोज को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने ई-रिक्शा को कब्जे में लिया है।

बस की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल

अल्हागंज, अमृत विचार : रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए। मंगलवार सुबह 11 बजे अल्हागंज थाना क्षेत्र में रोडवेज बस और बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में घायल अभय कश्यप (30) निवासी अल्हागंज की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे फर्रुखाबाद लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया, जहां फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। वहीं अन्य घायल आर्यन (18) निवासी साहेबगंज और रजत (19) निवासी फर्रुखाबाद को परिजन प्राइवेट अस्पताल ले गए।

सिटी ब्रीफ

धार्मिक स्थलों पर हो विशेष सफाई

शाहजहांपुर, अमृत विचार : समाजसेवी नबी सलमान ने डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह को एक पत्र देकर धार्मिक स्थलों और महापुरुषों की प्रतिमाओं के आसपास विशेष साफ सफाई कराने का अनुरोध किया। पत्र में बताया पूर्व में भी इस संबंध में एक पत्र दिया गया था, लेकिन कोई ध्यान साफ सफाई पर नहीं दिया गया है। कालीबाड़ी मंदिर धर्मशाला मोहल्ला खिरनीबाग के पास कूड़े का ढ़ेर लगा हुआ है। जिससे वहां निकलने वाले श्रध्दालुओं को दिक्कत हो रही है।

युवक का कान काटने वाले को भेजा जेल

पुवायां, अमृत विचार : जन्माष्टमी झांकी देखने गए युवक के साथ मारपीट कर उसका कान काटकर अलग करने वाले युवक को पुलिस ने जेल भेज दिया है। जन्माष्टमी की रात नगर के कुरगंजा निवासी रिंकू के साथ मामूली बात को लेकर मारपीट करने और कान को काटकर बुरी तरह से अलग करने वाले मोहम्मदी जनपद के गांव सिसोरा निवासी मौसम उर्फ आशुतोष दीक्षित को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

दरोगा अरुणेश का मुरादाबाद तबादला

दियोरियाकलां, अमृत विचार : कोतवाली में तैनात दरोगा अरुणेश भदौरिया का तबादला मुरादाबाद जोन में कर दिया गया है। मंगलवार को कोतवाली में कार्यक्रम आयोजित कर दरोगा को विदाई दी गई। कोतवाल दिगंबर सिंह, एसएसआई अमित शर्मा, बेनीपुर चौकी इंचार्ज विपिन शुक्ला समेत स्टाफ मौजूद रहा। बता दें कि दरोगा अरुणेश का बीते दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह बंदरों के झुंड को चने खिलाते और शरबत पिलाते दिए थे।

छुट्टा पशु किसानों की फसल कर रहे बर्बाद

पीलीभीत, अमृत विचार : छुट्टा पशुओं से किसान परेशान हो गए। दिन रात फसलों की रखवाली कर रहे है। किसानों ने जिला प्रशासन से छुट्टा पशुओं को पकड़वाकर गोशाला में सरंक्षित कराने की मांग की है। किसानों का कहना है जरा सा मौका मिलते ही छुट्टा पशु फसलों को चट कर जा रहे है। बारिश के मौसम में पशुओं का झुंड निकलने से फसल टूटकर बर्बाद हो रही है।

पति समेत अन्य पर प्रताड़ना की रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला ग्यासपुर निवासी फूल बी पत्नी असलम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पति असलम, ससुर नत्थू शाह, सास नन्ही बेगम, देवर अशरफ, शोएब, तस्लीम, आबिद उससे बाइक और जेवर की मांग करते हैं। इसके पूरा न होने पर मारपीट की गई। पीटकर घर से निकाल दिया गया। इसके बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर पति समेत अन्य के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

बिना भेदभाव के मतदाता सूची में नाम जोड़ें

अमरिया, अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के परिवर्धन, विलोपन और संशोधन कार्य की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मंगलवार को एसडीएम अमरिया मयंक गोस्वामी ने नवादा श्यामपुर गांव पहुंचकर बूथों का औचक निरीक्षण किया।

रामगंगा का जलस्तर घटा, बाढ़ पीड़ितों की मुसीबतें बरकरार

बाढ़ के पानी में डूबी सैकड़ों बीघा फसल, पशुओं के चारे की किल्लत से जूझ रहे ग्रामीण

संवाददाता, मिर्जापुर

- गंगा-रामगंगा की बाढ़ से कई गांव जलमग्न, संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त
- गांव में बाढ़ पीड़ितों को खाद्य सामग्री वितरित की

पीड़ितों को सामग्री बांटते पूर्व जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्रपाल सिंह यादव।

अमृच विचार: रामगंगा में दो दिन से लगातार हो रही बढ़ोतरी के बाद सोमवार रात से जलस्तर में आंशिक गिरावट दर्ज की गई, जिससे तटवर्ती क्षेत्र के लोगों को कुछ राहत मिली है। हालांकि बाढ़ की मार झेल रहे ग्रामीणों की परेशानियां फिलहाल कम हुई हैं। नदी का पानी कस्बा और आसपास के गांवों में फैलने से सैकड़ों बीघा फसलें जलमग्न हैं। सबसे बड़ी समस्या पशुओं के चारे की हो रही है।

रामगंगा किनारे बसे कुण्डरी, गहवरा, सोहड़, मई खुर्द कला, दहीलिया, ककोड़ा, परौर, नारायण नगला, हरिहरपुर, बीघापुर सिठौली, मौजमपुर, पहारुआ और कीलापुर सहित दर्जनों गांव अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। किसानों का कहना है कि बाजरा, मूंग, मेंथा, तिली, धान और तुलसा जैसी फसलें पूरी तरह डूब चुकी हैं, जिससे भविष्य की चिंता सताने लगी है।

दूसरी ओर गंगा नदी के जलस्तर में कमी जरूर आई है, लेकिन निचले इलाकों के गांवों और घरों में पानी अब भी भरा है। कई संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। पकड़िया नगला और पैलानी के बीच सड़क कटने से सात फीट गहरा गड्ढा बन गया है, जिस पर ग्रामीणों ने बिजली का पोल रखकर जान जोखिम में आना-जाना शुरू कर दिया है।

इस बीच मेडिकल टीम लगातार प्रभावित क्षेत्रों में दवा वितरण कर रही है। मंगलवार को सोहड़ गांव में डॉ. सौरभ दुबे, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. अछिता सहाय और जयनेश की टीम ने करीब 80 लोगों को दाद, खाज, खुजली, सर्दी, दर्द और बुखार की दवाएं उपलब्ध कराईं।

इधर, राहत कार्य भी तेज हो गया है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, चेयरमैन जिला सहकारी संघ रमाकांत मिश्रा और जिला पंचायत सदस्य धर्मेंद्र यादव ने ढाई गांव में बाढ़ पीड़ितों को खाद्य सामग्री वितरित की। इस दौरान स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

प्रधान, वीडीओ और रोजगार सेवक पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : कोर्ट के आदेश पर न्यूरिया पुलिस ने धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की है। जिसमें ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी और रोजगार सेवक समेत पांच आरोपी बनाए गए हैं। आरोप है आरोपियों ने फर्जी कार्य दर्शाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया और कूटरचित बिल और रसीदें बनाकर धोखाधड़ी की है।

दर्ज की गई रिपोर्ट में थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम हरिकिशनपुर निवासी राजू ने बताया प्रधान रेशमवती, तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी राकेश कुमार, वर्तमान ग्राम पंचायत सचिव मेवाराम, रोजगार सेवक ममता देवी और पूर्व प्रधान व वर्तमान प्रधान के पति दीपक कुमार ने मिलकर एक लाख 32 हजार रुपये का गबन किया। इतना ही नहीं 59870 रुपये का इंजन खरीदने के नाम पर भी हेराफेरी की गई। जांच के दौरान आरोपियों ने फर्जी रसीदें और कूटरचित बिल पेश किए। आरोप है कि जांच अधिकारी ने कई बिंदुओं की जांच बिना उसे बताए ही फर्जी ढंग से पूरी कर दी ।

बर्ड फ्लू का खतरा ,मेडिकल कॉलेज में बेड किए रिजर्व

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बर्ड फ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी
- फ्लू जैसे लक्षण दिखने पर बिना देर किए डॉक्टर से ले परामर्श

अमृत विचार : प्रदेश के कई जिलों में बर्ड फ्लू के मामले सामने आने के बाद जनपद स्तर पर भी स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। जिसमें कहा है कि यह रोग पक्षियों से इंसानों तक फैल सकता है, इसलिए आमजन को विशेष सावधानी और सतर्कता बरतनी जरूरी है।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने बताया बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लुएंजा) एक संक्रामक रोग है, जो पक्षियों में अचानक मौत, अंडों के उत्पादन में कमी और सुस्ती जैसे लक्षणों के साथ नजर आता है। वहीं, इंसानों में यह तेज बुखार, गले में खराश, खांसी, सांस लेने में तकलीफ और गंभीर मामलों में न्यूमोनिया और बहु-अंग विफलता तक का कारण बन सकता है। जिसके पक्षियों में प्रमुख लक्षण अचानक मृत्यु, अंडों का उत्पादन कम होना, सुस्ती और भोजन न करना है। जबकि इंसानों में इसके लक्षण तेज बुखार, गले में दर्द, खांसी-छींक, सांस की दिक्कत, सिरदर्द, आंखों में लालिमा व पानी आना, उल्टी-दस्त और गंभीर स्थिति में सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। लोगों से अपील की है कि बीमार या मृत पक्षियों को छूने से बचें, पोल्ट्री उत्पादों को अच्छी तरह पकाकर ही खाएं और पक्षियों के संपर्क के बाद हाथ अवश्य धोएं। मृत या बीमार पक्षी दिखने पर तुरंत पशु चिकित्सा विभाग या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र को सूचित करें। फ्लू जैसे लक्षण दिखने पर बिना देर किए चिकित्सक से परामर्श लें।

प्राचार्य ने बताया कि बर्ड फ्लू का इलाज संभव है। शुरुआती अवस्था में एंटीवायरल दवाओं, ऑक्सीजन सपोर्ट और आईसीयू की सुविधा से मरीज पूरी तरह ठीक हो सकता है। मेडिकल कॉलेज में इलाज को लेकर पूरी तैयार कर ली गई है ।साथ ही बेड भी रिजर्व कर दिए गए हैं।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज के स्वास्थ्य मेले में इलाज कराने पहुंचे लोग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

शिविर में जांच करती चिकित्सक। ● अमृत विचार

- 576 मरीजों ने कराया पंजीकरण, 10 में मिला मोतियाबिंद, होंगे मुफ्त ऑपरेशन
- मेला में 494 मरीजों को मिली दवाएं ब्लड शुगर और बीपी की जांच भी हुई

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल, बंथरा द्वारा मंगलवार को मदनापुर क्षेत्र के ग्राम ककरौआ में निःशुल्क स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। शिविर में 576 मरीजों ने पंजीकरण कराया। इनमें 10 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया, जिनका ऑपरेशन अस्पताल में निःशुल्क किया जाएगा।

शिविर में 159 मरीजों की ब्लड शुगर और 167 मरीजों की ब्लड प्रेशर जांच की गई। साथ ही 494 मरीजों को मुफ्त दवाइयां दी गईं। मरीजों को एमआरआई, सीटी स्कैन और अन्य जांचों पर छूट के कूपन भी वितरित किए गए। अस्पताल की टीम ने लोगों को नियमित जांच के लिए जागरूक किया और परिवार स्वास्थ्य कार्ड की जानकारी दी। इस कार्ड से मरीजों को ओपीडी पर्चा मुफ्त, दवाओं व जांच पर 20 प्रतिशत छूट, भर्ती फाइल मुक्त, सामान्य ऑपरेशन पर 25 प्रतिशत और खून पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

स्वास्थ्य शिविर में ग्राम प्रधान गुरिंदर सिंह व समाजसेवक विनय द्विवेदी का विशेष योगदान रहा। इसमें विभिन्न विभागों के डॉक्टरों सहित पीआरओ अतुल गंगवार व पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहे।

कैसे हो आयुष्मान से इलाज, जब नहीं चल रहे कार्ड

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते आ रही समस्या, मरीजों को नहीं मिल रहा लाभ

अमृत विचार : आयुष्मान भारत योजना भले ही लाखों मरीजों के लिए संजीवनी बनी हो, लेकिन ललौरीखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र में इसका लाभ पात्रों को नहीं मिल पा रहा। ब्लॉक क्षेत्र के तीन पीएचसी और सीएचसी पर जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते आयुष्मान कार्ड नहीं चल रहे। जिससे मरीजों को मायूस होना पड़ रहा है। इसे लेकर कई बार प्रयास किए गए। मगर, एमओआईसी इस जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ गए हैं।

आयुष्मान योजना शुरु करने के बाद जिले में भी तेजी से पात्र लाभार्थियों के कार्ड बनाए गए। आंकड़ों की बात करें तो जनपद में आयुष्मान योजना के 213123 पात्र परिवार हैं। जिनमें कुल 998041 लाभार्थी हैं। अभी तक करीब 786314 लाभार्थियों के कार्ड जारी हो चुके हैं। योजना शुरु होने के बाद जनपद में 29 सरकारी अस्पतालों के साथ करीब 20 से अधिक प्राइवेट अस्पतालों को जोड़ा गया है, जहां मरीजों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराया जा रहा है। यह योजना वर्ष 2018 में शुरु हुई थी।

इसके बाद शासन के निर्देश पर वर्ष 2024 में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत गोल्डन कार्ड बनाने की शुरुआत की गई। इस योजना का उद्देश्यअधिक आयु वाले नागरिकों को मुफ्त इलाज की सुविधा सुनिश्चित की जा सके। स्पष्ट निर्देश हैं कि सीएचसी पर आने वाले मरीजों के पास अगर आयुष्मान कार्ड है, तो उन्हें प्रयोग किया जाएगा। उससे आने वाली धनराशि का 25 फीसदी धनराशि डॉक्टर एवं स्टाफ में प्रोत्साहन के तौर पर दी जाएगी।

बाकी 75 फीसदी से अस्पताल में संसाधन और कायाकल्प करने में प्रयोग की जाएगी, लेकिन ललौरीखेड़ा ब्लॉक में प्रयोग नहीं किया जा रहा है। ललौरीखेड़ा में सीएचसी जहानाबाद, ललौरीखेड़ा पीएचसी, कुकरीखेड़ा और चांदडंडी पीएचसी में सात साल से कोई भी आयुष्मान कार्ड एक्टिव नहीं हुआ है। वहां प्रसव को लेकर तमाम सर्जरी भी होती हैं, डॉक्टर-स्टाफ भी हैं, लेकिन जिम्मेदार अनदेखी कर रहे हैं। ऐसे में वहां आयुष्मान का लाभ मरीजों को नहीं मिल पा रहा है। इतना ही नहीं ऑपरेशन के दौरान मरीजों को सामान आदि को लेकर खर्च करना पड़ता है। जबकि आयुष्मान कार्ड का इस्तेमाल होगा तो उससे आने वाली धनराशि से अस्पताल का भी उद्धार हो सकेगा।

मगर जिम्मेदार आयुष्मान मित्र

> सीएचसी पर प्रसव के साथ तमाम बीमारियों का भी इलाज किया जाता है, लेकिन आयुष्मान मित्र न होने की वजह से आयुष्मान कार्ड एक्टिव नहीं हो पा रहे थे। अब योजना को संचालित करने के लिए उच्चधिकारियों से निर्देश प्राप्त हुए। अब आयुष्मान कार्ड से भी इलाज किया जाएगा। जिन मरीजों का सूची में नाम है और कार्ड नहीं है। उनके भी कार्ड बनवाने के लिए प्रयास किया जाएगा।
> – डॉ. कमलेश गंगवार, एमओआईसी

कुरैया सीएचसी पर भी नहीं व्यवस्था

ललौरीखेड़ा ब्लॉक के अलावा पूरनपुर ब्लॉक के कुरैया सीएचसी पर भी आयुष्मान कार्ड नहीं चल रहे हैं। यहां भी आयुष्मान मित्र न होने की वजह से समस्या आ रही है। हालांकि इस सीएचसी की शुरुआत हाल में ही हुआ। आयुष्मान के जिम्मेदार अभी तक यहां आयुष्मान मित्र को कार्यरत नहीं कर सके। कुछ समय पहले सीएचसी जहानाबाद में आयुष्मान मित्र की तैनाती की गई थी। मगर वहां काम न होने उन्हें वापस बुला लिया गया था। मगर तब वहां कोई आयुष्मान मित्र की तैनाती नहीं की गई है। इन दोनों ब्लॉक में आयुष्मान मित्र तैनाती कर योजना का क्रियान्वयन करने की तैयारी चल रही है। इसको लेकर सीएमओ ने एमओआईसी को निर्देशित किया है।

पीडीए पंचायत में सपा की नीतियां बताई गईं

पीडीए जनपंचायत चौपाल में मौजूद कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: सपा की ओर से मंगलवार को बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रमपुरा फकीरे में पीडीए जन पंचायत चौपाल लगाई गई। जिसमें पार्टी की नीतियों को बताया गया।

जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा सपा हमेशा जनसेवा सद्भाव और सामाजिक न्याय पक्षधर रही है, जनता के दुःख-सुख में साथ खड़ा रहना कर्तव्य है। महंगाई, बेरोजगारी समेत कई बिंदुओं पर सरकार पर निशाना साधा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष बालकराम सागर, काशीराम सरोज,संजय सिंह यादव, लखविंदर सिंह पन्नू,पिंकीपाल, विनोद कुमार वर्मा,राजेश कुमार पाल,सतीश आदि मौजूद रहे।

सुधार और फॉल्ट के नाम पर गुल रही बिजली

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

फॉल्ट को ठीक करता कर्मचारी।

खकरा चौकी के पास नए पोल लगाती टीम। ● अमृत विचार

- फेस नहीं आने की शिकायत पर पहुंची टीम ने और बढ़ा दी मुसीबत

अमृत विचार: शहरवासियों को मंगलवार को भी बिजली संकट ने खूब रुलाया। खकरा चौकी के पास नए पोल लगाए जाने के दौरान बत्ती गुल रही।

वहीं, बल्लभनगर कॉलोनी में फेस बंद होने की सूचना पर टीम पहुंची और सुधार भी किया। मगर, इसके बाद शिकायकर्ता के घर हार्ट वोल्टेज की दिक्कत हो गई और मीटर ही फुंक गया। इसे लेकर भी दोबारा शिकायत की गई है।

बिजली की आंख मिचौली पिछले काफी दिनों से चल रही है। सोमवार रात को भी कई बार बिजली आती जाती रही। वल्लभनगर कॉलोनी में रात से ही एक फेस की बत्ती गुल रही। इसे लेकर कॉलोनी के अतुल अग्रवाल ने शिकायत दर्ज कराई। इस पर टीम भी पहुंची और सुधार कार्य किया। बताते हैं कि इसके बाद तो शिकायतकर्ता की मुसीबत और बढ़ गई।

बताते हैं कि मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने फेस जोड़ा और फिर हाईवोल्टेज आते ही शिकायतकर्ता के घर के बाहर लगे मीटर में ही आग लग गई। कई अन्य उपकरण भी फुंक गए। इसकी सूचना भी शिकायतकर्ता ने पावर कॉरपोरेशन के सूचनाओं के आदान प्रदान को बनाए गए ग्रुप पर डाली।

इस पर टीम को दोबारा भेजा गया। इसके अलावा खकरा फीडर क्षेत्र में नए पोल लगाने का काम मंगलवार को चलता रहा। जिसके चलते बिजली सप्लाई बाधित रही। मोहल्ला साहूकारा, आसफजान, लाल रोड, अशोक कॉलोनी समेत कई इलाकों में बिजली आती जाती रही। एकता नगर कॉलोनी में भी एक फेस सोमवार रात से बंद रहा, जिससे उपभोक्ता परेशान हुए। दूसरे दिन दोपहर बाद इसका सुधार कराया जा सका। इसके अलावा भी कई जगह फाल्ट हुए। जिस पर टीमें दौड़ती रही। वहीं उमश भरी गर्मी से पूरे दिन स्थानीय लोग परेशान रहे।

बार अध्यक्ष ने शासन को भेजे सुझाव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- वाद मूल्यांकन अधिनियम और कोर्ट फीस अधिनियम को लेकर नए कानून बनाने की कवायद

अमृत विचार : डेढ़ सौ साल से भी अधिक पुराने वाद मूल्यांकन अधिनियम और कोर्ट फीस अधिनियम को समाप्त कर एक नया कानून बनाने के लिए सरकार ने प्रक्रिया शुरू की है। राज्य विधि आयोग के निर्देश पर जनपद के न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ता संगठन ने अपने सुझाव जनपद न्यायाधीश के माध्यम से शासन को भेजे हैं।

राज्य विधि आयोग ने कोर्ट फीस अधिनियम 1870 और वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1887 को अबकमित करके एक समेकित एकल अधिनियम बनाए जाने के लिए न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्ता संगठनों से सुझाव मांगे हैं। इसी क्रम में जनपद के न्यायिक अधिकारियों ने सुझाव दिए हैं। जनपद के अधिवक्ताओं की ओर से जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेन्द्र मिश्र एडवोकेट ने भी प्रभारी जिला जज के माध्यम से अपने सुझाव भेजे हैं। जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष की ओर से भेजे गए सुझाव में कहा गया है कि वर्तमान समय में कोर्ट फीस अधिनियम, 1870 और वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1887 अपने प्राचीन स्वरूप, स्पष्ट प्रावधानों एवं वर्तमान न्यायिक आवश्यकताओं से मेल न खाने के कारण न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप नहीं हैं। इन अधिनियमों में आर्थिक, सामाजिक व तकनीकी परिवर्तनों के अनुरूप संशोधन किया जाना आवश्यक है। दोनों अधिनियमों को समाप्त कर एक समेकित न्यायिक मूल्यांकन एवं शुल्क अधिनियम बनाया जाए, जो न्यायालय शुल्क निर्धारण व वाद मूल्यांकन दोनों विषयों को एक साथ स्पष्ट रूप से नियंत्रित करे। उन्होंने ये भी सुझाव दिया कि कोर्ट फीस की दरों को युक्तिसंगत बनाया जाए।वर्तमान में कोर्ट फीस की दरें कई बार वाद मूल्य से अत्यधिक हो जाती हैं, जिससे नागरिक न्यायालय में वाद दायर करने से हिचकते हैं। अधिकतम सीमा निर्धारित की जाए। वाद मूल्यांकन की कठिनाइयों को दूर करने के लिए भी सुझाव दिए हैं। ताकि भविष्य में बनने वाले नए कानून में उनके सुझाव को शामिल किया जा सके।

> वाद मूल्यांकन अधिनियम और कोर्ट फीस अधिनियम को समाप्त कर एक नया कानून बनाने के लिए चल रही प्रक्रिया के तहत सुझाव मांगे गए थे। इसे लेकर सुझाव प्रभारी जिला जज के माध्यम से भेजे गए हैं। जिसमें एक नवीन, समेकित एवं सरल न्यायिक शुल्क एवं मूल्य अधिनियम का निर्माण करने का सुझाव दिया गया है। जोकि समयानुकूल, पारदर्शी एवं नागरिकों के लिए न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुगम बनाए।
> – धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट, अध्यक्ष, जिला संयुक्त बार एसोसिएशन

बसें बाहर खड़ी होने से लग रहा जाम

शाहजहांपुर, अमृत विचार: रोडवेज बस अड्डे पर चल रहे सुंदरीकरण कार्य से यात्रियों को भारी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी फर्श का काम पूरा नहीं हुआ, जिससे बसें अंदर खड़ी होने के बजाय सड़क के किनारे और इधर-उधर खड़ी की जा रही हैं। इससे यात्री बसों की जानकारी के लिए भटकते रहते हैं और सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है।रक्षाबंधन से पहले बस अड्डा खाली कराकर फर्श का काम शुरू कराया गया था। त्योहार पर बसों का संचालन हथौड़ा चौराहे से कराना पड़ा। अभी भी बसें रोड पर खड़ी हो रही हैं, जिससे डग्गामार वाहनों को भी जगह मिल जाती है। कई यात्री जानकारी न मिलने पर मजबूरन डग्गामार वाहनों में सफर करते हैं, जिससे निगम की आय पर असर पड़ रहा है। डिपो प्रभारी सुशील त्रिवेदी ने बताया कि कार्यदायी संस्था को फर्श का काम शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

विधायक ने गोमती उद्गम स्थल पर किया पौधरोपण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

ओड़ाझार गांव में पौधरोपण करते लोकपाल मनरेगा जीएल वर्मा।

अमृत विचार: हरिशंकरी पौधरोपण अभियान के तहत पूरनपुर विधायक ने गोमती उदगम स्थल पर पहुंचकर पौधरोपण किया। इसके अलावा अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अभियान के तहत पौधे रोपे।

जनपद में मंगलवार से हरिशंकरी पौधरोपण अभियान की शुरूआत की गई। लोकभारती के तत्वावधान में माधोटांडा स्थित मां गोमती उद्गम स्थल पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने उदगम स्थल पर पौधरोपण किया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह, बाल ब्यास रोहितानंद,पूरनपुर चीनी मिल सभापति बहादुर सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष नरेश पाल सिंह, बीडीसी सोनपाल गौतम, एसडीएम महिपाल सिंह, एसडीएम अजीतप्रताप सिंह, तहसीलदार वीरेंद्र कुमार, निर्भय सिंह आदि मौजूद रहे। इधर लोकपाल मनरेगा जीएल वर्मा ने भी ग्रामीणों के साथ अभियान के तहत ओड़ाझार गांव के तालाब के समीप पौधे रोपे। इस दौरान कई अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES
DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टाँका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

न्यूज ब्रीफ

एक्सरे रूम में भीड़ ने किया हंगामा

बदायूं, अमृत विचार : मंगलवार को एक्सरे रूम में पहुंचे लोगों को बेवजह परेशान किया गया। उन्हें लाइन में लगाया गया। इसके बाद रील न होने की बात कही गई। एक्स रे रूम काफी अंदर है जिससे यहां पर भारी गर्मी और अंधेरा रहता है। लोगों ने बताया एक्सरे टेक्नीशियन जानबूझकर देरी करते हैं। इससे यहां भीड़ बढ़ती जा रही है। एक मरीज को 10 से 15 मिनट तक रोका जाता है। बाहर मरीज लाइन में परेशान होते हैं। भीड़ बढ़ाने के पीछे क्या कारण है इसको लेकर लोगों ने हंगामा किया।

ब्लड जांच कराने को धूप में खड़े रहे मरीज

बदायूं, अमृत विचार : जिला अस्पताल में दूसरी जगह बनाई गई पैथोलॉजी लैब पर ब्लड जांच का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए मरीज धूप में सुबह से दोपहर तक लाइन में लगे रहे। यहां पर छांव नहीं है जिससे महिला मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऑक्सीजन प्लॉट के निकट रजिस्ट्रेशन रूम के बाहर गर्मी और धूप से परेशान कई लोग बेहोश तक हो गए। यहां पर मरीजों को बैठने की जगह नहीं है। तेज धूप में धीमी गति से काम होने के कारण आए दिन हंगामा देखने को मिलता है।

बारा चिर्रा के प्राथमिक विद्यालय में हुई बैठक

कादरचौक, अमृत विचार : कादरचौक विकासखंड की न्याय पंचायत स्तरीय शिक्षक संकुल बैठक मंगलवार को बारा चिर्रा के प्राथमिक विद्यालय में हुई। संकुल बैठक सर्वेश राठौर पूर्व एआरपी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षक परमानंद ने कहा समर्थ एप के माध्यम से दिव्यांग बच्चों की प्रतिदिन उपस्थिति ऑनलाइन लगाते रहे है। अल्पेश कुमार वैश्य ने कहा कि शारदा एप पर ड्रॉप आउट बच्चों को पंजीकृत अवश्य करें। कामिनी रानी ने कहा कक्षा एक एवं दो के बच्चों में भाषा व गणित के लक्ष्यों को शत प्रतिशत प्राप्त करने का कार्य करते रहे। नोडल शिक्षक संकुल जमीर अहमद ने शिक्षक नेटवर्किंग गतिविधि, एक सीख एक बदलाव, डिकॉर्डिंग खेल, संख्या समझ, प्राथमिकता, प्रशंसा एवं समेकन आदि पर विस्तार से चर्चा की। जमीर अहमद, कामिनी रानी, हरेंद्र मोहन सिंह, परमानंद, काजिम अली, लुबना जबी, ज्योति, आशीष कुमार मौर्य, अल्पेश कुमार वैश्य, मुनीश कुमार, सुरेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

महिला की मौत मामले में नहीं हुई कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला की मौत का मामला

अमृत विचार : शहर के एक निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान हुई महिला की मौत के मामले में 10 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित का कहना है कि वह उच्चाधिकारियों से मामले की शिकायत करेगा।

शहर के मीरा सराय स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में 10 दिन पूर्व शहर की एक गर्भवती महिला को प्रसव के लिए भर्ती कराया गया। प्रसव के बाद महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामला रफा दफा करा दिया। सीएमओ कार्यालय से शिकायत की गई। लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने मंगलवार को बताया कि अब वह सीएमओ कार्यालय के जिम्मेदारों के खिलाफ भी शिकायत करेगा। सीएमओ डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने बताया कि पीड़ित ने कोई शिकायती पत्र नहीं दिया। इस कारण अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई। अस्पताल का रजिस्ट्रेशन है या नहीं इसकी जानकारी कराई गई है। एसीएमओ से अस्पताल के बारे में पूछताछ भी की गई है।

2736 को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर नौनिहालों को सुविधाएं मुहैया कराने के लिए खरीदी जानी है स्टेशनरी

आंगनबाड़ी केंद्रों में खरीदी जाएगी स्टेशनरी, मिला बजट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बेसिक शिक्षा विभाग और बाल विकास विभाग करेगा खरीदारी

अमृत विचार : आंगनबाड़ी केंद्रों पर बेहतर सुविधा मुहैया कराने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। इन्हीं प्रयासों के तहत जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों को प्ले स्कूल में तब्दील किया गया है। जिले में संचालित 2736 को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर नौनिहालों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शासन की ओर से बजट जारी किया है। मिले बजट से इन केंद्रों पर स्टेशनरी की खरीद की जाएगी। जिसकी खरीद बेसिक शिक्षा और बाल विकास विभाग संयुक्त रूप से करेगा। बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारियों को स्टेशनरी की खरीद के आदेश जारी किए हैं।

जिले में 2940 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। इनमें से 2736 आंगनबाड़ी केंद्रों को को-लोकेटेड बनाया गया है। इनमें तीन से छह साल तक करीब ढाई लाख से अधिक बच्चे पंजीकृत हैं जिन्हें आंगनबाड़ी वर्कर्स प्रारंभिक शिक्षा दे रही है।

इन केंद्रों पर नौनिहालों को सुविधाएं मुहैया कराने के लिए स्टेशनरी की खरीद की जाएगी। प्रत्येक केंद्र पर पांच-पांच हजार रुपये से स्टेशनरी की खरीद होनी है। इसके लिए शासन की ओर से बजट जारी कर दिया है। इस सामग्री की खरीद बेसिक शिक्षा विभाग व बाल विकास पुष्टाहार विभाग मिलकर करेगा। बजट जारी होने के बाद बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को खरीद करने के आदेश जारी किए हैं।

नई शिक्षा नीति में प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक में प्रवेश से पूर्व तीन से छह साल तक के बच्चों को को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर पढ़ाया जा रहा है। इन केंद्रों पर बच्चों को अक्षर पहचान सहित अन्य जानकारियां दी जा रही हैं। शिक्षा के साथ साथ अन्य सुविधाएं भी नौनिहालों को मुहैया कराई जा रही हैं।

> को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्टेशनरी की खरीद के लिए बजट मिल गया है। जल्द ही खरीद की जाएगी। इसके निर्देश खंड शिक्षा अधिकारियों को जारी कर दिए गए हैं।
>
> – वीरेंद्र कुमार सिंह, बीएसए

हर माह एक हजार रुपये से होगी स्टेशनरी की खरीद

आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रत्येक माह एक हजार की स्टेशनरी खरीदी जा सकेगी। पहले चरण में पांच माह के लिए प्रत्येक केंद्र को पांच हजार रुपये का बजट दिया गया है। नौनिहालों को घर से कुछ भी सामान लाने की जरूरत नहीं पड़ेंगी। उन्हें सभी सामग्री आंगनबाड़ी केंद्रों पर ही मुहैया कराई जाएगी। जिससे वह अक्षर ज्ञान के साथ-साथ अन्य गतिविधियां भी सीख सकेंगे।

फसलों के नुकसान का होगा आंकलन

बाढ़ प्रभावित इलाके उसहैत और दातागंज में 10 हजार हेक्टेयर धान की फसल डूबी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसलों का भारी नुकसान हुआ है। इससे किसानों के आगे अब रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। जिला प्रशासन ने बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के निर्देश तहसील प्रशासन को दिए हैं। तहसील प्रशासन जल्द ही तटवर्ती ग्रामों में फसलों की क्षति का विवरण एकत्र करेगा।

पहाड़ों पर पिछले 15 दिन से भारी बारिश हो रही है। नरौरा से लाखों क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया है। गंगा में अधिक पानी छोड़े जाने से उसहैत सहसवान क्षेत्रों में कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। अभी भी पानी गांवों में भरा हुआ है। बाढ़ आने से उसहैत क्षेत्र के ग्राम जटा, असमिया रफतपुर, प्रेमी नगला, सहित दर्जन भर गांवों के खेत खलिहान पछले 15 दिन से पानी में डूबे हुए हैं। इससे इन गांवों की फसलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं। इन गांवों के सैकड़ों लोग गांव छोड़ कर ऊंचे स्थानों पर शरण लिए हुए हैं। बाढ़ से हुई तबाही से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। इस क्षेत्र में करीब 10 हजार हेक्टेयर धान की फसल

गंगा में कम हो रहा जलस्तर। ● अमृत विचार

- नरौरा बैराज से 1.28 लाख क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा

पानी में डूब चुकी है जो अब सड़ रही है। पानी खेतों में भरा हुआ है। बाजरा की फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी है। साथ ही अन्य फसलों का नामोनिशान नहीं है। पूरा इलाका जलमग्न होने के कारण कुछ भी नहीं बचा है।

जिला प्रशासन ने दातागंज और सहसवान तहसील प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि बाढ़ ग्रस्त इलाकों में किसानों की फसलों का हुआ नुकसान मौके पर जाकर देखा जाए। किसानों से बात की जाए। कछला क्षेत्र के हुसैनपुर चंदनपुर आदि गांवों में भी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इन गांवों में धान बाजरा की फसलें नष्ट हो चुकी हैं।

> नरौरा बैराज से लगातार एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा जा रहा है। इससे गंगा तटवर्ती इलाकों में भारी तबाही मचा रही है। बाढ़ खंड के सभी बांध संवेदनशील हैं लेकिन सुरक्षित हैं। उनकी निगरानी की जा रही है। ग्रामीणों को धैर्य बनाए रखने को कहा गया है। जिला प्रशासन और बाढ़ खंड स्थिति पर नजर बनाए हुए है।
>
> – नेशपाल, सहायक अभियंता, बाढ़ खंड

गंगा कर रही कटान, सहसवान में बहा मंदिर : गंगा में जलस्तर घटने के साथ ही पैनी हुई गंगा की लहरों ने सहसवान क्षेत्र के गांव जामनी के पास मंगलवार सुबह कटान शुरू कर दिया। सहसवान क्षेत्र में गंगा किनारे के गांव बड़ी मानपुर पुख्ता मजरा आसे नगला में मंदिर का निर्माण कराया गया था। मंदिर प्रांगण में हनुमान जी एवं शनि देव सहित काफी देवी देवताओं की मूर्तियां स्थापित थीं। मंदिर के निकट से बह रही गंगा की पैनी धार ने मंगलवार को सुबह कटान तेज कर दिया। जिससे कुछ ही देर में मंदिर गंगा में समा गया। सहसवान एसडीएम को इसकी सूचना दी गई है। मंगलवार को नरौरा बैराज से गंगा में 1 लाख 28 हजार 716 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। प्रेमी नगला को जाने वाली सड़क पानी में कट चुकी है। गांव में पानी भरा हुआ है। जटा की और गंगा स्थिर बनी हुई है।

रामगंगा ने भी किया फसलों को नष्ट

रामगंगा में पिछले दो सप्ताह से जलस्तर बढ़ रहा है। बाढ़ ने इधर कई गांवों की फसलों को नष्ट कर दिया है। हजरतपुर से रसूलपुर के बीच करीब पांच हजार हेक्टेयर में धान की फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी है, जबकि आसपास के तमाम गांवों में बाढ़ का पानी भरा होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दातागंज तहसील प्रशासन ने फसलों के नुकसान को लेकर किसानों से बात करने को कहा है। जिला प्रशासन के आदेश पर जल्द ही फसलों की क्षति का आकलन किया जाएगा।

विधायक ने किया सीता रसोई का शुभारंभ

बिल्सी, अमृत विचार : मोहल्ला संख्या चार स्थित श्री संकट मोचन दरबार में मंगलवार को निशुल्क सीता रसोई का शुभारंभ विधायक हरीश शाक्य ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि समाजसेवा की यह पहल न केवल श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए है, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा का उदाहरण है। ऐसे धार्मिक सेवाओं के लिए लोगों को आगे आना चाहिए। दरबार के महंत संजय शर्मा ने बताया कि फिलहाल सीता रसोई प्रत्येक मंगलवार को संचालित होगी, आगे सेवा विस्तार करते हुए इसे मंगलवार और शनिवार दिनों में भी निशुल्क खोला जाएगा। उन्होंने दरबार की ओर से रायपुर बुजुर्ग गांव में जल्द ही एक वृद्धाश्रम खोलने की घोषणा की। विधायक ने संकट मोचन दरबार में दर्शन कर आशीर्वाद लिया और कन्या भोज कर प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर चेयरपर्सन ज्ञानदेवी सागर, सुधीर सोमानी, राकेश माहेश्वरी, दीपक चौहान, आलोक सक्सेना, प्रदीप वार्ष्णेय, अर्जुन सिंह चौहान, प्रखर महेश्वरी, उमेश बाबू, अजीत गुर्जर, प्रदीप बाबू, भुवनेश वार्ष्णेय, अजय प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

विधायक ने ग्रामीणों को दी सीसी रोड की सौगात

सीसी रोड का फीता काटकर लोकार्पण करते विधायक हरीश शाक्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बिल्सी

- पांच गांवों में सीसी रोड का फीता काटकर किया लोकार्पण

अमृत विचार : विधायक हरीश शाक्य ने मंगलवार को अपने क्षेत्र के पांच गांवों में सीसी रोड का लोकार्पण किया। एक सीसी रोड का फीता काटकर जनता को समर्पित की।

उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि बिल्सी विधानसभा प्रदेश की अग्रणी विधानसभाओं में गिनी जाए। उन्होंने कहा मोदी व योगी सरकार गांव, गरीब, मजदूर, किसान, नौजवानों को समर्पित सरकार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा व मार्गदर्शन से बिल्सी क्षेत्र का चौमुखी विकास होगा। सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यह सरकार सबका साथ सबका विकास का नारा देने वाली है। इस सरकार ने महिला, किसान, युवा अल्पसंख्यक, व्यापारी हर वर्ग का ध्यान रखा और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए हर वर्ग को लाभ पहुंचाया। इस अवसर पर राहुल देव, सर्वेश शाक्य, अर्जुन सिंह चौहान, सोनी सिंह, रामशरण शर्मा, संतोष शाक्य, विकास माहेश्वरी, राम सिंह शाक्य, भगवान सिंह वर्मा, राम बहादुर शाक्य, बालिस्टर सिंह, राम रक्षपाल, प्रमोद गोस्वामी, अजय प्रताप, पिंकू श्रीवास्तव, धर्मेंद्र शाक्य, देवेंद्र सिंह, कल्लू सिंह, उमेश शर्मा, खेमपाल, बबलू शाक्य आदि लोग उपस्थित रहे।

पंचायत सहायकों ने विकास भवन घेरा, प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

विकास भवन में विरोध प्रदर्शन करते पंचायत सहायक। ● अमृत विचार

- क्रॉप सर्वे का किया विरोध, डीएम और सीडीओ को सौंपा मांग पत्र

अमृत विचार : खरीफ सीजन में जिले के अंदर क्रॉप सर्वे कार्य हो रहा है। इस कार्य को पंचायत सहायकों से कराया जा रहा है। पंचायत सहायकों ने विरोध करते हुए मंगलवार को विकास भवन का घेराव किया। उनका कहना था कि यह कार्य राजस्व और कृषि विभाग का है। इस कार्य को कराने के लिए प्राइवेट सर्वेयर रखे जाने का आदेश शासन की ओर से दिया गया है। इसके बाद भी उनसे जबरन कार्य लिया जा रहा है। पंचायत सहायकों ने क्रॉप सर्वे न कराने की मांग करते हुए डीएम के साथ सीडीओ को ज्ञापन सौंपा।

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में कार्यरत पंचायत सहायक कलेक्ट्रेट में एकत्रित हुए। यहां प्रदर्शन करने के बाद डीएम के नाम सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद पंचायत सहायकों ने विकास भवन का रुख कर लिया। विकास भवन पहुंचकर पंचायत सहायकों ने नारेबाजे शुरू कर दी। बड़ी संख्या में पंचायत सहायकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन को देखते हुए सीडीओ केशव कुमार ने उन्हें वार्ता के लिए बुलाया। पंचायत सहायकों ने अपनी समस्या रखते हुए सीडीओ को ज्ञापन सौंपा। पंचायत सहायकों ने बताया कि ई-खसरा पड़ताल का काम राजस्व विभाग कहा है। इस कार्य को लेखपाल या फिर प्राइवेट सर्वेयर से कराया जाना चाहिए, लेकिन इस कार्य को उनसे लिया जा रहा है। जबकि पंचायत सहायकों का मूल कार्य सचिवालय, जनसेवा केंद्र का संचालन करने के साथ पत्राचार और रिकॉर्ड संरक्षित करने का है। लेकिन इस कार्य को लेखपाल या प्राइवेट सर्वेयर से न कराकर उनसे लिया जा रहा है। पंचायत सहायकों का कहना है था कि क्रॉप सर्वे का कार्य खेतों में जाकर किया जाना है। पंचायत सहायकों की मांगों पर सीडीओ ने विचार करने का आश्वासन दिया है। विरोध प्रदर्शन करने वालों में ज्ञानेश कुमार, नीरज कुमार, सत्यपाल, मोहम्मद रहीस, रामखिलानौना, गरीमा देवी, पूजा देवी, सुमन सहित अन्य पंचायत सहायक उपस्थित रहे।

मलेरिया पीड़ित महिला को गलत वार्ड में किया भर्ती

बदायूं, अमृत विचार : दातागंज के एक गांव की महिला ने बुखार आने पर ब्लड सैंपल चेक कराया। महिला को मलेरिया की पुष्टि हुई। जिला अस्पताल में सोमवार को मेडिकल वार्ड में भर्ती कर लिया। उसे मच्छरदानी भी नहीं दी। लापरवाही की जानकारी होने पर आनन फानन में महिला को मलेरिया वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि महिला को मच्छरदानी में रखा गया है जिससे अन्य मरीजों को संक्रमण से बचाया जा सके।

मलेरिया वार्ड में भर्ती महिला मरीज।

खाद उपलब्ध कराने के लिए मंत्री को भेजा पत्र

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- किसानों की समस्या के संबंध में सपा सांसद ने किया अनुरोध
- गुन्नौर की फैक्ट्री को यूरिया उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित करने की मांग

अमृत विचार : किसानों की समस्या के संबंध में सांसद आदित्य यादव ने कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही को पत्र भेजा है। इसमें उन्होंने किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में डीएपी और यूरिया उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

सांसद आदित्य यादव।

सांसद ने लिखा कि किसानों को वर्तमान में धान और गन्ना के लिए डीएपी और यूरिया खाद की सबसे ज्यादा जरूरत है। मांग के अनुरूप उपलब्धता नहीं है। इस कारण किसान दर-दर भटक रहे है। साधन सहकारी समितियों से किसानों को पर्याप्त मात्रा में डीएपी और यूरिया खाद नहीं मिलने पर बाजार में दुकानदार फायदा उठा रहे हैं। बताया कि बदायूं संसदीय क्षेत्र की विधानसभा गुन्नौर में यारा फर्टिलाइजर कंपनी स्थापित है। इस कंपनी की स्थापना पूर्व में टाटा खाद यूरिया के नाम से हुई थी। फैक्ट्री में तैयार यूरिया बदायूं की बजाय कहीं और भेजी जा रही है। सांसद ने अनुरोध किया कि बदायूं के किसानों की समस्या को देखते हुए यारा फर्टिलाइजर कंपनी को यूरिया उपलब्ध कराए जाने के लिए निर्देशित करें।

बीमारी

जिला अस्पताल में क्षय रोगियों के बलगम की जांच हुई तेज

एक माह की जांच में 100 से अधिक निकले टीबी के मरीज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जनपद में करीब आठ हजार से अधिक हैं टीबी के मरीज
- सभी को सरकार से एक-एक हजार रुपये की दी जा रही मदद

अमृत विचार : बारिश के बाद जैसे जैसे धूप, गर्मी और उमस जोर पकड़ रही है वैसे-वैसे क्षय रोगियों की संख्या बढ़ने लगी है। विभाग ने संभावित क्षय रोगियों के बलगम की जांच तेज कर दी है। 10 दिन में 80 टीबी के मरीज सामने आए हैं, जबकि पिछले एक माह के अंदर मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

पिछले सप्ताह कई दिनों तक बारिश हुई। बारिश थमी तो सूरज ने आग उगलनी शुरू कर दी। इससे तेज गर्मी ने उमस पैदा कर दी है। इसके चलते श्वास के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार और मंगलवार को जिला क्षय रोग केंद्र पर करीब 300 मरीजों को देखा गया। इनमें से 169 मरीजों के बलगम की जांच की गई। इस जांच में करीब 80 मरीजों को टीबी की पुष्टि हुई है, जबकि अन्य मरीजों को बुखार और टाइफाइड निकला है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विनेश कुमार ने बताया कि बारिश के बाद तेज धूप होने पर श्वास रोगियों को परेशानी बढ़ जाती है। इनके बलगम की जांच करने पर टीबी के लक्षण सामने आए हैं। पिछले चार दिन से मरीजों की संख्या अचानक बढ़ी है। क्योंकि बारिश के बाद गर्मी और उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया है। गर्मी और उमस को देखते हुए बलगम की जांच तेज करा दी है। जिससे मरीजों को समय पर दवा मिल सके। उन्होंने बताया कि करीब दो दर्जन मरीजों के एक्सरे कराए गए हैं। एक्स रे की रिपोर्ट देखने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी इसलिए ऐसे मरीजों को अभी टीवी की दवा नहीं दी गई है। पिछले एक माह की जांच में 100 से अधिक टीबी के मरीज सामने आए हैं।

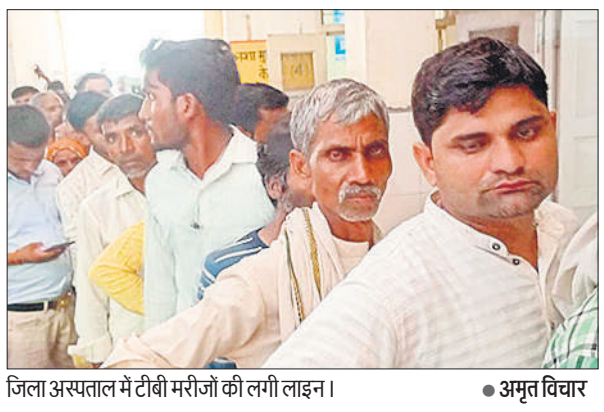

जिला अस्पताल में टीबी मरीजों की लगी लाइन। ● अमृत विचार

> जनपद में करीब आठ हजार से अधिक टीवी के मरीज हैं। सभी को सरकार द्वारा एक एक हजार की मदद दी जा रही है। अगस्त में करीब छह हजार मरीजों के खातों में डीबीटी के माध्यम से उक्त धनराशि पहुंचाई जा चुकी है। अब जो नए मरीज सामने आ रहे हैं उनका रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। पोर्टल पर नाम चढ़ जाने के बाद उन्हें भी उक्त धनराशि मिलेगी।
>
> – डॉ. विनेश कुमार, जिला क्षय रोग अधिकारी

सीएचसी पर भी जांच तेज करने के निर्देश

गर्मी और उमस के टीवी के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। जिला अस्पताल में बलगम की जांच तेज कर दी है, साथ ही अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी बलगम की जांच तेज कर दी गई है। यहां पर जांच की सुविधा नहीं है वहां के सैंपल जिला क्षय रोग केंद्र पर लाए जा रहे हैं। टीवी के मरीजों की संख्या पिछले कई माह की अपेक्षा अगस्त में अधिक बढ़ी है। जांच प्रक्रिया तेज होने के बाद ही मरीजों की संख्या का पता चला है।

मक्का की रखवाली कर रहे किसान पर सियार का हमला

उसहैत, अमृत विचार : बटाई पर मक्का की फसल करने वाले किसान पर रात में रखवाली करते समय सियार ने हमला कर घायल कर दिया। वह उपचार के लिए अस्पताल गए। रखवाली न होने पर छुट्टा गोवंश फसल चट कर गए। पीड़ित ने मुख्यमंत्री से मदद की गुहार लगाई है।

थाना क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र असमिया रफतपुर के किसान रामेश्वर ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने बटाईदार से अपने आठ बीघा खेत में मक्का की फसल कराई थी। रात के समय खेत की रखवाली करते हुए एक सियार के हमले में बंटाईदार विनोद घायल हो गए। खेत स्वामी रामेश्वर का कहना है कि उसने किसी से रुपये उधार लेकर फसल की थी, लेकिन गोवंश ने पूरी फसल बर्बाद कर दी।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 20 अगस्त 2025

एकादशी पर छाई जगमग रोशनी की छठा, कृष्णमय हुआ शहर

श्रीकृष्ण एकादशी पर मंदिरों में हुई सजावट, उमड़े श्रद्धालु, शाम को झिलमिल रोशनी से जगमगा उठे मंदिर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: भादो मास की श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एकादशी का पर्व शहर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। एकादशी पर शहर के छोटे-बड़े सभी मंदिरों की आकर्षक विद्युत लाइटों से सजाया गया। शाम होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन करने और सजावट देखने के लिए मंदिरों में उमड़ने लगी। देर रात तक मंदिरों में चहल-पहल का माहौल बना रहा। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से मंदिरों के आस पास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

मंगलवार को शहर में मंदिरों को भव्य तरीके से सजाया गया। बिरुआ बाड़ी, हर प्रसाद, गौरी शंकर देवालय और रघुनाथ मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया। रात भर शहर के सड़कों पर चहल-पहल रही। मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ रही। शहर के कई मंदिर एकादशी पर रोशनी से जगमग रहे। एकादशी पर सूरज ढलते ही बिजली की रोशनी से शहर के मंदिर और सड़कें जगमगाने लगीं। गली-गली मंदिरों में जहां देवी देवताओं को नवीन वस्त्रों और आभूषणों से अलंकृत किया गया, वहीं मंदिर बिजली झालरों से जगमगाते नजर आ रहे थे। शहर के बिरूआबाड़ी मंदिर, नगला मंदिर, शिव मंदिर, गौरी शंकर मंदिर, बालाजी मंदिर सहित अन्य सभी मंदिरों में सुबह से ही खासी चहल पहल शुरु हो गई थी। इस दौरान श्रद्धालुओं ने लाइन लगाकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना करने के बाद आर्शीवाद प्राप्त किया। मंदिर के आसपास के चौराहों पर जाम की स्थिति बनी रही। अधिक भीड़ होने की वजह से पुलिस प्रशासन की ओर से मंदिरों के आस पास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। शहर की काली सड़क पर सबसे अधिक भीड़ भाड़ रही। इस मार्ग पर शहर के प्रसिद्ध बिरुआ बाड़ी मंदिर, हर प्रसाद मंदिर, नारायण मंदिर, रघुनाथ मंदिर, पंजाबी मंदिर आदि को रास्ता हैं। जिसके चलते इस सड़क पर सबसे अधिक रौनक रही। मंडी समिति तिराहा स्थित गौरी शंकर मंदिर की आकर्षक सजावट देखने को जनसमूह उमड़ पड़ा। रेलवे स्टेशन कचहरी समेत विभिन्न मंदिरों में भी अतुलनीय सजावट की गई थी।

श्रीकृष्ण की पालकी निकालते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

झालरों से सजा बिरुआ बाड़ी मंदिर। ● अमृत विचार

बिरुआ बाड़ी मंदिर के बाहर बनी जाम की स्थिति। ● अमृत विचार

ऑपरेशन सिंदूर की झांकी रही आकर्षण का केंद्र

मोहल्ला शहबाजपुर स्थित विश्व हरि मंदिर पर एकादशी पर्व पर मंदिर सदस्यों द्वारा झांकियां सजाई गई। जिसमें ऑपरेशन सिन्दूर की झांकी ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। देवी देवताओं का रूप धर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस कार्य में निर्देश सक्सेना, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, पंकज अग्रवाल आदि का सहयोग रहा।

बिरुआ बाड़ी मंदिर में सजी झांकी।

दुर्गा देवी मंदिर में सजी खाटू श्याम की झांकी। ● अमृत विचार

विश्व हरि मंदिर में लगे ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित पोस्टर। ● अमृत विचार

ककराला, अमृत विचार: कस्बे में मंगलवार को श्री शिव भोलेधाम मंदिर पर भागवत कथा के उपरांत भगवान श्रीकृष्ण की पालकी निकाली गई। शोभायात्रा मे बच्चों को देवस्वरुप मे सजाया गया। शोभायात्रा भोलेधाम से होकर तीन बाले मोहल्ले, घास बाजार, मेन बाजार, अलापुर चौराहा, पीतम लाला की गली, पंडित चुन्नीलाल शिव मंदिर, शिव कुटीर, कश्यप बस्ती, मियाजान तिराहा, गढ़ी मोहल्ला, बाल्मीकि बस्ती होते हुए भोले धाम पर संपन्न हुई, शोभायात्रा में भक्तों नें फल, मिठाई, शरबत आदि वितरित किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी उदयवीर सिंह व पीएसी के जवान तैनात रहे।

न्यूज ब्रीफ

बिना नंबर की जेसीबी से हो रहा अवैध खनन

उसहैत, अमृत विचार : क्षेत्र में इन दिनों बड़े पैमाने पर अवैध खनन किया जा रहा है। इससे लोगों में भारी रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि रात को अवैध खनन करने वाली जेसीबी बिना नंबर प्लेट के चलती हैं। इससे उनकी पहचान भी नहीं होती है। वीडियो वायरल होने के बाद खनन करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। क्षेत्र के गांव घस नगला के खेतो से रात में बगैर नंबर प्लेट की जेसीबी मशीन से मिट्टी खनन करने का वीडियो वायरल हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बगैर नंबर प्लेट की जेसीबी मशीन से एक खेत से अवैध रूप से मिट्टी निकाल कर घस नगला चौराहे पर डाली जा रही है। इसका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

हादसे में घायल की अस्पताल में मौत

बदायूं, अमृत विचार : जिला शाहजहांपुर के थाना मिर्जापुर क्षेत्र के गांव कुनिया शाह नजीरपुर निवासी गिरीश गुप्ता सोमवार दोपहर ई-रिक्शा में बैठकर जा रहे थे। रास्ते में ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गया। गिरीश गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायल को जिला अस्पताल और वहां से राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान मंगलवार को गिरीश की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

बांटे टैबलेट, सदुपयोग का किया आह्वान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत चौथे टैबलेट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 84 छात्रों को टैबलेट दिए गए। साथ ही उनसे इनका सदुपयोग करने का आह्वान किया।

मंगलवार को राजकीय मेडिकल कालेज में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता जबकि विशेष अतिथि के रूप में भाजपा नेता शारदेन्दु पाठक उपस्थित रहे। प्राचार्य प्रो. डॉ. अरुण कुमार ने छात्रों को टैबलेट का सही उपयोग शिक्षा, अनुसंधान एवं ज्ञान वृद्धि में करने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने छात्रों को सकारात्मक सोच के साथ तकनीक का सदुपयोग कर राष्ट्रहित में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा हमेशा अच्छा सोचो, अच्छा होगा आज नहीं तो कल जरूर होगा। साथ ही छात्रों को स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कुल 84 छात्रों को टैबलेट वितरित किए गए।

कार्यक्रम का आयोजन युवा शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. पारुल सक्सेना ने किया। संचालन एमबीबीएस 2023 बैच के छात्रों और समापन डॉ. मुक्तयाज हुसैन ने किया। समारोह में डॉ. नेहा सिंह, डॉ. वेंकट नारायण, डॉ. सुचेता यादव, डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. लालेन्द्र यादव, डॉ. अमित कुमार, डॉ. नितेश पति तिवारी, डॉ. रिचा जैन, डॉ. निगार फातिमा, डॉ. वैशाली आदि उपस्थित रही।

मां सरस्वती का माल्यार्पण करते प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार। ● अमृत विचार

● राजकीय मेडिकल कॉलेज में चौथा टैबलेट वितरण समारोह सम्पन्न

लैंगिक समानता को लेकर बच्चों को दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: एपीएस इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को विधिक साक्षरता कार्यक्रम हुआ। इसमें विधिक सचिव शिव कुमारी ने बच्चों को लैंगिक समानता और मौलिक अधिकारों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं की चार टीमें गठित की गई थी। उनके बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विजेता रहे विद्यार्थियों को विधिक सचिव ने सम्मानित किया। कहा कि छात्र छात्राओं शिक्षा को मौलिक अधिकार की जानकारी होनी चाहिए। इस मौके पर एलएडीसीएस कशिश सक्सेना, कॉलेज प्रधानाचार्य रवेन्द्र भट्ट व विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

बच्चों को मौलिक अधिकार की जानकारी देती विधिक सचिव।

अंगूठा लगवाने के बाद भी नहीं दिया राशन

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : पारदर्शिता और भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए सरकार ने राशन वितरण में ई-पॉस मशीन प्रणाली लागू की थी, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है। इस्लामनगर क्षेत्र के सादात नगर गांव में कोटेदार की मनमानी से गरीब कार्डधारक परेशान हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि 20 दिन पहले कोटेदार ने मशीन पर अंगूठा तो लगवा लिया, लेकिन अब तक किसी को राशन नहीं दिया है। राशन पाने के लिए लोग बार-बार दुकान के चक्कर काट रहे हैं, मगर उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। नाराज ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी समेत उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है। ग्रामीणों का आरोप है कि कोटेदार अंगूठा लगाकर सर्वर डाउन होने की बात कहकर भगा देते हैं और बाद में उनके हिस्से का गल्ला हड़प लेती हैं। ग्रामीणों ने महिलाओं के साथ मंगलवार को प्रदर्शन किया और मामले की जांच कराने की मांग की। सप्लाई इंस्पेक्टर धीरज गुप्ता ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जिन कार्ड धारकों को राशन नहीं मिला है, उन्हें राशन दिया जाएगा। अगर जांच में कोटेदार की लापरवाही साबित हुई तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रदर्शन कर राशन कार्ड दिखातीं महिलाएं। ● अमृत विचार

● सादात नगर गांव के परेशान ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

बच्चों के नामांकन बढ़ाने पर डीडीआर ने दिया जोर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मंडलीय शिक्षा उप निदेशक (डीडीआर) मुन्ने अली ने तीन माध्यमिक विद्यालयों का निरीक्षण किया। डीआईओएस लालजी यादव के साथ स्कूलों का निरीक्षण करने के दौरान डीडीआर ने स्कूलों में शिक्षकों के आने जाने का समय सहित अन्य शैक्षिक क्रियाकलापों को देखा। इसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पहुंचकर कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बच्चों का नामांकन बढ़ाने पर जोर दिया।

मंडलीय शिक्षा उप निदेशक और जिला विद्यालय निरीक्षक ने मंगलवार को शहर के तीन माध्यमिक स्कूल श्री कृष्णा इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज के साथ क्रिश्चियन मिशन स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिक्षा अधिकारियों ने स्कूलों में शिक्षकों की अनुपस्थिति, शिक्षकों के विद्यालय आने-जाने का समय, शैक्षिक गतिविधियां, विद्यार्थियों का पठन-पाठन आदि क्रियाकलापों की जांच की। साथ ही अन्य व्यवस्थाओं को देखा। इसके बाद डीडीआर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने के बाद कार्यालय का निरीक्षण किया। उनके द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

● तीन माध्यमिक स्कूलों में देखी पढ़ाई की व्यवस्था, दिए निर्देश

जिले में 40 नई सहकारी समितियां होंगी गठित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : विकास भवन में मंगलवार को जिला सहकारिता विकास समिति (डीसीडीसी) की बैठक हुई। इस दौरान अधिकारियों के साथ नई समितियों के गठन को लेर चर्चा हुई। शासन की ओर से जिले में 40 नई समितियों के गठन को लक्ष्य मिला है। जिसमें से आठ का गठन हो चुका है। इन समितियों के माध्यम से किसानों को लाभान्वित किया जाएगा।

सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता मुन्नालाल मिश्रा ने जिला कृषि अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, दुग्ध अधिकारी, सचिव, मुख्य कार्यपालक अधिकारी डीसीबी, वरिष्ठ प्रबंधक, एलडीबी और सहकारिता विभाग के एडीसीओ को बताया कि शासन से जिले में 40 नई बी-पैक्स समितियों का गठन करने करने के लिए लक्ष्य दिया गया है। इसमें से जनपद में चार नई बी-पैक्स समितियां हजरतगंज, बसंत नगर, सिरासौल व बैन गठित हो चुकी हैं। इनकी बिल्डिंग निर्माण के लिए भूमि की तलाश की जा रही है। वहीं दुग्ध विभाग की पांच समितियां व मत्स्य की आठ समितियों का गठन हो चुका है।

समितियों के गठन को लेकर वार्ता करते सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता।

● विकास भवन में हुई डीसीडीसी की बैठक

● अब तक आठ समितियों का हो चुका गठन

बदायूं डायरी

भक्तों ने किए खाटू श्याम के दर्शन

करियामई, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम सोरहा स्थित प्राचीन खाटू श्याम मंदिर पर मंगलवार को जया एकादशी के पावन अवसर पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने खाटू श्याम के दर्शन किए। मंदिर पर श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही, भक्तों ने खाटू नरेश पर इत्र की वर्षा की। एकादशी के अवसर पर मंदिर प्रांगण को भव्य रूप से सजाया गया। ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ दूर दराज से आए भक्तों ने पूजा अर्चना कर खाटू श्याम के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। विजेंद्र पाठक ने बताया कि एकादशी का काफ़ी महत्व होता है। इस अवसर पर श्याम प्रेमी सुधीर, चंद्रपाल मास्टर, बबलू, मोनू सहित सैकड़ो की संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

माता वैष्णों के दर्शन को रवाना हुआ श्रद्धालुओं का जत्था

करियामई, अमृत विचार : गांव से मंगलवार शाम को जम्मू स्थित माता वैष्णो देवी के दर्शन को करियामई, सोरहा, भवानीपुर के 63 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना हुआ। जत्था शुक्रवार को कटरा पहुंचेगा। उसके बाद माता वैष्णो देवी के दर्शन करेंगे, शनिवार को सभी श्रद्धालु वापसी करेंगे। वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं में मनोज उपाध्याय, देवेंद्र ठाकुर, राम रहीस शाक्य, सिंगर मुन्ना लाल ठाकुर, देवेश शर्मा, मुकेश गुप्ता, सनी गुप्ता, सहित, 63 श्रद्धालु शामिल हैं उक्त श्रद्धालु माता वैष्णो देवी के दर्शन कर आशीर्वाद लेंगे, अपने क्षेत्र व देश की खुशहाली की कामना करेंगे।

परेशानी | मंजूरी मिलने के बाद भी औषधि संरक्षण विभाग ने दो साल बाद भी जारी नहीं किया लाईसेंस

हाईटेक हुईं समितियां, नहीं खुले जन औषधि केंद्र

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिले में संचालित सहकारी समितियां हाईटेक हो रही हैं। उन्हें कंप्यूटरीकृत किया जा रहा है। इन व्यवस्थाओं के बीच अब तक उनमें जनऔषधि केंद्र नहीं खुल सके हैं। दो साल बीत जाने के बाद भी औषधि संरक्षण विभाग सहकारी समितियों को जनऔषधि केंद्र का लाईसेंस नहीं जारी कर सका है। ग्रामीणों को अभी भी दवाईयां खरीदने के लिए मोटी रकम चुकानी पड़ रही है।

विभाग ने शासन स्तर पर पांच समितियों के नाम भेजे थे। इनमें से दो समितियों पर औषधि केंद्र खोले जाने के लिए मंजूरी मिली थी, लेकिन अब तक लाइसेंस के अभाव में जन औषधि केंद्र नहीं खुल सके हैं।

शासन की ओर से सहकारी समितियों की आर्थिक दशा सुधारने और उन पर सुविधाएं बढ़ाए जाने की ओर कार्य किया जा रहा है। समितियों पर लोगों के लिए सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। बहुउद्देशीय समिति वी पैक्स के नाम समितियों में सुधार किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए साधन सहकारी समितियों पर जन औषधि केंद्र खोले जाने के लिए सहकारिता विभाग ने जन औषधि केंद्र खोले जाने के लिए प्रस्ताव शासन को साल 2023 में भेजा था।

इनमें बिनावर, दहगवां, कटिया अलीगंज, जहांगीराबाद और म्याऊं समिति का नाम शामिल था। इनमें से शासन ने दो जहांगीराबाद और कटिया अलीगंज में जन औषधि केंद्र खोले की मंजूरी प्रदान की गई थी। मंजूरी मिलने के बाद सहकारिता विभाग की ओर से लाइसेंस के लिए आवेदन औषधि संरक्षण विभाग में किया था। आवेदन किए हुए दो साल का समय बीत गया, लेकिन औषधि विभाग सहकारिता विभाग को लाइसेंस नहीं दे सका।

विभाग स्तर से बरती जा रही लापरवाही की वजह से साधन सहकारी समितियों पर जन औषधि केंद्र नहीं खुल सके। जिस कारण ग्रामीणों को अभी भी दवाईयां खरीदने के लिए मोटी रकम चुकानी पड़ रही है। उनकी जेब पर बोझ पड़ रहा है।

● सहकारी संघ ने पांच समितियां के भेजे थे नाम, दो को दी थी मंजूरी

● ग्रामीणों को दवाईयां खरीदने के लिए चुकानी पड़ रही मोटी रकम

अस्पतालों में खुले जन औषधि केंद्र हो चुके बंद

लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध हो सके इसके लिए जिला अस्पताल और महिला अस्पताल में जन औषधि केंद्र खुले थे। परंतु यह केंद्र दवा के अभाव में धीरे-धीरे बंद हो गए। हालांकि प्राइवेट स्तर पर एक केंद्र शहर में संचालित है लेकिन यहां पर भी दवाओं का अकाल रहता है। जिस फर्म के द्वारा इन्हें संचालित किया जाना था, उसने राजकीय मेडिकल कॉलेज में भी जन औषधि केंद्र खोले जाने की तैयारी की थी, लेकिन इसी बीच महिला अस्पताल उसके बाद में जिला अस्पताल में जन औषधि केंद्र दवाएं समय पर नहीं मिलने के कारण बंद हो गए। अब एक भी जन औषधि केंद्र जिले में संचालित नहीं है।

साधन सहकारी समितियों पर जन औषधि केंद्र खोले जाने हैं। इसकी मंजूरी शासन स्तर साल 2023 में ही मिल गई थी। लेकिन अभी तक औषधि विभाग लाइसेंस नहीं दे सका है। लाइसेंस दिए जाने के लिए विभागीय स्तर से टालमटोल की जा रही है। एक बार फिर से पत्र जारी कर लाइसेंस जारी किए जाने के लिए औषधि विभाग से कहा जाएगा।

– मुन्ना लाल, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक

राजमार्ग पर भिड़ीं दो पिकअप, चालक समेत दो घायल

कुंवरगांव, अमृत विचार : बरेली-मथुरा राजमार्ग के पटेल चौक पर सोमवार सुबह दो पिकअप में भिड़ंत हो गई। एक पिकअप राजमार्ग पर पलट गई। चालक समेत दो लोग गंभीर रूप स घायल हो गए।

सोमवार सुबह एक पिकअप बरेली से उझानी की ओर और दूसरी मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग पर बिसौली की ओर से आई। पटेल चौक पर दोनों पिकअप की भिड़ंत हो गई। बिसौली की ओर से आई पिकअप चौक पर पलट गई। जिसमें सवार फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव भवानीपुर निवासी रामकुमार पुत्र कल्लूराम पिकअप चालक चंदौसी निवासी मोहम्मद साहिल पुत्र मोहम्मद हाशिम घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। घायलों को जिला अस्पताल भेजा। पिकअप को राजमार्ग से हटाया।

कृष्ण जन्माष्टमी मेले के समापन पर हुआ दंगल

कादरचौक, अमृत विचार : ग्राम कुढ़ा शाहपुर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित मेले के समापन पर मंगलवार को विशाल दंगल का आयोजन किया गया। जिसमें दूर दराज से आए पहलवानों ने जौहर दिखाए। दंगल में अनेक पहलवानों ने दांव पेंच दिखा कर प्रतिद्वंदी को पटखनी दी। कुश्ती लड़ने वाले पहलवानों को मिष्ठान से भरी हुई बाल्टी और 21 हजार का पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर मेला अध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता, केशव गुप्ता पूर्व ब्लॉक प्रमुख मुन्ना लाल गुप्ता, महावीर गुप्ता, बाबा ऋषि दास आदि मौजूद रहे।

शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी में बच्चों के समग्र विकास पर की चर्चा

बिल्सी, अमृत विचार : फ्यूचर लीडर्स स्कूल में मंगलवार को शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विस्तार से चर्चा की गई। डायरेक्टर वीपी सिंह ने कहा कि अभिभावक और शिक्षक के बीच संवाद बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। एमडी राहुल कुमार सिंह एवं प्रधानाचार्य रविंद्र सिंह ने अभिभावकों का आभार जताया और विद्यालय से सतत संपर्क बनाए रखने का आग्रह किया। इस मौके पर जूनियर कॉर्डिनेटर परमेंद्र सिंह, प्राइमरी कॉर्डिनेटर केशव शर्मा, प्री-प्राइमरी कॉर्डिनेटर राखी गुप्ता, रूबी मौर्य, मुनीश शर्मा, आकांक्षा गौतम, प्रशांत सिंह, विशेष चौहान, दीक्षा वार्ष्णेय, साक्षी गुप्ता आदि मौजूद रही।

न्यूज ब्रीफ

बहन के घर से लौट रहे बुजुर्ग की हादसे में मौत

बदायूं, अमृत विचार : मूसाझाग थाना क्षेत्र की नगर पंचायत गुलड़िया के वार्ड 9 निवासी बुजुर्ग राजेंद्र बहन के घर उझानी कोतवाली क्षेत्र के गांव गुराई से वापस लौट रहे थे। उझानी से बिल्सी मार्ग पर गांव गुराई के बस स्टैंड पर वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान कोई वाहन तेज रफ्तार से आया और सड़क किनारे खड़े राजेंद्र को टक्कर मारकर भाग गया। राजेंद्र सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने रेफर कर दिया था। घायल को बरेली ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

युवक ने पेड़ पर फंदे से लटककर दी जान

संभल/जुनावई, अमृत विचार : बैरपुर महराजी गांव के रहने वाले प्रमोद कुमार शर्मा (22) खेती किसानी एवं मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करता था। मंगलवार सुबह पांच बजे प्रमोद शौच करने गया था। इस दौरान गांव के नजदीक हाइवे किनारे खड़े शीशम के पेड़ पर रस्सी का फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों ने प्रमोद के शव को पेड़ पर लटका देखा तो परिवार को सूचना दी। थाना प्रभारी उमेश सिंह सोलंकी ने परिवार की मांग पर शव सौंप दिया। किशोरी ने फंदा लगाया : गांव पीर बहादुर के रहने वाले शिशु पाल सिंह की 17 वर्षीय पुत्री सुधा कुमारी परिवार में किसी बात को लेकर नाराज हो कमरे में बंद हो गई और फंदा लगा लिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

बहजोई, अमृत विचार : बहजोई के गांव गांव चौपा शोभापुर का दानी (40) पुत्र नंदराम सोमवार की शाम को शराब के नशे में अपने घर पर पहुंचा था। खाना खाने के बाद घर पर सो गया था। सुबह हालात खराब परिजन दानी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाएजहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने प्रार्थना पत्र लेने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया।

बाइक लूटने के लिए की थी हत्या

रामपुर के तीन हत्या आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने लूटी गई बाइक की बरामद

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

पुलिस की हिरासत में हत्या करने के रामपुर निवासी तीनों आरोपी। ● अमृत विचार

● हत्यारोपियों ने रामपुर में रामगंगा नदी के पुल से फेंका था शव

अमृत विचार : वजीरगंज से लापता हुए युवक की हत्या रामपुर के तीन लोगों ने गला दबाकर की थी। बाइक लूटकर शव को रामपुर में रामगंगा नदी के पुल से पानी की धार में फेंक दिया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से लूटी गई बाइक भी बरामद हुई है।

वजीरगंज क्षेत्र के गांव मालिन गौटिया निवासी मानवती ने 10 अगस्त को तहरीर देकर बताया था कि नई बाइक से गए पति मुकेश पुत्र भरत सिंह सात अगस्त से घर नहीं आए। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की थी। 13 अगस्त को मानवती ने तीन लोगों के खिलाफ अपहरण करके हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस ने गुमशुदगी तरमीम की थी। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने मुकेश और उनकी बाइक की तलाश शुरू की। मंगलवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जिला रामपुर के थाना शाहबाद क्षेत्र के गांव नथपुरा निवासी लालाराम, गांव ओसी निवासी आसिफ और उसके पिता अमीर अहमद को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि लालाराम की बड़ी बहन मालिन गौटिया और छोटी बहन लक्ष्मी की गांव रहेड़िया में शादी हुई है। लालाराम मालिन गौटिया आता रहता है। रिश्तेदारी की वजह से लालाराम के मुकेश से अच्छे संबंध हो गए थे। मुकेश ने दो-तीन महीने पहले नई बाइक खरीदी थी। 7 अगस्त को लालाराम ने मुकेश से नई बाइक की दावत मांगी थी। मुकेश के राजी होने पर लालाराम शाम को बहनोई नेम सिंह के घर फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव सीकरी के यहां ले गया। यहां कुछ देर रुकने के बाद वह मुकेश को अपने गांव रामपुर के नथपुरा ले गया। लालाराम की पत्नी मालिन गौटिया में थी। उसके मन में मुकेश की बाइक लूटने का लालच आ गया। वह शराब पीने के लिए मुकेश को ओसी ले गया। यहां दोस्त अमीर अहमद के घर पहुंचा। अमीर अहमद से शराब मंगवाई और मुकेश को पिलाई। वह नशे में हो गए। लालाराम ने अमीर अहमद और उसके बेटे आसिफ ने मुकेश की हत्या करके बाइक बेचकर रुपये बांटने की योजना बनाई। 8 अगस्त की सुबह लगभग चार बजे वह तीनों मुकेश को कैलाश नाथ मढ़ी पर रामगंगा नदी के पुल पर ले गए। यहां मुकेश की गला दबाकर हत्या कर दी और शव रामगंगा के पुल से पानी की धार में फेंक दिया। 10 मिनट तक इंतजार करते रहे।

बाइक में पेट्रोल डलवा रहे थे हत्यारोपी, तभी पुलिस ने दबोचा

वह तीनों मुकेश की बाइक लेकर गांव ओसी आ गए। चुपचाप जानकारी करते रहे कि पुलिस को मुकेश का शव तो नहीं मिला है। मंगलवार को वह तीनों बाइक बेचने के लिए निकले थे। वह बाइक में पेट्रोल डलवा रहे थे कि पुलिस ने पकड़ लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक मनोज कुमार, सिपाही सन्नी देव, हिमांक, विकास कुमार व मनजीत चौधरी रहे।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

उस्मानपुर, अमृत विचार : थाना जरीफनगर क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी थी। इसमें उन्होंने बताया कि बेटी ने गांव मालपुर ततेरा निवासी सत्यवीर पर उसे घर में खींचकर ले जाने उसके साथ दुष्कर्म करने और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देने के बारे में बताया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गईं। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।

पुलिस हिरासत में आरोपी।

अपहरण और हत्या की दी झूठी सूचना, दो का चालान

संवाददाता, कुंवरगांव

● विरोधी को फंसाने के लिए खुद हो गया लापता, पिता ने दी थी सूचना

अमृत विचार : थाना कुंवरगांव क्षेत्र के एक गांव में पुरानी रंजिश के चलते विरोधी को फंसाने के लिए युवक खुद लापता हो गया। युवक के पिता ने डायल 112 पुलिस को बेटे की अपहरण के बाद हत्या करने की सूचना दे दी। हत्या की सूचना पर दौड़ी पुलिस ने विरोधी के घर से पांच लोगों को हिरासत में लिया। आठ घंटे बाद शिकायतकर्ता का बेटा खुद वापस घर आ गया। पुलिस ने दोनों पक्ष का शांतिभंग में चालान कर दिया।

गांव वाबट निवासी नरेश पटेल ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना देकर बताया कि पड़ोसी मंजनू पटेल ने अपने साथियों की मदद से उनके बेटे शरद पटेल की अपहरण करके हत्या कर दी है और अब उनकी हत्या के लिए उनके घर आए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो मंजनू पटेल के घर कई लोग घर पर मौजूद थे। घर का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया था। जिसके चलते थाने पर सूचना देकर वहां से पुलिस को बुलाया। बताया। प्रभारी निरीक्षक वेदपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। चार-पांच युवकों को हिरासत में लेकर थाने ले गए। पुलिस की पूछताछ में उन्होंने बताया कि दो दिन पहले दोनों पक्ष में झगड़ा हो गया था। दोनों पक्ष में फैसला भी हो गया था। लेकिन बाद में फिर से झगड़ा हो गया। पुलिस ने लापता शरद पटेल की तलाश शुरू कर दी। उसका मोबाइल फोन बंद जा रहा था। रात लगभग एक बजे उसका मोबाइल खुल गया। पुलिस ने उससे बात की। मंगलवार को वह अपने परिजनों के साथ थाने पहुंचा। बताया कि उसके पिता ने विरोधियों को फंसाने के लिए पुलिस को उसकी हत्या की सूचना दी थी। पुलिस ने मंजनू और शरद पटेल का चालान किया है। प्रभारी निरीक्षक वेदपाल सिंह ने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते हत्या और अपहरण की झूठी सूचना देने वाला युवक खुद ही लापता हो गया था।

कीटनाशक दवा से फसल सूखी, शिकायत

संवाददाता, इस्लामनगर

सूखी धान की फसल दिखाता किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव चांदपुर निठाया निवासी किसान ने धान की फसल पर कीटनाशक का छिड़काव किया। इससे फसल सूख गई। पीड़ित किसान ने दवा बेचने वाले दुकानदार के खिलाफ की मांग की है।

चांदपुर निठाया निवासी किसान श्याम सिंह का कहना है कि उसने चार अगस्त को चार बीघा धान की फसल में घास खत्म करने की दवा का छिड़काव कराया। इसके बाद घास के साथ धान की फसल भी सूख गई। दवा विक्रेता की लापरवाही से उसकी पूरी फसल बर्बाद हो गई। किसान श्याम सिंह ने थाने से लेकर तहसील प्रशासन से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। किसान का आरोप है कि इस्लामनगर स्थित बीज भंडार के दुकानदार ने उसे गलत दवा दी और दूसरी शीशी में दवा बदलकर पकड़ा दी। किसान ने जब दवा का छिड़काव कराया उसके बाद करीब चार बीघा धान की फसल सूखकर नष्ट हो गई। इससे लगभग 40 हजार रुपये का नुकसान हुआ। श्याम सिंह का कहना है कि जब उसने दुकानदार से इस बारे में बात की, तो उसने न केवल बात सुनने से इनकार कर दिया, बल्कि गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। अब किसान ने न्याय की गुहार लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

दिल्ली हाईवे पर किसान से दिनदहाड़े 72 हजार की लूट

संवाददाता, सहसवान

अमृत विचार : कल्टीवेटर खरीदने के लिए ट्रैक्टर से जा रहे किसान को बाइक सवार बदमाशों ने बदायूं-मेरठ हाईवे पर घेर लिया। दिनदहाड़े किसान के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। 72 हजार रुपये लूटकर खंती में फेंककर भाग गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने बताया कि एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

श्मशान भूमि पर बने काली मंदिर में चोरी

वजीरगंज, अमृत विचार : कस्बा वजीरगंज के श्मशान भूमि स्थित जय माता काली क्लब अखाड़ा के संरक्षक दिनेश वार्ष्णेय ने मां काली के मंदिर का निर्माण कराया है। मंदिर में भक्तों ने इंवर्टर, बैट्री और भजन के लिए साउंड सिस्टम लगवाया था। सोमवार रात चोरों ने मंदिर के मेन गेट का ताला तोड़ा चोरी कर ली।

सहसवान क्षेत्र के कस्बा के मोहल्ला शहबाजपुर निवासी वेदराम पुत्र जालिम ने बताया कि वह खेती करते हैं। मंगलवार दोपहर वह कल्टीवेटर खरीदने के लिए रुपये लेकर कस्बा उझानी ट्रैक्टर से जा रहे थे। मेरठ राजमार्ग पर डीपी महाविद्यालय के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने उनका ट्रैक्टर रुकवा लिया। वेदराम के सिर पर डंडों से वार किया। विरोध करने पर राजमार्ग पर गिराकर जमकर पीटा। मरणासन्न होने पर वेदराम के रुपये लूटे और उन्हें खंती में फेंककर भाग गए। सूचना पर पुलिस पहुंची। घायल के परिजनों को बुलाया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सक ने रेफर कर दिया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया ने मौका मुआयना किया। पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू की है। आसपास क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाली। सहसवान पुलिस के अलावा एसओजी को भी लगाया गया है। पुलिस मामले को पुरानी रंजिश का बता रही है।

● ट्रैक्टर से कल्टीवेटर खरीदने जा रहे थे वेदराम, बाइक सवारों ने पहले हमला किया फिर लूटा

प्रेमी की पिटाई लगाने वालों पर होगी कार्रवाई

कुंवरगांव, अमृत विचार : कुंवरगांव क्षेत्र के एक गांव में 45 साल का प्रेमी शादीशुदा 26 साल की प्रेमिका से मिलने उसके घर पर पहुंच गया था। ग्रामीणों ने प्रेमी को पकड़कर उसकी धुनाई लगा दी थी और मरणासन्न हालत में छोड़ा था। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस उसकी पिटाई लगाने वालों पर कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

सोमवार सुबह लगभग 10 बजे उघैती थाना क्षेत्र के एक गांव का युवक कुंवरगांव थाना क्षेत्र के एक गांव में अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा था। युवती की शादी होने से पहले से उसका युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती की शादी होने के बाद भी युवक उसका पीछा नहीं छोड़ रहा था। प्रेमिका के घर पहुंचने पर ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और बेल्ट, लाठी-डंडे और लात घूसों से उसकी पिटाई लगा दी थी। वह बेसुध होकर जमीन पर गिर गया था। ग्राम प्रधान की सूचना पर पुलिस पहुंची। युवक का मेडिकल परीक्षण कराया। युवक उसकी पिटाई लगाने वालों की जानकारी कर रही है।

पति पत्नी गाड़ी के दो पहिए करना चाहिए सम्मान

ककराला, अमृत विचार : नगर के श्री शिव भोले बाबा धाम मंदिर पर श्री कृष्ण जन्मोत्स के अवसर पर सात दिवसीय श्रीमद भागवद कथा का आयोजन हो रहा है। इसमें कथा वाचक महामंडलेश्वर 1008 श्री श्री प्रवक्ता नंद ने लोगों को सामाजिक कुरीतियों से अवगत कराया।

कहा कि पति पत्नी गाड़ी के दो पहिये होते हैं। उन्हें एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। पत्नी को पति के अलावा किसी और के प्रेम में पड़ना चाहिए। पति से प्रेम न करने के परिणाम सबके सामने हैं। फ्रिज और सूटकेस में मिलने वाले टुकड़े इसी का परिणाम हैं। कहा कि छोटे बच्चो को मोबाइल से दूर रखना चाहिए। मोबाइल छोटे-छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर गलत असर डाल रहा है।

प्रचार प्रचारक विशाल ने कहा कि सनातनी परंपरा को जीवित रखने के लिए गुरुकुल पदिति से शिक्षा दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। नगर मे गुरुकुल की स्थापना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि लगातार सनातन के खिलाफ साजिश हो रही है और इस काम के लिए सनातन विरोधी ताकतें चंदा भी देती हैं। इसलिए नगर के सनातनियों को एकजुट होकर गुरुकुल की स्थापना पर विचार करना चाहिए ताकि सनातनी परंपरा और संस्कृति का विकास हो सके। इसके अलावा बच्चों मे अच्छे संस्कार विकसित हो सके। इस अवसर पर अशोक शर्मा, विनय प्रकाश गुप्ता, केशव शर्मा, मनोज गुप्ता, राजू, विक्रम गोस्वामी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

कथा का वर्णन करते कथावाचक प्रवक्ता नंद महाराज। ● अमृत विचार

● कस्बे के शिवभोले धाम मंदिर पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा

पांच निरीक्षक समेत 13 पुलिस कर्मियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● सोमवार आधी रात एसएसपी ने जारी की स्थानांतरण सूची

अमृत विचार : एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने पांच निरीक्षक, सात उपनिरीक्षक समेत 13 पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किए हैं। इस्लामनगर के प्रभारी निरीक्षक विशाल प्रताप सिंह के निलंबित होने पर जनपदीय अंगुलि चिह्न इकाई के प्रभारी नरेश कुमार सिंह को इस्लामनगर का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। एसएसपी ने तत्काल अनुपालन करने को निर्देशित किया है। मानवाधिकर प्रकोष्ठ के प्रभारी विजय बहादुर सिंह को सिविल लाइन का निरीक्षक अपराध और बिनावर के निरीक्षक अपराध सहंसरवीर सिंह को बिसौली का निरीक्षक अपराध बनाया गया है।

इनके अलावा बिल्सी के निरीक्षक अपराध विनोद कुमार मौर्य को वजीरगंज का निरीक्षक अपराध, वजीरगंज के निरीक्षक अपराध बाबूराम गौतम को बिल्सी का निरीक्षक अपराध बनाया गया है। वहीं अपराध शाखा के निरीक्षक महेंद्र सिंह मुजरिया के निरीक्षक अपराध बने हैं। जवाहरपुरी पुलिस चौकी के प्रभारी उपनिरीक्षक सुमित कुमार को थाना अलापुर की ककराला चौकी इंचार्ज, मूसाझाग के उपनिरीक्षक धर्मेंद्र सिंह को जवाहरपुरी चौकी इंचार्ज बनाने के अलावा थाना मुजरिया के उपनिरीक्षक प्रवीन कुमार सिंह को बगरैन चौकी इंचार्ज बनाया गया है। जरीफनगर के उपनिरीक्षक मुकेश कुमार त्यागी को मूसाझाग, वजीरगंज के भोजराज सिंह को न्यायालय सुरक्षा, पुलिस लाइन के अवधेश कुमार को महिला थाना और पुलिस लाइन के ही महेंद्र सिंह को बिसौली कोतवाली स्थानांतरित किया गया है।

तालाब में डूबकर बच्चे की मौत

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव बड़ेरिया निवासी मुनेश (9) पुत्र सत्येंद्र यादव अपने फुफेरे भाई लव कुमार के साथ पशुओं को चराने के लिए खेत पर गए थे।

वह अपने पशुओं को तालाब किनारे चराने लगे। उनके पशु तालाब में चले गए। जिन्हें बाहर निकालने के लिए मुनेश तालाब में घुस गया जबकि लव कुमार बाहर खड़ा था। मुनेश काफी देर तक तालाब से बाहर नहीं निकला तो लव ने घर जाकर परिजनों को सूचित किया। परिजन और ग्रामीण तालाब पर पहुंचे। मुनेश को तालाब से बाहर निकलकर चिकित्सक के पास ले गए। जहां चिकित्सक ने मुनेश को मृत घोषित कर दिया। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

VARUN ARJUN UNIVERSITY

Varun Arjun Medical College Campus
NH-30 (OLD NH-24) Banthra, Distt. Shahjahanpur, Uttar Pradesh - 242307

ADMISSIONS OPEN FOR FOLLOWING COURSES FOR SESSION 2025-2026

VARUN ARJUN COLLEGE OF COMMERCE & MANAGEMENT

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
Bachelor of Business Administration (BBA)	Intermediate (Any Stream)	3 Year
Bachelor of Computer Applications (BCA)	Intermediate (Any Stream)	3 Year
Master of Hospital Administration (MHA)	Graduate in (Any Stream)	2 Year
Master in Public Health (MPH)	Graduate in (Any Stream)	2 Year

Contact for Admission : Mob. 7521050077, 9956248504 E-mail ID : admission@vau.edu.in

VARUN ARJUN MEDICAL COLLEGE & ROHILKHAND HOSPITAL

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
M.Sc. (Medical Anatomy)	Candidate must have passed three years undergraduate	3 Years
M.Sc. (Medical Biochemistry)	Program B.Sc. with 50% marks (45% for SC/ST) With	
M.Sc. (Medical Microbiology)	Biological Sciences as one of the Subject or MBBS, BDS,	
M.Sc. (Medical Physiology)	BAMS, BHMS, BPT, B.Pharma, BMLT, BMRIT, B.Sc.	
M.Sc. (Medical Pharmacology)	Nursing Must have Passed from a recognized University.	

Contact for Admission : Mob. 7521050077, 9956248504, E-mail ID: admission@vau.edu.in

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
B.Sc. Forensic Sciences	Intermediate with Science	3 Years

Contact for Admission : Mob. 7521050077, 9956248504, E-mail ID: admission@vau.edu.in

VARUN ARJUN COLLEGE OF NURSING

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
B.Sc. Nursing	Intermediate with Biology and Entrance Test	4 Years
Post Basic B.Sc. Nursing	G.N.M With Entrance Test	2 Years
G.N.M	Intermediate (With English) & Entrance Test	3 Years
A.N.M	Intermediate	2 Years

Contact for Admission : Mob. 7521001992, E-mail ID: vacn2019@gmail.com

VARUN ARJUN COLLEGE OF PHARMACY

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
Bachelor of Pharmacy	Intermediate with Science	4 Years
Diploma in Pharmacy	Intermediate with Science	2 Years

Contact for Admission : Mob. 7521001993, E-mail ID : principal.vacp@vau.edu.in

VARUN ARJUN COLLEGE OF PARAMEDICAL SCIENCES

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
Diploma in Medical Laboratory Technician - D.M.L.T.	Intermediate with Science	2 Years
Diploma in X-Ray Technician	Intermediate with Science	2 Years

Contact for Admission : Mob. 7521050078, E-mail ID : principal.vacps@vau.edu.in

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरी जन्मतिथि 27.10.1955 ई. ESM : NK Kedar Nath Army कार्ड में लिखी है जोकि गलत है जबकि मेरा सही जन्मतिथि 20.12.1950 ई. है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी जन्मतिथि 20.12.1950 ही दर्ज है। **उर्मिला देवी पुत्री तोताराम पत्नी केदार नाथ निवासी अशोक नगर मढ़ीनाथ बरेली।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैने दोनो पुत्र सलीम खां, अनवर खां पुत्र इब्बन खां उक्त दोनों पुत्रो की पत्नी मेरी पुत्र वधु पूजा उर्फ पल्लवी उर्फ आरजू व रियाजवानो के गलत चाल चलन व दुर्व्यवहार के कारण संबंध विच्छेद कर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरे व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **जाहिरा पत्नी इब्बन खां निवासी वार्ड 09 कस्बा उसावा तह0 दातागंज जिला बदायूं**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सर्विस रिकार्ड में बड़े बेटे का नाम त्रुटिवश आयुष शर्मा जन्मतिथि 30.03.2005 दर्ज हो गई है जोकि अशुद्ध है जबकि उसका सही नाम हर्षवर्धन शर्मा जन्मतिथि 30.04.2006 है तथा छोटे बेटे का नाम त्रुटिवश यश शर्मा जन्मतिथि 05.08.2009 दर्ज हो गई है जोकि अशुद्ध है जबकि उसका सही नाम यशवर्धन शर्मा जन्मतिथि 05.08.2011 है। **आर्मी नं. 120348 W रैंक पी.ओ. नाम अनिल कुमार शर्मा पुत्र श्री परशुराम शर्मा निवासी, 812, राजीव नगर पो. पीए.सी. तहसील व जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि परिवहन विभाग के अभिलेखों(D-2178) में पिता का नाम भूलवश सुन्दर सिंह हो गया है जबकि उनका वास्तविक नाम सुन्दर लाल है। अन्य सभी दस्तावेजों में भी पिता का नाम सुन्दर लाल ही दर्ज है। **देवेन्द्र कुमार सिंह पुत्र श्री सुन्दर लाल निवासी सम्राट अशोक नगर गली नं. 6, निकट कृष्णा हास्टल तहसील व जिला बरेली।**

सूचना

मेरे अभिलेखों में भूलवश मेरा नाम राजकुमारी देवी पत्नी राम प्रसाद दर्ज हो गया है। जबकि आधार कार्ड में मेरा नाम गुड्डी देवी दर्ज है। दोनों नामों से मुझे जाना व पहचाना जाता है।

गुड्डी देवी पत्नी राम प्रसाद निवासी- मुड़िया मंसाराम, बांसी, गोला गोकर्ण नाथ, जिला- लखीमपुर खीरी।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 20 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने को कॉन्क्लेव

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग राज्य में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 21 अगस्त को राजधानी लखनऊ में एक कॉन्क्लेव का आयोजन करने जा रहा है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आईजीपी) में आयोजित कॉन्क्लेव में पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विषेशज्ञों, फार्म स्टे और होम स्टे मालिकों, ग्रामीण एवं जिला समन्वयकों और गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) के प्रतिनिधियों की भागीदारी रहेगी। कॉन्क्लेव के विभिन्न सत्रों में प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं, चुनौतियों और विभिन्न रणनीतियों पर विचार मंथन किया जायेगा। यह जानकारी उप्र. के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में एग्री टूरिज्म को नई पहचान दिलाने की दिशा में काम कर रही है।

मुख्य सचिव अवकाश पर, एपीसी को कार्यभार

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल अवकाश पर चले गए हैं। अग्रिम आदेशों तक मुख्य सचिव के सभी विभागों का कार्यभार राज्य सरकार ने एपीसी दीपक कुमार दिए हैं। एसपी गोयल ने 31 जुलाई को बतौर मुख्य सचिव पदभार ग्रहण किया था। इसके पहले वह अपर मुख्य सचिव के पद पर थे। एसपी गोयल मुख्य सचिव के पद के साथ अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अपर मुख्य सचिव समन्वय विभाग, अध्यक्ष पिकप, यूपीडा एवं उपशा का मुख्य कार्यपालक अधिकारी और यूपीडास्प के निदेशक पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

एक दिन में 150 दिव्यांगों को रोजगार

अमृत विचार, लखनऊ : बीते दिनों कौशल विकास विभाग की ओर से दिव्यांगजन युवाओं के लिए लगाए गए मेले में अच्छे परिणाम देखने को मिले। ऐसे में विभाग अब कई नई योजनाओं पर काम कर रहा है। इस रोजगार मेले में 20 कंपनियों ने एक दिन में 150 से अधिक दिव्यांगजनों को रोजगार दिया। चयनित दिव्यांगजन विभिन्न संस्थानों में सेवायोजित किए गए हैं। इनमें से सर्वाधिक वेतन पैकेज प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच दिव्यांगजन को मिशन निदेशक पुलकित खरे ने सम्मानित भी किया। बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा 6 से 13 अगस्त तक दिव्यांगजन रोजगार अभियान आयोजित किया गया। इस पहल के जरिए सरकार ने दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का लक्ष्य रखा था।

आत्मनिर्भर बनाने में सहायक बनें प्रशिक्षक

अमृत विचार, लखनऊ : व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के अंतर्गत प्रादेशिक स्टाफ प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र (आईटीओटी), अलीगंज लखनऊ में चल रहे कैपेसिटी बिल्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने निरीक्षण किया। यहां उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नवनियुक्त अनुदेशकों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण की गुणवत्ता, कौशल तकनीक एवं उद्यमशीलता को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षकों को इस प्रकार प्रशिक्षित किया जाए कि वे आने वाले समय में प्रशिक्षार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक बनें। संस्थान के निदेशक (प्राविधिक) ने अपने वक्तव्य में संस्थान में संचालित विभिन्न व्यवसायों एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी दी।

राष्ट्रीय औसत से भी आगे यूपी में पीएम आवास का निर्माण

299 दिनों के राष्ट्रीय औसत की तुलना में 195 दिन में तैयार हो रहा प्रधानमंत्री आवास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण को उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड उपलब्धियां हासिल हुई हैं। जहां राष्ट्रीय स्तर पर एक आवास निर्माण में औसतन 299 दिन लगते हैं, वहीं उत्तर प्रदेश ने मात्र 195 दिन में आवास बनाकर एक मिसाल पेश की है। निर्माण का राष्ट्रीय पूर्णता औसत 69.39 प्रतिशत है, जबकि यूपी में औसत 99.37 प्रतिशत के साथ नया रिकार्ड बना है।

2016-17 से 2024-25 के बीच 36.57 लाख आवासों के लक्ष्य के सापेक्ष उत्तर प्रदेश ने अब तक 36.34 लाख आवासों का निर्माण पूरा कर लिया है। शेष आवासों का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। इसके साथ ही, प्रदेश सरकार की ओर से संचालित मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 3.73 लाख के लक्ष्य के मुकाबले 3.51 लाख आवास पूरे हो चुके हैं, जबकि 22 हजार आवासों पर तेजी से काम जारी है।

योजना के अंतर्गत यूपी 99.37 प्रतिशत उपलब्धि के साथ राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे स्थान पर है। सिक्किम 99.57 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है, हालांकि उसका लक्ष्य केवल 1399 आवासों का था। वहीं, भारत सरकार के परफॉर्मेंस इंडेक्स, राजमिस्त्री प्रशिक्षण, सोशल ऑडिट, एरिया ऑफिसर एप पर इंस्पेक्शन, पात्र लाभार्थियों को भूमि पट्टा और आवास पूर्णता में उत्तर प्रदेश नंबर वन पर है।

हाल ही में मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में निर्देश दिए गए कि शेष आवासों का निर्माण मानक एवं गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा किया जाए। साथ ही लाभार्थियों को दिव्यांगजन पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल जैसी योजनाओं से भी जोड़ा जाए, ताकि उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो।

बुनियादी सुविधाओं से लैस हो रहे आवास

निर्मित आवासों को कनवर्जेन्स के माध्यम से 99.39 प्रतिशत शौचालय, 93.31 प्रतिशत विद्युत कनेक्शन, 94.42 प्रतिशत एलपीजी कनेक्शन और 80.02 प्रतिशत पेयजल कनेक्शन से संतृप्त किया गया है। इससे प्रधानमंत्री आवास अब सिर्फ छत नहीं, बल्कि सुविधाओं से युक्त पूर्ण गृह बन रहे हैं।

जनजाति और महिला सशक्तिकरण

प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत बिजनौर जनपद की बोक्सा जनजाति के लिए स्वीकृत 145 आवासों में से 123 पूर्ण कर लिए गए हैं। वहीं, प्रधानमंत्री मॉडल आवास (ग्रामीण) के तहत 587 मॉडल हाउस बन चुके हैं, 190 निर्माणाधीन हैं। आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 के वेरीफिकेशन का काम भी तेजी से चल रहा है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2025-26 में 25 हजार महिला राजमिस्त्रियों को आरसेटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया है।

लंपी रोग फैलने से बचाने को बार्डर होंगे सील

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शासन ने कमर कसी, पशुपालन निदेशालय में बना कंट्रोल रूम

अमृत विचार: पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि लंपी रोग के संक्रमण से गोवंश के बचाव के लिए विभागीय अधिकारी पूरे प्रदेश के गोशालाओं का नियमित निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

कहा कि महराजगंज, सोनभद्र, कुशीनगर, भदोही, बलिया, गाजीपुर, चन्दौली एवं वाराणसी जिलों में 10 किमी. चौड़ी बेल्ट बनाकर लंपी रोग से गोवंश के बचाव को वैक्सीनेशन अभियान चलाया जाए। जिन क्षेत्रों से लंपी रोग के संक्रमण की सूचना मिले, वहां बार्डर सील करके गोवंश का आवागमन प्रतिबंधित हो। लंपी रोग के संबंध में पशुपालन निदेशालय में स्थापित कन्ट्रोल रूम में टोलफ्री नम्बर-1800 1805 141 पर प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। पशुधन मंत्री ने मंगलवार को यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में लंपी रोग से बचाव एवं नियंत्रण के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त रूप से निर्देशित किया कि एलएसडी और एफएमडी के टीकाकरण एवं उपचार के कार्यों में कोई कमी न हो।

सीबीआई की दो नोटिस के बाद भी नहीं पहुंचे अफसर

यूपीपीएससी अपर निजी सचिव भर्ती-2010 में हुई गड़बड़ी का मामला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. लोक सेवा आयोग ने 25 जून को दी थी जांच की अनुमति
- 28 जुलाई और 14 अगस्त को सीबीआई ने बुलाया था
- हाईकोर्ट इलाहाबाद में आज लगी है सुनवाई की तारीख

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अपर निजी सचिव (उप्र सचिवालय) भर्ती 2010 घोटाले में आरोपी अफसरों को सीबीआई ने दो बार नोटिस भेजा। दोनों नोटिस मिलने के बाद भी यह अफसर अपना पक्ष रखने नहीं पहुंचे हैं। सीबीआई की तरफ से यह नोटिस 25 जून को यूपीपीएससी द्वारा हाईकोर्ट में दाखिल काउंटर एफिडेविड में जांच की अनुमति देने के बाद जारी किया। जिसमें पहले 28 जुलाई फिर 14 अगस्त को आरोपी अफसरों को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। वहीं, इस मामले की हाईकोर्ट इलाहाबाद में सुनवाई के लिए बुधवार 20 अगस्त की तारीख लगी है।

सीबीआई मुख्यालय ने अपर निजी सचिव (उप्र सचिवालय) भर्ती, 2010 में हुए गड़बड़ियों के लिए तीन अफसरों पर आरोपी बनाया है। तीनों अफसरों से पूछताछ और उनके खिलाफ जांच करने के लिए सीबीआई ने यूपीपीएससी से अनुमति मांगी थी। काफी प्रयास के बाद भी अनुमति नहीं मिली। इसके बाद सीबीआई ने मामले में आयोग की तरफ से सहयोग न मिलने की बात शासन से पत्र भेजकर कही। पत्र मिलने के बाद 25 जून को आयोग की तरफ हाईकोर्ट में काउंटर एफिडेविड दाखिल किया गया। जिसमें तीनों अफसरों के खिलाफ जांच की अनुमति प्रदान की गई।

इसके बाद सीबीआई मुख्यालय नई दिल्ली की एंटी करप्शन टीम के निरीक्षक अविनाश गुप्ता ने आरोपी बनाये गये तीनों अफसरों संयुक्त सचिव विनोद कुमार सिंह, कम्प्यूटर एनालिस्ट गिरीश गोयल व समीक्षा अधिकारी लाल बहादुर पटेल को नोटिस जारी किया। ये तीनों अधिकारी रिटायर्ड हो चुके हैं। पहली नोटिस में तीनों अफसरों को 28 जुलाई को सीबीआई मुख्यालय पूछताछ के लिए बुलाया गया था। लेकिन वह नहीं पहुंचे। इसके बाद सीबीआई की तरफ दूसरी नोटिस जारी की गई। जिसमें 14 अगस्त का समय दिया गया था। दोनों नोटिस जारी होने के बाद भी आरोपी अफसर अपना पक्ष रखने नहीं पहुंचे।

याचिका दाखिल कर पूछताछ पर रोक लगाने की मांग

तीनों आरोपी अफसर सीबीआई मुख्यालय पूछताछ की नोटिस पर नहीं पहुंचे। वहीं हाईकोर्ट इलाहाबाद में अपनी रिट याचिका दाखिल की। जिसमें पूछताछ पर रोक लगाने की मांग की। आरोपी अफसरों ने अपनी रिट याचिका में कहा कि असफल अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में मामले को चुनौती दी थी। जिसे खारिज कर दिया गया है। इसलिए उनके खिलाफ केस बंद किया जाना चाहिए। इस रिट याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार 20 अगस्त को कोर्ट नंबर-43 की सूची में 69 नंबर पर इसे रखा गया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की भर्तियों की सीबीआई जांच की लड़ाई लड़ रहे प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के अध्यक्ष अवनीश पांडेय व प्रशांत पांडेय ने बताया कि आयोग के अफसरों ने महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है।

गबन के आरोप में अफसर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने अल्पसंख्यक वित्तीय विकास निगम लि. के फील्ड आफिसर को मार्जिन मनी ऋण योजना में गबन के आरोप में गिरफ्तार किया। गाजीपुर जिले में 1996 से 2000 के बीच हुए गबन के मामले की जांच वाराणसी यूनिट कर रही है। वाराणसी की टीम ने आरोपी खुर्शीद अहमद को वजीरगंज इलाके से गिरफ्तार किया।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, निगम मुख्यालय में तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों से मिलीभगत कर फर्जी नाम व पते से जिला प्रबंधक उत्तर प्रदेश वित्तीय एवं विकास निगम गाजीपुर व अपर जिला विकास अधिकारी (समाज कल्याण) ने धन में हेराफेरी की। इस मामले में अब तक पांच आरोपी गिरफ्तार किये गये हैं। बाकी की तलाश की जा रही है।

विधानसभा में सवालों का जवाब देने की तय की गई गाइडलाइंस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अब विभागों 30 दिन में देना ही होगा जवाब, समय की छूट नहीं बाध्यता होगी
- जवाब समय से न देने की स्थिति में सीधे विधानसभा अध्यक्ष कर सकते हैं विभागाध्यक्ष को तलब

अमृत विचार : राज्य विधानसभा की नई विधायी नियमावली के अनुसार अब प्रत्येक सूचना पर सम्बन्धित विभाग से उत्तर प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया गया है। विभागों के लिए सवालों, सूचनाओं का जवाब देने के लिए पहले 90 दिन की समयावधि निर्धारित थी, जिसे अब 30 दिन कर दिया गया है। इन तीस दिनों में विभागों को जवाब तैयार करने की बाध्यता होगी।

किसी भी विभाग से अगर निर्धारित समयावधि में जवाब नहीं मिलता है तो विधानसभा अध्यक्ष उक्त विभाग के प्रमुख को तलब कर उचित कार्रवाई भी कर सकते हैं। ऐसे में अब विभाग अधिक उत्तरदायी

एवं सक्रिय हो गए हैं।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के अनुसार, मानसून सत्र के दौरान सत्ता और विपक्ष दोनों ने अपनी-अपनी बात खुलकर रखी। यही लोकतंत्र की वास्तविक खूबसूरती है। चार दिन के संक्षिप्त सत्र में जितना विधायी कार्य हुआ, उतना प्रायः लंबे सत्रों में भी नहीं हो पाता। कुल 32 घंटे 28 मिनट तक विधानसभा की कार्यवाही चली, जिसमें केवल 43 मिनट सदन स्थगित रहा। इस प्रकार स्थगन रहित समयावधि 31 घंटे 45 मिनट रही, जो लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है।

महाना ने बताया कि 29 मार्च 2022 को विधानसभा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ग्रहण करने के बाद से प्रत्येक सत्र में कुछ नया करने का प्रयास किया गया है। परम्पराओं, संचालन और प्रक्रिया- तीनों ही स्तरों पर निरंतर नवीनता लाने का कार्य हुआ है, ताकि विधानमंडल की गरिमा और लोकतंत्र की प्रतिष्ठा निरंतर समृद्ध होती रहे।

किसानों को समय पर मिले उर्वरक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उर्वरक की उपलब्धता के लिए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने की बैठक

अमृत विचार: राज्य सरकार किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने देगी और यह सुनिश्चित करेगी कि हर किसान को उसकी आवश्यकतानुसार उर्वरक मिले। उन्होंने कहा कि विभाग सभी संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि आपूर्ति में कोई बाधा न आए और किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके। यह आश्वासन कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को दिया।

इससे पूर्व कृषि मंत्री ने विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसका उद्देश्य प्रदेश में किसानों के लिए उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना था। इस बैठक में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर और कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान, मंत्रियों ने खरीफ और रबी फसलों के लिए उर्वरकों की मांग, आपूर्ति और वितरण की वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा की। इस चर्चा का मुख्य केंद्र किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरकों की आसान पहुंच सुनिश्चित करना था।

प्रदेश में खाद का भारी संकटः अखिलेश यादव

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि किसानों को फसलों के लिए खाद नहीं मिल रही है। प्रदेश में खाद का भारी संकट है। खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी हो रही है। सपा प्रमुख ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि खाद को लेकर किसान जगह-जगह धरना-प्रदर्शन करने पर मजबूर हैं। कहा कि कई जिलों में सहकारी समितियों पर महीनों खाद की कमी की खबरें सामने आ रही हैं। लखनऊ, अयोध्या, सुल्तानपुर, श्रावस्ती, सोनभद्र सहित तमाम जिलों में किसान खाद के लिए भटक रहे हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं।

दो माह में तैयार हो जाएगा यूपी का पहला एसआईएचएम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोरखपुर में बन रहे इंस्टीट्यूट में चलेंगे टूरिज्म, होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के कोर्स

अमृत विचार : योगी सरकार द्वारा गोरखपुर में 48.39 करोड़ रुपये की लागत से बनवाया जा रहा देश का पहला स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (एसआईएचएम) दो माह में तैयार हो जाएगा। पहले फेज का 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो गया है। पर्यटन विभाग द्वारा अगले माह के अंत तक शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराने का लक्ष्य तय किया है।

गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के कार्यालय के सामने बन रहे एसआईएचएम का निर्माण सितंबर माह तक पूरा हो जाएगा और अगले शैक्षिक सत्र से यहां होटल एंड टूरिज्म मैनजमेंट से जुड़े डिप्लोमा और डिग्री के पाठ्यक्रम संचालित होने लगेंगे। इस परियोजना पर निर्माण कार्य 26 सितंबर 2023 को प्रारंभ हुआ था। वर्तमान समय में 38.42 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च कर 95 प्रतिशत कार्य पूरे कर लिए गए हैं और इसी साल 25 सितंबर तक कार्य पूर्ण किया जाना है। निर्माण के पहले चरण में दो ब्लॉकों में प्रशासनिक कक्ष, क्लास रूम, कॉमन हाल, किचन के अलावा अंडरग्राउंड पार्किंग, इलेक्ट्रिफिकेशन, फायर सेफ्टी, पाइपलाइन आदि के कार्य पूर्ण कराए जा रहे हैं।

तैयारी...

गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर राजधानी लखनऊ के मवैया क्षेत्र में मूर्ति तैयार करता कारीगर। ● अमृत विचार

55 जिलों ने नहीं भेजी पंचायत वार्डों के परिसीमन की रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तीन दिन में रिपोर्ट हर हाल में भेजने के निर्देश

अमृत विचार : ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत वार्डों के परिसीमन का काम पूरा होने बाद भी 55 जिलों ने अभी तक अपनी रिपोर्ट निदेशालय को नहीं भेजी है। इससे राज्य स्तर पर निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) की संख्या कितनी घटी अथवा बढ़ी, इसका ब्यौरा तैयार किए जाने का कार्य नहीं हो पा रहा है। निदेशालय ने जिलों को निर्देश दिए हैं कि तीन दिन के अंदर वे परिसीमन की रिपोर्ट हर हाल में भेज दें।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए वार्डों परिसीमन की प्रक्रिया 18 जुलाई से शुरू की गई थी। जिले स्तर पर ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के वार्डों की प्रस्तावित सूची की तैयारी और उसका प्रकाशन 23 से 28 जुलाई के बीच किया गया। 29 जुलाई से दो अगस्त के बीच प्रस्तावित वार्डों पर आपत्तियां ली गई थीं। तीन से पांच अगस्त के बीच आपत्तियों के निस्तारण के बाद वार्डों की अंतिम सूची का प्रकाशन जिला स्तर पर की गई। इस प्रक्रिया के बाद 12 अगस्त तक परिसीमन की पूरी रिपोर्ट हार्डकापी में निदेशालय को भेजनी थी। अभी 20 जिले ही निदेशालय को रिपोर्ट भेजे थे। पंचायती राज निदेशक अमित कुमार सिंह के मुताबिक प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सीटों के आरक्षण का काम होना है।

पारदर्शिता | आधुनिक तकनीक से गड़बड़ियों पर लगेगी लगाम, लाभार्थियों तक सीधे पहुंचेगा फायदा

एआई निगरानी तंत्र अपनाएगा समाज कल्याण विभाग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार ने समाज कल्याण योजनाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और गड़बड़ी-मुक्त बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित निगरानी तंत्र अपनाने की तैयारी तेज कर दी है। इससे समाज कल्याण विभाग वृद्धावस्था पेंशन, पारिवारिक लाभ, छात्रवृत्ति और सामूहिक विवाह जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की निगरानी करेगा। इस पहल का उद्देश्य न केवल योजनाओं को सही लाभार्थियों तक पहुंचाना है, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पेपरलेस, तेज और जवाबदेह बनाना भी है।

फर्जी आवेदनों पर लगेगी लगाम

समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरुण के अनुसार छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, वृद्धा पेंशन जैसी योजनाओं में पारदर्शिता और सुगमता लाने के लिए पहले ही ऑनलाइन मॉनिटरिंग को मजबूत किया गया है। विभाग ने वन टाइम रजिस्ट्रेशन नंबर की व्यवस्था लागू की है। जल्द ही एआई के उपयोग से इस प्रक्रिया में और अधिक सटीकता आएगी, जिससे फर्जी आवेदनों पर लगाम लगेगी और पात्रों को त्वरित लाभ मिलेगा। डाटा विश्लेषण के जरिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि केवल वास्तविक लाभार्थी ही योजना का लाभ उठा सकें।

पेपरलेस और डिजिटल भविष्य की ओर कदम

योगी सरकार की इस पहल से समाज कल्याण विभाग की योजनाएं डिजिटल युग में एक नया मुकाम हासिल करेंगी। पेपरलेस कार्यप्रणाली को अपनाने से न केवल कागजी कार्रवाई कम होगी, बल्कि योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आएगी। एआई तकनीक के उपयोग से डाटा प्रबंधन, लाभार्थी सत्यापन और योजना निगरानी में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएं सुगम होंगी, बल्कि जनता का विश्वास भी सरकार पर बढ़ेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

योजनाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितताओं से निपटने के लिए समाज कल्याण विभाग ने एआई-आधारित निगरानी तंत्र को अपनाने पर काम शुरू कर दिया है। पिछले दिनों समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण की मौजूदगी में 'एआई का समाज कल्याण की योजनाओं में उपयोग'' विषय पर हुई विशेष कार्यशाला में रणनीति को हरी झंडी दे दी गई थी। इस तकनीक के माध्यम से डाटा सत्यापन, लाभार्थियों की पहचान और योजनाओं के कार्यान्वयन में सटीकता सुनिश्चित की जाएगी।

वैश्विक डिजिटल डॉटा कलेक्शन से साइबर अपराध पर लगेगी लगाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपीएसआईएफएस में सेमिनार का दूसरा दिन

अमृत विचार : वैश्विक डिजिटल डॉटा कलेक्शन और हाईटेक टेक्नोलॉजी की मदद से डार्क वेब से होने वाले अपराधों पर लगाम लगाई जा सकती है। डार्क वेब और क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल कर साइबर अपराधी लोगों को अपने जाल में फंसाकर उन्हें शिकार बना रहे हैं।

यह बातें मंगलवार को उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के तीन दिवसीय सेमिनार के दूसरे दिन साइबर विशेषज्ञों ने साझा किए। सेमिनार में विशेषज्ञों ने साइबर अपराध, क्रिप्टोकरेंसी और नए तकनीकी खतरों पर चर्चा की। सेमिनार में बताया गया कि किस तरह क्रिप्टोकरेंसी, जो पहले एक तकनीकी नवाचार था, अब डार्क वेब पर अवैध गतिविधियों का अहम हिस्सा बन चुका है। पैनेलिस्ट आमिर ने डार्क वेब पर होने वाले अपराधों को लेकर चिंताएं जताई। उन्होंने बताया कि डार्क वेब पर लोग न केवल हैक किए गए डेटा बेचते हैं, बल्कि मानव तस्करी और ड्रग ट्रैफिकिंग जैसे अपराध को भी अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत का नया डिजिटल डाटा संरक्षण कानून इन अपराधों पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाएगा। पैनेलिस्ट विष्णु नारायण शर्मा ने बताया कि डार्क वेब पर अपराधों का पता लगाना बेहद मुश्किल है, क्योंकि यह पूरी तरह से गुमनाम और विकेंद्रीकृत है। हालांकि कुछ हाईटेक टेक्नोलॉजी मदद से अपराधियों का पता लगाने में सफलता मिल सकती है। सेमिनार का संचालन कर्नल नीतीश भटनागर ने किया।

दबंगों ने सरेराह मजदूर को पीट पीटकर मार डाला

मकान का लिंटर डालने की मजदूरी को लेकर विवाद के बाद आरोपियों ने दिया घटना को अंजाम, पुलिस के लौटते ही की हत्या

कार्यालय संवाददाता, संभल/जुनावई

- एक हजार रुपये लेकर पुलिस ने मजदूरों को जूनावई तक छोड़ा

अमृत विचार: लिंटर डालने की मजदूरी के विवाद में दबंगों ने मुख्य मार्ग पर मजदूर की पीट पीटकर हत्या कर दी। दबंगों से जान बचाने के लिए मजदूरों ने पुलिस से भी गुहार लगाई लेकिन एक हजार रुपये लेने के बाद भी पुलिस कर्मी मजदूरों को बीच रास्ते में छोड़कर चले गये।

मृतक योगेश।

नगला अजमेरी गांव के दर्जन भर से अधिक लोग कस्बा बबराला में लिंटर डालने गए थे। लिंटर डालने के बाद मजदूरी मांगने पर मकान मालिक से विवाद हो गया। वहां दबंग हमलावर हुए तो मजदूर अपनी मशीन व ट्रैक्टर लेकर निकल आये। दबंगों ने पीछा किया तो मजदूरों ने 112 पर काल किया। 112 पुलिस के द्वारा मजदूरों को बबराला थाने तक सुरक्षित पहुंचा दिया गया। मजदूरों ने जुनावई तक छोड़ने की गुहार लगाई तो सिपाही ने एक हजार रुपए ले लिये। 112 के दो सिपाही तथा थाना बबराला का एक सिपाही मजदूरों को साथ लेकर चल दिए।

दर्जन भर दंबग हथियार एवं लाठी डंडे लेकर बाइकों पर सवार होकर मजदूरों के ट्रैक्टर के पीछे चलते रहे। पुलिस गुन्नौर से वापस लौट गई और थाने का सिपाही जगन्नाथपुर से वापस लौट गया। पुलिस के लौटने पर हमलावर फिर से आगे बढ़े और जगन्नाथपुर गांव से निकलते ही ट्रैक्टर सवार मजदूरों पर ईंट पत्थर लाठी डंडों से हमला कर दिया। मजदूरों ने बचाव के लिए रोड पर चीखते चिल्लाते ट्रैक्टर को भगाना शुरू कर दिया।

सैंजना मुस्लिम गांव के नजदीक हमलावरों ने ट्रैक्टर चला रहे धर्मवीर को तमंचा दिखा कर ट्रैक्टर रुकवाने का प्रयास किया लेकिन चालक ने ट्रैक्टर नहीं रोका। गुन्नौर थाना क्षेत्र के एसआर पेट्रोल पंप के नजदीक हमलावरों ने ट्रैक्टर रुकवाने के लिए बाइकों को ट्रैक्टर के आगे डाल दिया। जान बचाने के लिए मजदूरों ने एक बाइक को तोड़ते हुए ट्रैक्टर थाना जुनावई की ओर भगाना शुरू कर दिया। जुनावई चौराहे के समीप हमलावरों ने मजदूर योगेश ऊर्फ दुर्गेश को ट्रैक्टर से नीचे खींच लिया। इसके बाद दबंगों ने सरेराह योगेश की पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी। मजदूरों ने भागकर थाना जुनावई पुलिस को सूचना दी। थाना जुनावई पुलिस के पहुंचने से पहले ही हत्यारे मजदूर की हत्या कर मौके से फरार हो गए। दो थानों की सीमा पार कर ने तीसरे थाना क्षेत्र में मजदूर की जान ले ली।

पोते की मौत के सदमे में दादी ने त्यागे प्राण

मजदूर योगेश की मौत की जानकारी मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया। दादी अनारो को पौते की मौत का ऐसा सदमा लगा कि उसकी भी मौत हो गई। घर से एक साथ दो अर्थियां उठीं तो गांव के लोग भी गमजदा हो गये।

जुनावई में योगेश की मौत के बाद बिलखती परिवार की महिलाएं। ● अमृत विचार

10 किलोमीटर तक दबंगई दिखाते रहे आरोपी

जुनावई में जिस तरह दबंगों ने सरेराह पीटकर मजदूर की जान ली उससे एक नहीं बल्कि तीन थानों की पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मुख्य मार्ग पर मजदूरों से बदला लेने के लिए दबंग 10 किलोमीटर तक हथियार लहराकर दहशत फैलाते रहे लेकिन पुलिस ने कुछ नहीं किया। हाथ में हथियार और लाठी डंडे लेकर चल रहे बाइक सवारों को देखकर एहसास हो रहा था कि इन लोगों को पुलिस का कोई डर नहीं है। गुन्नौर से आगे तक पुलिस मजदूरों के साथ थी। पुलिस कर्मियों ने दबंगई का नजारा देखा फिर भी थाने को सूचना देकर पुलिस बल बुलाना गवारा नहीं किया। बाइक सवार दबंगों ने ट्रैक्टर रुकवाने के लिए बाइकें सड़क पर डालीं, हथियार लहराये इसके बाद भी पुलिस को दबंगई की जानकारी नहीं हुई।

एक हजार लेकर भी रास्ते में छोड़ गए सिपाही

बबराला में विवाद के बाद योगेश व दूसरे मजदूरों को इस बात का एहसास हो गया था कि दबंग उनकी जान ले सकते हैं। इसीलिए उन्होंने 112 को कॉल कर मदद ली। पुलिस कर्मियों ने बबराला थाने तक मजदूरों को सुरक्षित पहुंचा दिया लेकिन जब मजदूर जुनावई तक छोड़ने की गुहार लगाने लगे तो इसकी एवज मजदूरों से दो बार में कर पांच-पांच सौ रुपये लिए। मजदूरों के पास पैसे नहीं थे तो उन्होंने अपने किसी परिचित से सिपाहियों के बताये नंबर पर पैसा ट्रांसफर कराया गया। पैसे लेने के बाद भी पुलिस कर्मी मजदूरों को जुनावई तक छोड़ने के बजाये बीच रास्ते में छोड़कर वापस आ गये।

न्यूज ब्रीफ

बरेली कॉलेज में करीब 800 सीटें लॉक होना शेष

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले अभी करीब आठ सौ विद्यार्थियों की सीटें समर्थ पोर्टल पर लॉक होना शेष रह गई हैं। इनमें अधिक 450 छात्राएं हैं। सीटें लॉक करने की प्रक्रिया करीब एक महीने से चल रही है। अब तक 42 सौ सीटें लॉक हो चुकी हैं। अभी बीए, बीकॉम और बीएससी गणित की सीटें अधिक संख्या में लॉक होना शेष हैं, इनमें छात्राएं अधिक हैं। मंगलवार को भी 245 सीटें लॉक हुईं। अधिक संख्या में छात्राओं के आने की वजह से उन्हें वापस किया गया और आगे की तिथि दी गई।

ट्रैक्टर से टकराकर बाइक सवार ससुर की मौत, दामाद गंभीर

संभल/जुनावई, अमृत विचार : ट्रैक्टर की भिड़ंत में बाइक पर सवार ससुर की मौत हो गई जबकि दामाद गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना क्षेत्र के लोहारपुरा गांव के रहने वाले दरियाव सिंह (60) अपने दामाद थाना गुन्नौर के गांव सैमला के रहने वाले सुरेश के साथ मंगलवार 11बजे करीब बाइक से लोहामई गांव से सैमला गांव को वापस हो रहे थे। लोहामई गांव से निकलने के उपरांत सामने से तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने सामने से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिसके चलते दोनों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। जबकि दरियाव सिंह के सर के ऊपर से ट्रैक्टर का पहिया उतरने से घटना स्थल पर ही मौत हो गई है। थाना प्रभारी उमेश कुमार सोलंकी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। परिवार की मांग पर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया।

प्रोविजनल सर्टिफिकेट के लिए लंबी लाइन

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय में सिंगल विंडो पर प्रोविजनल सर्टिफिकेट बनवाने के लिए दो दिन से अभ्यर्थियों की लंबी लाइनें लग रही हैं। दरोगा भर्ती में आवेदन करने वाले अभ्यर्थी प्रमाणपत्र के लिए भागदौड़ कर रहे हैं। जल्दी प्रमाणपत्र बनवाने के लिए अभ्यर्थियों की कर्मचारियों से नोकझोंक भी हो रही है और कई तरह के आरोप भी लग रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव के अनुसार अभ्यर्थी ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से प्रोविजनल सर्टिफिकेट बनवा सकते हैं। इसका लिंक भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। उन्हें दूर-दराज से विश्वविद्यालय में आकर परेशान होने की जरूरत नहीं है।

आशा कार्यकर्ता की मौत, जेवरात गायब होने पर हंगामा

बरेली, अमृत विचार: फतेहगंज पूर्वी में 17 अगस्त को सड़क हादसे में कुंवरपुर दानपुर की आशा कार्यकर्ता सुनीता गंभीर रूप से घायल हो गईं थी। एक निजी एंबुलेंस ने सुनीता को राजेंद्रनगर निजी अस्पताल में भर्ती कराया था।

मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने शव देखते हुए हंगामा करना शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप है कि जब उनकी मरीज अस्पताल में भर्ती हुई थी तब नाक, कान समेत शरीर पर कई जेवरात थे लेकिन जब शव दिया तो सभी गायब हैं। परिजन राजीव ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रबंधन ने जेवरात गायब किए गए हैं।

कई बार मांगने के बाद भी आईसीयू में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग नहीं दिखा रहे हैं। आईसीयू में जब मरीज भर्ती की गईं तो जेवर मौजूद होने संबंधी फोटो उनके पास हैं।

प्लॉट के विवाद में पड़ोसियों ने पीटा, बुजुर्ग की गई जान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ दर्ज की गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट

अमृत विचार : डोहरा गौंटिया में प्लॉट को लेकर हुए विवाद के दूसरे दिन बुजुर्ग की मौत हो गई। परिजनों ने पड़ोसियों पर दबाव बनाकर समझौता कराने का आरोप लगाया। आरोप है इसी कारण सदमे में आने से बुजुर्ग की मौत हुई है। थाना बारादरी पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि डोहरा गौंटिया में 17 अगस्त की रात 60 वर्षीय राजेश कुमार ने पड़ोसी श्याममूर्ति, महेश, शिवम और कमल बाबू पर प्लॉट के पीछे मारपीट करने का आरोप लगाया था। इसमें राजेश के 16 वर्षीय भतीजे मोहित को नाक पर चोट आई थी। परिजनों ने उस वक्त तहरीर नहीं दी। अगले दिन 18 अगस्त को दोपहर बाद राजेश की ओर से तहरीर दी गई, जिसमें घर में घुसकर मारपीट के आरोप दूसरे पक्ष पर लगाए गए। इस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। सोमवार देर रात सूचना मिली कि राजेश की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राजेश के बड़े भाई अश्वनी कुमार की तहरीर पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों ने नई तहरीर में बताया कि समझौते के बाद से राजेश मानसिक रूप से टूट गए थे। उन्हें यह बेइज्जती और तनाव बर्दाश्त नहीं हुआ, जिसके चलते उनकी मौत हो गई।

एमए राजनीति शास्त्र, एमएससी केमेस्ट्री की मेरिट जारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली कॉलेज ने एमए राजनीति शास्त्र और एमएससी रसायन विज्ञान की पहली ओपन मेरिट जारी कर दी है। इन दोनों पाठ्यक्रमों की भी मेरिट हाई गई है। जल्द ही एमए समाजशास्त्र समेत अन्य पाठ्यक्रमों की पहली और एलएलबी की दूसरी मेरिट जारी की जाएगी।

मुख्य प्रवेश नियंत्रक प्रो. वंदना शर्मा के मुताबिक एमए राजनीति शास्त्र का ओपन मेरिट इंडेक्स 153.77 से 135.08 रहा है। इसके अलावा एमएससी रसायन विज्ञान की ओपन मेरिट 186.7 से 140.8 रही है। मेरिट में शामिल विद्यार्थियों के मंगलवार से प्रवेश शुरू हो गए। विद्यार्थियों को 21 अगस्त तक प्रवेश लेने होंगे और कॉलेज के पोर्टल पर ऑनलाइन शुल्क जमा करना होगा।

जानकारी के मुताबिक एलएलबी की पहली ओपन मेरिट 105 विद्यार्थियों की जारी की गई थी, जिसके प्रवेश सोमवार और मंगलवार को हुए। दोनों दिन में 87 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिए। अब आरक्षित वर्ग के हिसाब से दूसरी मेरिट जारी की जाएगी। मुख्य प्रवेश नियंत्रक ने बताया कि एमए, एमएससी और एमकॉम के सभी विद्यार्थी प्रवेश के लिए विषय से संबंधित विभाग से संपर्क करें और आवश्यक सभी दस्तावेज वहीं जमा करें। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कॉलेज की वेबसाइट के माध्यम से शुल्क जमा करें। किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक सेमिनार कक्ष में संपर्क करें।

मेरिट में शामिल पर नहीं ले सकेंगे प्रवेश : बरेली कॉलेज में एमएससी वनस्पति विज्ञान में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले दो विद्यार्थी मेरिट में नाम आने के बावजूद प्रवेश नहीं ले सकेंगे, प्रो. आलोक खरे ने बताया कि एक साथ दो संस्थागत पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं हो सकता है।

अब 28 तक स्नातक की सीटें होंगी लॉक

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने कॉलेजों के अनुरोध पर सत्र 2025-26 में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेशित विद्यार्थियों की समर्थ पोर्टल पर सीट लॉक करने की तिथि बढ़ा दी है। अब कॉलेज प्रथम, द्वितीय व अंतिम चरण में प्रवेशित विद्यार्थियों की सीटें 28 अगस्त तक लॉक कर सकेंगे। कुलपति प्रो. केपी सिंह के आदेश पर कुलसचिव संजीव कुमार ने मंगलवार को आदेश जारी किया। इससे पहले विश्वविद्यालय ने प्रथम व द्वितीय चरण में प्रवेशित विद्यार्थियों की सीटें 20 अगस्त तक लॉक करने और अंतिम चरण में विद्यार्थियों के प्रवेश 22 से 25 अगस्त तक करने के निर्देश दिए थे। इस दौरान स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी और उर्स के अवकाश की वजह से बरेली कॉलेज समेत कई कॉलेजों में सीटें लॉक नहीं हो सकीं। इसकी वजह से अब 20 अगस्त तक पंजीकृत छात्रों का समर्थ पोर्टल पर डाटा अपलोड करने की अंतिम तिथि 28 अगस्त कर दी गई है।

छह छात्रों ने प्रवेश के लिए बनवाए फर्जी प्रमाणपत्र

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए छात्रों ने फर्जी ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र बनवाकर आवेदन कर दिया, जबकि इन छात्रों ने पहले एससी व ओबीसी वर्ग में आवेदन किया था लेकिन मेरिट में न आने से प्रवेश नहीं हो सका था। प्रवेश समिति की सतर्कता से छह प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए। इन सभी को प्रवेश नहीं दिए गए हैं। प्रवेश समिति इन छात्रों पर कार्रवाई के लिए प्राचार्य को पत्र लिखेगी।

मुख्य प्रवेश नियंत्रक प्रो. वंदना शर्मा ने बताया कि बीए, बीकॉम और बीएससी की ईडब्ल्यूएस की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन मांगे गए थे। इसमें 27 छात्रों ने आवेदन किया। जब आवेदन पत्रों को देखा तो कुछ नाम संदिग्ध लगे, क्योंकि इनमें से कुछ ने पहले भी प्रवेश के लिए सिफारिश कराई थी। ऐसे में सभी प्रवेश समिति ने सभी के आवेदनपत्रों की गहनता से जांच कराई तो छह ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए। इन छात्रों ने पहले एससी व ओबीसी वर्ग के लिए आवेदन किया था और प्रमाणपत्र भी लगाए थे लेकिन मेरिट में न आने से इनके प्रवेश नहीं हो सके थे। इसके बाद छात्रों ने फर्जी प्रमाणपत्र बनवाकर प्रवेश के लिए आवेदन किया। सभी छह विद्यार्थियों के प्रवेश निरस्त कर दिए गए हैं और कार्रवाई के लिए प्राचार्य को लिखा जाएगा।

एक छात्र ने मार्कशीट के अंकों में किया खेल : मुख्य प्रवेश नियंत्रक ने बताया कि बीए में प्रवेश के लिए एक छात्र ने मार्कशीट को एडिट किया। उसके 48 प्रतिशत अंक थे लेकिन उसने मार्कशीट में 84 प्रतिशत करके आवेदन किया लेकिन जांच में पकड़ा गया।

आला हजरत का परचम बुलंद, उर्स-ए-रजवी का आगाज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : इस्लामिया मैदान के मुख्य गेट पर सोमवार रात आला हजरत का परचम बुलंद होते ही तीन रोजा 107 वें उर्स-ए-रजवी का आगाज हो गया। उर्स की सभी रस्में दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खान (सुब्हानी मियां) की सरपरस्ती, सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी (अहसन मियां) की सदारत और सय्यद आसिफ मियां की देखरेख में दरगाह परिसर व इस्लामिया मैदान में अदा की जा रही हैं। उर्स में शामिल होने के लिए दुबई, साउथ अफ्रीका, मलावी, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल के अलावा देश के कोने-कोने से जायरीन आए हैं।

इस्लामिया मैदान से दरगाह आला हजरत तक जायरीन की आमद। ● अमृत विचार

इस्लामिया मैदान का मुख्य गेट आला हजरत के दीवानों से भरा नजर आया। आला हजरत जिंदाबाद के नारों के बीच दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खान (सुब्हानी मियां) ने सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां, सय्यद आसिफ मियां व देश-दुनिया से आए उलमा की मौजूदगी में रात 8:50 बजे परचम कुशाई की रस्म अदा की। दरगाह से जुड़े नासिर कुरैशी ने बताया कि परचम कुशाई की रस्म से पहले आजमनगर से परचम का जुलूस रवाना हुआ। जुलूस तय रास्तों से होता हुआ दरगाह आला हजरत पर पहुंचा। दरगाह पर सलामी देने के बाद जुलूस वापस इस्लामिया मैदान पर पहुंचा। सोमवार रात 10 बजकर 35 मिनट पर आला हजरत के बड़े बेटे हुज्जातुल इस्लाम मुफ्ती हामिद रजा खान (हामिद मियां) के कुल शरीफ की फातिहा मुफ्ती जईम रजा व मुफ्ती जमील ने पढ़ी। मुफ्ती सलीम नूरी बरेलवी ने अपने खिताब में कहा कि शिक्षा के लिए आज प्रचार प्रसार किया जा रहा है, लेकिन हुज्जातुल इस्लाम ने वर्ष 1938 में मुरादाबाद में हुई एक बड़ी कॉन्फ्रेंस में मुसलमानों से अपने बच्चों को तालीम दिलाने पर जोर देते हुए अपने आप को आर्थिक रूप से मजबूत करने का आह्वान किया था। हम लोग देश की हिफाजत, आपसी सौहार्द व हिंदू-मुसलमानों में बढ़ी दूरियों को खत्म करने के लिए प्रयास करें। इसके बाद नातिया मुशायरा अहसन मियां की सदारत में शुरू हुआ, जो देर रात तक जारी रहा।

आज यह होंगे कार्यक्रम : मंगलवार को उर्स के दूसरे दिन सबसे पहले कुरानख्वानी का आयोजन किया जाएगा। उसके बाद सुबह 9.58 मिनट पर रेहाने मिल्लत व 10.30 बजे मुफ़स्सिर-ए आजम के कुल शरीफ की रस्म अदा की जाएगी। इसके बाद आपसी सौहार्द कॉन्फ्रेंस होगी। उलमा नामूसे रिसालत, मिशन मसलक आला हजरत, समाज सुधार, आपसी सौहार्द, देश में बढ़ती हिंदू-मुस्लिम दूरी, सामाजिक बुराई के खात्मे पर चर्चा करेंगे। दिन में कार्यक्रम व चादरपोशी का सिलसिला जारी रहेगा। रात में दुनियाभर के मशहूर उलमा की तकरीर होगी। देर रात 1 बजकर 40 मिनट पर मुफ्ती आजम-ए-हिन्द के कुल शरीफ की रस्म अदा होगी। उर्स की व्यवस्था में मौलाना सय्यद शबाहत अली, मौलाना परवेज नूरी, अजमल नूरी, ताहिर अल्वी, शाहिद नूरी, औरंगजेब नूरी, हाजी जावेद खान, नासिर कुरैशी, मंजूर रजा, आसिफ रजा, शान रजा, सय्यद फैजान रजा, यूनुस गद्दी समेत अन्य लोग लगे हुए है।

त्योहारों से पहले ट्रेनें रिग्रेट, दो महीने पहले बुक हुईं सीटें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : त्योहारी सीजन में लंबी दूरी की ट्रेनें अभी से रिग्रेड होने लगी हैं। दीपावली और अन्य प्रमुख त्योहारों को देखते हुए दो महीने पहले ही सीटें आरक्षित करा ली हैं और प्रमुख ट्रेनों में रिग्रेट की स्थिति बन गई है। यानि, वेटिंग लिस्ट भी पूरी हो चुकी है और अब यात्रियों को टिकट मिलना मुश्किल हो गया है।

दरअसल, त्योहारों पर घर जाने की योजना बना रहे यात्रियों ने हार बार की तरह दो महीने पहले ही टिकट आरक्षित कर लिए हैं। दिल्ली, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, सूरत और हावड़ा जैसे बड़े शहरों से पूर्वी भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों में त्योहारों के आसपास की तारीखों की अधिकांश सीटें भर चुकी हैं। यात्रियों को राहत देने के लिए रेलवे प्रशासन ने विशेष फेस्टिवल ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव तैयार कर जोनल मुख्यालय को भेज दिया है। इन ट्रेनों का संचालन त्योहारों के दौरान विशेष रूटों पर किया जाएगा, जिससे भीड़ का दबाव कम हो सके और अधिक यात्रियों को सीट मिल सके। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि मांग के अनुसार अतिरिक्त कोच लगाने और विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है।

गढ़ में रुकेगी बरेली-दिल्ली और रोजा में बरेली-प्रयागराज पैसेंजर : रेल यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे ने कोरोना काल के दौरान बंद किए गए कुछ स्टेशनों पर पैसेंजर ट्रेनों के ठहराव को दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब बरेली-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन गढ़ मुक्तेश्वर स्टेशन पर रुकेगी।

बीएससी गणित की 100 सीटें लॉक होनी शेष

बरेली, अमृत विचार : बीएससी गणित में प्रवेश लेने वाले करीब 100 विद्यार्थियों की सीटें लॉक होना शेष रह गई हैं। इन विद्यार्थियों की सूची कॉलेज की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है और इन्हें 21 अगस्त को सीट लॉक करने के लिए बुलाया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र

संदर्भ : ई-खुली निविदा सूचना सं. सीपीएम-जीएस-आईजेडएन-2025-10

ई-खुली निविदा सूचना सं. सीपीएम-जीएस-आईजेडएन-2025-10 जो दिनांक 26.08.2025 को खोली जानी थी, **प्रशासनिक कारणों से निरस्त की जाती है।** इस निविदा सूचना का निरस्तीकरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य इंजीनियर/गतिशक्ति/इज्जतनगर

मुजाधि/डब्ल्यू-208

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

शुद्धि पत्र

सूचित हो कि दि. 19.08.2025 को छपे उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद 122, सिविल लाइन्स, बरेली के विज्ञापन में **भवन/भूखण्ड संख्या, सेक्टर/ खण्ड व योजना का नाम - भवन सं.7/ 123 पीलीभीत बाईपास रोड यो.सं-7 बरेली** छप गया है जिसे सही करके **भवन सं.7/ 125 पीलीभीत बाईपास रोड यो.सं-7 बरेली** पढ़ा व समझा जाये।

मॉब लिंचिंग पर बनाया जाए कानून

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मथुरापुर मदरसे में हुई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, देश-विदेश के उलमा हुए शामिल
- बेटियों को पढ़ाने समेत अन्य मामलों पर रखे विचार

अमृत विचार : इस्लामिया मैदान के अलावा मथुरापुर जामियातुर रजा मदरसे में भी काजी-ए-हिन्दुस्तान मुफ्ती मुहम्मद असजद रजा खां कादरी की सरपरस्ती में उर्स ए रजवी के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। जिसमें उर्स के दूसरे दिन मदरसे में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें उलमा ने बेटियों को पढ़ाने समेत अन्य मामलों पर अपने विचार रखे। उलमा ने मंच से मांग की कि मॉब लिंचिंग को लेकर सख्त कानून बनाया जाए, जिससे निर्दोषों की जान लेने वालों को कड़ी सजा मिल सके।

जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व उर्स प्रभारी सलमान मियां ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी उर्स-ए-रजवी का पैगाम न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया में फैले आला हजरत के चाहने वालों तक पहुंचेगा। जो अमन, मोहब्बत और इंसानियत का संदेश देगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार की देर रात तक दरगाह आला हजरत और दरगाह ताजुश्शरिया में गुलपोशी व चादरपोशी की और हजारों की तादाद में लोगों ने काजी ए हिन्दुस्तान से मुरीद हुए। जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान फरमान मियां ने बताया कि इस बार उर्स ए रजवी 15 देशों में धूमधाम से मनाया जाएगा। सऊदी अरब, यूके, कनाडा, साउथ अफ्रीका, मलेशिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका, मॉरीशस, फ्रांस और जर्मनी आदि शामिल हैं। दुनियाभर में आला हजरत के चाहने वाले उर्स ए रजवी के प्रोग्राम मुफ्ती मुहम्मद असजद रजा खां कादरी के ऐलान पर आफिशियल चैनल पर प्रसारित होंगे। मथुरापुर में होने वाले कार्यक्रम में डा. मेहंदी हसन, हाफिज इकराम, शमीम अहमद, मोईन खान, नदीम सुब्हानी, कारी वसीम, कौसर अली, समरान खान समेत अन्य लोग लगे हुए है।

बच्चों को मेडिकल और इंजीनियरिंग की कराएं तैयारी

जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान हसन ख़ान फरमान मियां ने बताया कि उर्स के दूसरे दिन मथुरापुर जामियातुर रजा मदरसे में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए देश विदेश के उलमा पहुंचे। इसमें उलमा ने मुसलमानों से अपील करते हुए कहा कि वह बच्चों को दीनी तालीम के साथ दुनियावी तालीम भी दिलाएं। इसके अलावा उर्स के मंच से कहा गया कि सरकार को मॉब लंचिंग पर कानून बनाना चाहिए। जिससे निर्दोष लोगों के साथ मारपीट करने वालों को सजा मिले। वहीं उलमा ने कहा कि अपने बच्चों को डॉक्टर और इंजीनियरिंग की तैयारी कराएं, जिससे वह लोगों की मदद कर सकें।

मंडल स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में 18 खिलाड़ी चयनित

बरेली, अमृत विचार : गुरुनानक खालसा इंटर कॉलेज में मंगलवार को जिला विद्यालय जूडो प्रतियोगिता में 10 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता की शुरुआत प्रधानाचार्य सरदार कवलजीत सिंह ने की। अंडर 14 वर्ग में दिनेश, निशान्त, बादल, अनिकेत, सोफियान, शिवम, राहुल चयनित हुए। अंडर 17 वर्ग में शानू आर्या, नारायण पंत, अमन, मोहित, अभय सिंह, शोभित शर्मा चयनित हुए। अंडर 19 वर्ग में शिवा प्रजापति, मक्खन, सोहेल, शनि सिंह, रामकरन, अनिकेत कुमार सिंह का चयन मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि मंडलीय क्रीड़ा सचिव नईम अहमद, कमल तिवारी, मुकुल मोहन त्रिपाठी, ज्ञानेश चंद्र, हरप्रीत सिंह, मोहम्मद आसिफ आदि उपस्थित रहे।

रैगिंग शरारत नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक बुराई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज में एंटी-रैगिंग सप्ताह का आयोजन 12 से 18 अगस्त तक किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में रैगिंग के प्रति जागरूकता फैलाना और विश्वविद्यालय परिसर को रैगिंग-मुक्त बनाना था।

सप्ताहभर चली गतिविधियों में छात्रों ने रैगिंग के विरुद्ध शपथ ली और नुक्कड़ नाटक का मंचन हुआ, जिसमें छात्रों ने रैगिंग के दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। पैरामेडिकल साइंसेज संकाय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने छात्रों को आपसी सम्मान, सहयोग और अनुशासन का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त छात्रों ने पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेकर हाथ से बने एवं डिजिटल पोस्टरों के माध्यम से रैगिंग विरोधी संदेश को और सशक्त किया। ये पोस्टर विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम के दौरान पैरामेडिकल साइंसेस संकाय के डीन डॉ. पुष्पेंद्र कन्नौजिया ने कहा कि रैगिंग केवल एक शरारत नहीं, बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक बुराई है। यह छात्रों के मानसिक, शैक्षणिक और भावनात्मक विकास में बाधा उत्पन्न करती है। हमारा कर्तव्य है कि हम सभी मिलकर रैगिंग-मुक्त माहौल बनाएं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने कहा कि एक रैगिंग-मुक्त विश्वविद्यालय ही स्वस्थ और प्रगतिशील शिक्षा का वातावरण प्रदान कर सकता है। पैरामेडिकल साइंसेस संकाय की ओर से आयोजित यह सप्ताह निश्चित रूप से छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

ट्रेनों में बिकेंगे भाप और इलेक्ट्रिक इंजनों के मॉडल

बरेली, अमृत विचार : रेलवे ने यात्रियों को रेलवे की विरासत और तकनीकी प्रगति से जोड़ने के लिए एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत ट्रेनों में यात्रा के दौरान भाप और इलेक्ट्रिक इंजनों के खूबसूरत मॉडल बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। दो प्रकार के मॉडल पेश किए गए हैं। पहले मॉडल का वजन लगभग 850 ग्राम है, जिसकी लंबाई 300 मिमी और चौड़ाई 100 मिमी है। इसकी कीमत 1900 रुपये निर्धारित की गई है।

व अदालत श्रीमान किरायाधिकारी/अपर जिलाधिकारी बरेली

मुकदमा नं./निष्पादन सं. 858/2025

देवशर्मा यजुर्वेदी पुत्र स्व. आर.सी. लाल निवासी देव हॉस्पिटल गोल्डन ग्रीनपार्क रोड, 5L/4क्रिस्टल कॉलोनी हरूनगला, बरेली। बनाम श्रीमती शामौली कौशिक निवासी 109ए, सिविल लाइन्स, बरेली बनाम 1. श्रीमती शामौली कौशिक निवासी 109ए, सिविल लाइन्स बरेली

चूंकि मुसम्मी देव शर्मा यजुर्वेदी ने आपके नाम एक नालिस वास्ते सुनवाई के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप बतारीख 29.08.2025 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा से बखूबी वाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैर हाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा। आज वतारीख 19.8.25 मेरे दस्तखत व मोहरे अदालत से जारी किया गया।

किरायाधिकारी/अपर जिलाधिकारी बरेली।

सूचना

श्री विजेन्द्र कुमार स्वीपर कम चौकीदार राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बीसलपुर, पीलीभीत को इस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 28.01.2025 को स्वयं को कोई कारावास न होने सम्बन्धी शपथ पत्र सहित दिनांक 08.10.2024 से पूर्व बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने के उपरान्त कार्यभार गृहण करने हेतु उपस्थित हुये किन्तु ऐसे कृत्य की पुनरावृत्ति न होने सम्बन्धी कोई शपथ पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया। इस हेतु महाविद्यालय से आपको कई पत्र प्रेषित किये गये किन्तु आप अद्यतन उपस्थित नहीं हुये। इस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि स्वयं को कोई कारावास न होने सम्बन्धी शपथ पत्र तथा अनुशासनहीनता के कृत्य की पुनरावृत्ति न होने सम्बन्धी शपथ-पत्र के साथ इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर कार्यभार ग्रहण करने हेतु महाविद्यालय कार्यालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करें अन्यथा संगत शासनादेशों के आलोक में आपके विरूद्ध सक्षम स्तर से नियमानुसार कार्यवाही जिसमें निलम्बन सम्मिलित है, की जायेगी।

अमृत विचार

बुधवार, 20 अगस्त 2025

चरित्र एक पेड़ की तरह है और प्रतिष्ठा एक परछाईं जैसी। परछाईं वह है, जिसके बारे में हम सिर्फ सोचते हैं। पेड़ असली चीज है।

–अब्राहम लिंकन, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति

स्वागत योग्य दूरदर्शी निर्णय

मुख्यमंत्री का यह फैसला बहुप्रतीक्षित था। उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के तीसरे स्थापना दिवस के अवसर पर इस घोषणा को महत्वपूर्ण मंच मिला। साइबर अपराध रोकने के लिए प्रदेश में केंद्रीय मुख्यालय बनाने की निर्णायक पहल निस्संदेह प्रशंसनीय है। स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश पुलिस और केंद्रीय गृह मंत्रालय मिलकर राज्य को साइबर सुरक्षा का एक राष्ट्रीय मॉडल बनाने के लिए कृतसंकल्प हैं। इस मुख्यालय की स्थापना के पश्चात साइबर अपराधों के विरुद्ध राज्य और केंद्र के बीच समन्वय अधिक सशक्त और प्रभावी होगा। इससे ठोस एवं कारगर रणनीति तैयार हो सकेगी। साइबर अपराध की सटीक पहचान, रोकथाम, पुलिस प्रशिक्षण और जन-जागरूकता- इन क्षेत्रों में प्रभावी कार्रवाई संभव होगी। यह कदम त्वरित शिकायत निस्तारण के लिए सरल एवं प्रभावी प्रक्रिया निर्माण में सहायक होगा। प्रशिक्षित पुलिस बल और उनका तकनीकी सशक्तिकरण साइबर ठगी के हॉटस्पॉट की पहचान कर अपराधियों तक सीधा पहुंचने में मदद करेगा। पिछले पांच वर्षों में साइबर अपराधों के मामलों में कुछ उतार-चढ़ाव के साथ उत्तर प्रदेश देश के राज्यों में शीर्ष तीन में बना हुआ है। कभी झारखंड का जामताड़ा कुख्यात था, अब यूपी का मथुरा साइबर क्राइम का नया हब है, जो देश के शीर्ष 10 साइबर अपराध जिलों में शामिल है, जहां से लगभग 12 प्रतिशत ऐसे अपराध अंजाम दिए जा रहे हैं। फर्जी वॉट्सऐप लिंक, फिशिंग, वित्तीय धोखाधड़ी, निवेश स्कैम, डिजिटल गिरफ्तारी, यूपीआई एवं बैंकिंग फ्रॉड- ऐसा कोई साइबर अपराध नहीं है, जो उत्तर प्रदेश से संचालित न हो रहा हो। मुख्यमंत्री द्वारा साइबर अपराधों से निबटने के लिए केंद्रीय मुख्यालय बनाने के एलान के अगले ही दिन राजधानी में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान, जहां साइबर युद्ध के आयाम, बहुपक्षीय कानूनी ढांचे, फॉरेंसिक और रणनीतिक प्रतिकार पर विचार-विमर्श चल रहा था, पुलिस कर्मियों के व्हाट्सऐप अकाउंट हैक होने की खबर सामने आई। जब जनता के साथ-साथ पुलिस तक साइबर अपराधियों का आसान शिकार बनने लगे, तो निस्संदेह यह कदम अत्यंत आवश्यक और दूरदर्शी प्रतीत होता है।

यूपी पुलिस ने ऑनलाइन अपराध से संबंधित कई बड़े और संगीन मामलों का खुलासा किया है तथा अनेक शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर सजा दिलवाई है। प्रदेश सरकार ने अब तक साइबर अपराध रोकने के जो प्रयास किए हैं, उनसे आंशिक सफलता तो मिली है, परंतु इस दिशा में ठोस उपलब्धि के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है। समूचे राज्य में साइबर क्राइम रिस्पॉन्स टीम का गठन, साइबर पुलिस को पर्याप्त उपकरण, प्रशिक्षण और त्वरित कार्रवाई की क्षमता प्रदान करना आवश्यक है। मोबाइल फोरेंसिक वैन की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि मोबाइल, सिम, ऐप डेटा आदि की घटनास्थल पर ही फोरेंसिक जांच संभव हो सके। इससे समय की बचत होगी, सबूत सुरक्षित रहेंगे और त्वरित न्याय की राह आसान होगी। इसके अलावा ऑनलाइन हेल्पलाइन में सुधार, फ्रॉड रिकवरी मैकेनिज्म, अंतरराज्यीय समन्वय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर विशेष ध्यान देना होगा।

प्रसंगवश

भारत में टेलिकॉम क्रांति के जनक- राजीव

20 अगस्त को 'सद्भावना दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जन्म हुआ था। राजीव गांधी (20 अगस्त 1944–21 मई 1991) को भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री और 'आधुनिक भारत' के शिल्पकार के रूप में याद किया जाता है। वे आधुनिक भारत के ऐसे नेता थे, जिन्होंने परंपरागत राजनीति में नवाचार, तकनीकी सोच और युवाओं की भागीदारी को प्राथमिकता दी, लेकिन उनके जीवन और कार्यों से जुड़ी कई खास बातें ऐसी हैं, जो आम तौर पर कम ही लोग जानते हैं। राजीव गांधी राजनीति में नहीं आना चाहते थे। दरअसल, वे पेशे से पायलट थे और इंडियन एयरलाइंस में काम करते थे। इंदिरा गांधी की असमय मृत्यु और संजय गांधी के निधन ने उन्हें राजनीति में आने पर मजबूर किया। महज 40 वर्ष की आयु में भारत के इतिहास के वे सबसे युवा प्रधानमंत्री थे। उन्होंने लंदन के इंपीरियल कॉलेज और ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज में पढ़ाई की। सोनिया गांधी से उनकी मुलाकात कैम्ब्रिज में एक इटैलियन रेस्टोरेंट में हुई थी और दोनों का विवाह 1968 में हुआ।

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

आज हम डिजिटल इंडिया की ओर अग्रसर हैं, लेकिन राजीव गांधी ही हमारे देश में कंप्यूटर क्रांति के असली जनक माने जाते हैं। दूसरे शब्दों में यह कहना गलत नहीं होगा कि देश में 'कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी' की नींव रखने का असली श्रेय उन्हें ही जाता है। उन्हें कंप्यूटर, संचार और सूचना तकनीक से खास लगाव था। उनके प्रयासों से भारत में कंप्यूटर और टेलीकॉम क्रांति की शुरुआत हुई। हालांकि, 1980 के दशक में कंप्यूटर लाने के कारण उनका खूब विरोध भी हुआ था। उनके कार्यकाल में भारत में मतदान की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई। यह उनका बहुत बड़ा कदम था। सच तो यह है कि उनका यह कदम युवाओं को राजनीति में सीधे तौर पर जोड़ने के लिए ऐतिहासिक माना जाता है।

उन्होंने पंचायती राज को मजबूत किया। 64वां संशोधन विधेयक (1989) राजीव गांधी सरकार द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से पेश किया गया था, लेकिन यह राज्यसभा में पारित नहीं हो सका था। 65वां संशोधन अधिनियम, 1990, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए राष्ट्रीय आयोग की स्थापना से संबंधित था और इसमें विशेष अधिकारी के पद को हटा दिया गया था। 64वें संविधान संशोधन विधेयक (1989) का उद्देश्य क्रमशः पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देना, उन्हें अधिक शक्तिशाली और व्यापक बनाना तथा राज्यों में पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करना था, वहीं दूसरी ओर 65वें संविधान संशोधन अधिनियम (1990) का उद्देश्य क्रमशः अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए एक बहु-सदस्यीय राष्ट्रीय आयोग की स्थापना करना, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए विशेष अधिकारी का पद हटाना तथा अनुसूचित जातियों और जनजातियों के कल्याण और विकास के लिए आयोग को अधिक प्रभावी बनाना था।

सत्ता का विकेंद्रीकरण करने के लिए राजीव गांधी ने 73वां और 74वां संवैधानिक संशोधन लाने की पहल की तथा पंचायतों और नगरपालिकाओं को संवैधानिक मान्यता दी। इससे आम जनता को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी का अधिकार मिला। उन्होंने देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी। इस क्रम में लाइसेंस-परमिट राज को कम करने और अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में पहल की तथा उद्योग और व्यापार को सरल बनाने के कदम उठाए। वे भारत को 21वीं सदी में आधुनिक और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में देखना चाहते थे।

करदाताओं के लिए आसान और पारदर्शी है नया आईटी बिल

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत का पुराना आयकर अधिनियम, 1961, छह दशकों से लागू था और इसमें समय-समय पर किए गए संशोधनों और जोड़ी गई नई धाराओं ने इसे बेहद जटिल और भारी बना दिया था। इसमें 819 से अधिक सेक्शन, 47 अध्याय और 5.12 लाख से ज्यादा शब्द थे, जिससे न केवल करदाताओं बल्कि कर सलाहकारों और अधिकारियों के लिए भी इसे समझना कठिन हो गया था। इसकी जटिल भाषा, अस्पष्ट नियम, अनुपालन का भारी बोझ और लंबी प्रक्रियाएं आम करदाताओं के लिए परेशानी का कारण बनती थीं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार ने 2025 में नया इनकम टैक्स बिल पेश किया, जो अब आयकर (संख्या 2) विधेयक, 2025 के रूप में संसद में पारित हो चुका है। इसका उद्देश्य है, कर व्यवस्था को सरल, स्पष्ट, डिजिटल और करदाता-हितैषी बनाना, ताकि कर भुगतान एक सहज अनुभव बने और अनुपालन का बोझ कम हो। नए बिल का सबसे बड़ा सुधार इसका सरलीकरण है। पुराने अधिनियम के 819 सेक्शन घटाकर 536 सेक्शन कर दिए गए हैं, जबकि अध्यायों की संख्या 47 से घटकर सिर्फ 23 रह गई है। शब्दों की संख्या 5.12 लाख से घटकर अब लगभग 2.6 लाख हो गई है। इससे न केवल कानून पढ़ने और समझने में आसानी होगी, बल्कि कानूनी विवादों की संभावना भी कम होगी। इसमें 'डिजिटल-फर्स्ट' और 'फेसलेस' प्रक्रिया को प्राथमिकता दी गई है, जिसके तहत कर निर्धारण और जांच ज्यादातर ऑनलाइन होगी, जिससे मानवीय हस्तक्षेप कम होगा और पारदर्शिता बढ़ेगी।

नया बिल एक अहम बदलाव 'एकल टैक्स ईयर' की अवधारणा लाता है। अब 'प्रीवियस ईयर' और 'असेसमेंट ईयर' जैसे पुराने शब्दों को हटाकर केवल एक वित्तीय वर्ष की अवधारणा लागू की गई है, जो पहली अप्रैल से शुरू होकर 31 मार्च को समाप्त होगा। इससे कर दाखिल करने और आकलन में भ्रम कम होगा। इसी तरह, रिफंड नीति में बड़ा सुधार करते हुए यह प्रावधान जोड़ा गया है कि अगर करदाता देर से रिटर्न भरता है तो भी उसे रिफंड मिलेगा, जबकि पहले यह सुविधा केवल समय पर रिटर्न भरने वालों को थी। टीडीएस से जुड़ी प्रक्रिया को भी आसान किया गया है। पहले टीडीएस सुधार के लिए छह साल की अवधि थी, अब दो साल कर दिया गया है। जिन करदाता पर कर कटौती लागू नहीं होती, उन्हें 'निल टीडीएस' प्रमाणपत्र की सुविधा दी जाएगी। हाउस प्रॉपर्टी से जुड़े प्रावधानों को भी स्पष्ट किया गया है- अब 30% स्टैंडर्ड डिडक्शन, नगर कर घटाने के बाद वार्षिक मूल्य पर लागू होगा और होम लोन का प्री-कंस्ट्रक्शन ब्याज अब किराए की संपत्ति पर भी मान्य होगा।

पेंशनधारकों के लिए भी राहत है। अब 'कमीटेड पेंशन' की कर छूट सिर्फ कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अन्य श्रेणियों के पेंशनधारकों को भी मिलेगी। साथ ही, धार्मिक ट्रस्ट और अनाम दान के मामलों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए यह प्रावधान जोड़ा गया है कि जिन ट्रस्टों का उपयोग सामाजिक कार्यों के लिए नहीं हो रहा, उन्हें कर राहत नहीं दी जाएगी। ईमानदार करदाताओं के लिए दंड प्रावधान में नरमी रखी गई है, ताकि अनजाने में हुई त्रुटियों पर कठोर कार्रवाई न हो। करदाताओं के लिए सबसे बड़ा लाभ है, मूल छूट सीमा का 12 लाख तक बने रहना, जिससे मध्यम वर्ग के लाखों लोगों को कर मुक्त आय का लाभ मिलेगा। सरकार ने मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) को 75,000 तक बनाए रखा है। इसके साथ कर संरचना को सरल बनाया गया है, ताकि स्लैब और दरें समझने में आसानी हो। इन बदलावों से गृहस्वामी, पेंशनधारी, छोटे व्यवसायी और वेतनभोगी सभी वर्ग लाभान्वित होंगे। वित्तीय दृष्टि से देखा जाए तो अप्रैल से अगस्त 2025 के बीच केंद्र सरकार के नेट डायरेक्ट टैक्स संग्रह में 4% की गिरावट आई है और यह 6.64 लाख करोड़ पर रहा। इसका कारण व्यक्तिगत कर छूट और रिफंड में लगभग 10% की वृद्धि माना जा रहा है। हालांकि, सरकार का अनुमान है कि पूरे वित्तीय वर्ष 2025-26 में डायरेक्ट टैक्स संग्रह में 13% की वृद्धि होगी, क्योंकि सरल और पारदर्शी कानून से अनुपालन बढ़ेगा और करदाताओं का आधार विस्तृत होगा।

यह नया बिल सिर्फ कर व्यवस्था में बदलाव नहीं है, बल्कि सरकार की उस सोच का हिस्सा है जिसमें करदाताओं को 'ग्राहक' के रूप में देखा जा रहा है, न कि 'आरोपी' के रूप में। आसान भाषा, स्पष्ट प्रावधान, डिजिटल प्रक्रिया और समयबद्ध समाधान के साथ यह बिल करदाताओं के विश्वास को मजबूत करेगा। अब समय आ गया है कि कर प्रणाली को केवल राजस्व संग्रह का साधन न मानकर, आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण का साधन बनाया जाए। नया इनकम टैक्स बिल 2025 भारत के कर इतिहास में एक महत्वपूर्ण सुधार है, जो पुरानी व्यवस्था की जटिलताओं को खत्म करके एक सरल, पारदर्शी और करदाता-केंद्रित व्यवस्था प्रस्तुत करता है। यह मध्यम वर्ग को कर राहत, छोटे व्यवसाय को प्रोत्साहन, पेंशनधारकों को लाभ और ईमानदार करदाताओं को सुरक्षा देता है। यदि इसके प्रावधान सही ढंग से लागू होते हैं और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत किया जाता है तो यह बिल न केवल करदाताओं के जीवन को आसान बनाएगा, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति में भी एक मजबूत आधारशिला साबित होगा।

नए बिल का सबसे बड़ा सुधार इसका सरलीकरण है। पुराने अधिनियम के 819 सेक्शन घटाकर 536 कर दिए गए हैं, जबकि अध्यायों की संख्या 47 से घटकर अब सिर्फ 23 रह गई है।

आमने

मुझे समझ नहीं आ रहा है कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव लोकतंत्र बचाने निकले हैं या फिर लोकतंत्र को तार-तार करने। मैं तेजस्वी को कहना चाहता हूं, आस-पास के जयचंदों से सावधान हो जाओ, नहीं तो चुनाव में बुरा परिणाम देखने को मिलेगा।

– तेज प्रताप यादव

लालू यादव के बड़े बेटे

सामने

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर तेज प्रताप यादव उंगली उठा रहे हैं, यह तो ऐसा ही हुआ जैसे कोई सूर्य को आईना दिखाए। उन्हें देश और बिहार की जनता से माफी मांगनी चाहिए। तेज प्रताप एनडीए की बोली बोल रहे हैं। जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। –अजीत शर्मा

विधायक, कांग्रेस

गृहमंत्री अमित शाह की उपलब्धियां और चुनौतियां

विवेक शुक्ला

लेखक

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जब राजधानी में अपने 6-ए कृष्ण मेनन मार्ग के सरकारी आवास से नॉर्थ एवेन्यू के अपने दफ्तर में जा रहे होते होंगे, तो उनके जेहन में जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में स्थायी शांति, नक्सली समस्या, साइबर अपराध, विदेशी नागरिकों की देश में घुसपैठ जैसे बहुत सारे गंभीर मसले चल रहे होते होंगे। संतोष भी होता होगा कि उनकी कोशिशों के चलते जम्मू-कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 को हटा दिया गया। संयोग देखिए कि अमित शाह उसी सरकारी आवास में रहते हैं, जहां एक दौर में महान आर्किटेक्ट हरबर्ट बेकर रहते थे, जिन्होंने नॉर्थ ब्लॉक का डिजाइन बनाया था।

अमित शाह ने बीती पांच अगस्त को भारत के सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री के रूप में सेवा देने का कीर्तिमान स्थापित किया, जब उन्होंने 2,258 दिनों के कार्यकाल के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के 2,256 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। 30 मई, 2019 को गृह मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद से, अमित शाह ने अपने दृढ़ नेतृत्व, रणनीतिक दृष्टिकोण और निर्णायक फैसलों के माध्यम से भारत की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव लाए हैं। उनका दफ्तर वहां पर ही है, जहां पर सरदार पटेल और लाल कृष्ण आडवाणी जैसे नेता गृह मंत्री के रूप में काम करते थे। बेशक, ये दोनों अमित शाह को प्रेरणा देते हैं।

धारा 370 और 35A का निरस्तीकरण: याद करें 5 अगस्त, 2019 को। अमित शाह के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35A को हटाना ही थी। यह फैसला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लंबे समय से चली आ रही विचारधारा को साकार करने वाला था। धारा 370 जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करती थी, जिसके तहत राज्य का अपना संविधान, झंडा और स्वायत्तता थी। यह प्रावधान जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से अलग करता था और राष्ट्रीय एकीकरण में बाधा उत्पन्न करता था। शाह ने राज्यसभा में 'जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019' पेश किया, जिसके तहत जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किया गया। बेशक, धारा 370 के निरस्त होने से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ। उनके कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में 70% से अधिक की कमी दर्ज की गई। 2024 में पत्थरबाजी की कोई घटना नहीं हुई और पिछले 33 वर्षों में सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया।

नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण: नक्सलवाद, जिसे वामपंथी उग्रवाद के रूप में भी जाना जाता है, दशकों से भारत के लिए एक गंभीर आंतरिक सुरक्षा चुनौती रहा है। अमित शाह ने नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए एक बहुआयामी रणनीति अपनाई, जिसके परिणामस्वरूप इस समस्या पर अभूतपूर्व नियंत्रण स्थापित हुआ। उन्होंने 31 मार्च, 2026 तक भारत को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त करने का लक्ष्य रखा है और इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अमित शाह की रणनीति चार स्तरों पर आधारित थी। पहला, नक्सलियों के खिलाफ सख्त और निर्मम कार्रवाई। इसके लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य पुलिस बलों का प्रशिक्षण और एकीकरण किया गया। आधुनिक हथियारों, जैसे लंबी दूरी की असॉल्ट राइफल्स का उपयोग करके सुरक्षा बलों की क्षमता को बढ़ाया गया। दूसरा, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की पहुंच बढ़ाने के लिए 302 नए फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए गए और 61 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन बनाए गए। तीसरा, आधुनिक तकनीक का उपयोग, जिसमें ड्रोन, सैटेलाइट इमेजिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता शामिल हैं, ने नक्सलियों की गतिविधियों पर नजर रखने और हमलों को रोकने में मदद की। चौथा, नक्सल मुक्त क्षेत्रों में विकास योजनाओं को लागू करना, ताकि लोग हिंसा की ओर न लौटें। परिणामस्वरूप, नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 2014 में 126 से घटकर 2025 तक केवल 12 रह गई।

पूर्वोत्तर भारत में शांति स्थापना और विकास अमित शाह के कार्यकाल की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने इस क्षेत्र में 12 शांति समझौतों पर हस्ताक्षर कराए, जिसके परिणामस्वरूप 10,000 से अधिक उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया। शाह ने पूर्वोत्तर में शांति स्थापना के लिए कई कदम उठाए। असम-त्रिपुरा जैसे राज्यों में भाजपा की जीत में उनकी रणनीति ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने उग्रवादी समूहों के साथ बातचीत को बढ़ावा दिया और शांति समझौतों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का विश्वास जीता। पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार किए। 2023 में उन्होंने औपनिवेशिक युग के कानूनों भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम को बदलकर तीन नए कानून पेश किए- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम। ये कानून पहली जुलाई, 2024 से लागू हुए।

अमित शाह की चाहत है कि देश में नशीले पदार्थों पर रोक लगे। उनकी सरपरस्ती में नारकोटिक्स के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया गया, जिसमें 10 लाख किलोग्राम से अधिक प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किए गए, जिनकी कीमत लगभग 12,000 करोड़ रुपये थी। यह अभियान न केवल ड्रग तस्करी को रोकने में प्रभावी रहा, बल्कि युवाओं को नशे की लत से बचाने में भी सहायक रहा।

अमित शाह ने बीते दिनों देश के सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री पद पर रहने का कीर्तिमान बनाया है। उनकी क्षमताएं निर्विवाद हैं, लेकिन उनके सामने चुनौतियां भी कई हैं।

सामयिकी

मच्छर से हर साल 70 करोड़ लोग होते हैं हलकान

वर्ल्ड मॉस्क्यूटो प्रोग्राम की रिपोर्ट कहती है कि हर साल 70 करोड़ लोग मच्छरों से फैलने वाली बीमारी से जूझते हैं। इनमें से 10 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। हर साल मच्छरों से डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और जीका जैसी बीमारियों से लाखों मौतें होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार मच्छरजनित बीमारियों से सात लाख से अधिक मौतें होती हैं। 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है। इस दिन यह दिवस मनाने का कारण यही है कि 1897 में लिवरपूल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन के ब्रिटिश डॉक्टर सर रोनाल्ड रॉस ने इसी दिन मादा एनाफिलीज मच्छर की खोज की थी, जिसके काटने से मलेरिया होता है।

यह पहली बार था जब किसी डॉक्टर ने मच्छर और मलेरिया के बीच संबंध स्थापित किया था और उनकी उस खोज ने मलेरिया की रोकथाम और उपचार खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। मच्छरों द्वारा फैलने वाली बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और मच्छरों के खिलाफ वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए 20 अगस्त 1897 से ही इस दिन की शुरुआत हुई। मलेरिया से जुड़ी इस महत्वपूर्ण खोज के कारण डॉ. रोनाल्ड रॉस को 1902 में चिकित्सा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

श्वेता गोयल

लेखिका

मच्छर पूरी दुनिया में बीमारियों के सबसे बड़े वाहक होते हैं, जिनके काटने से डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया, जीका वायरस इत्यादि जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। डेंगू और मलेरिया इन सभी में सबसे ज्यादा खतरनाक हैं, जो कई मामलों में जानलेवा साबित होते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2010 में मच्छरों के काटने के कारण अफ्रीका में सर्वाधिक मौतें हुई थीं। दुनिया के कई हिस्सों में मच्छरों के काटने से होने वाली मौतें आज भी गंभीर चिंता का कारण हैं।

इस वर्ष 'विश्व मच्छर दिवस' का विषय है- 'अधिक समतापूर्ण विश्व के लिए मलेरिया के विरुद्ध लड़ाई में तेजी लाना' जो विशेष रूप से कमजोर आबादी के लिए मलेरिया की रोकथाम, निदान और उपचार तक समान पहुंच सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देता है। मलेरिया सबसे आम, लेकिन जानलेवा वेक्टर जनित बीमारी है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से होती है। दुनिया भर में मच्छरों की करीब 3700 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से 393 प्रजातियां भारत में हैं।

ब्राजील, इंडोनेशिया, मलेशिया और थाईलैंड के बाद भारत पांचवां सर्वाधिक मच्छर विविधता वाला देश है। इनमें से मच्छरों की कुछ प्रजातियां ही रोगवाहक होती हैं। मच्छरों की ऐसी ही कुछ विशेष प्रजातियां विभिन्न बीमारियों के प्रसार का कारण बनती हैं, जिनमें मलेरिया के अलावा डेंगू, चिकनगुनिया, जीका, वेस्ट नाइल वायरस रोग, लिम्फैटिक फाइलेरिया इत्यादि प्रमुख हैं। दुनिया भर में चार अरब से भी ज्यादा लोग एडीज मच्छर द्वारा फैलने वाले डेंगू के जोखिम वाले क्षेत्रों में रहते हैं। डेंगू बुखार आमतौर पर उष्णकटिबंधीय और उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है।

चिकनगुनिया के मामले और प्रकोप अमेरिका, अफ्रीका, एशिया, यूरोप तथा हिंद और प्रशांत महासागरों में 100 से भी ज्यादा देशों में सामने आए हैं। चिकनगुनिया भी एडीज मच्छर द्वारा ही फैलता है। जीका वायरस भी संक्रमित एडीज प्रजाति के मच्छर के काटने से फैलता है। यह वायरस जीका वायरस से संक्रमित व्यक्ति से उसके यौन साथी में शारीरिक संबंधों के जरिए भी फैल सकता है।

गर्भवती महिला से उसके गर्भ में पल रहे बच्चे में भी यह वायरस फैल सकता है। मच्छरजनित बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि अपने घर के अंदर और आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। घर के बाहर कूड़ा-कचरा, गंदगी को जमा न होने दें। बारिश के दिनों में घर से बाहर निकलने से पहले पूरी बाजू वाले कपड़े पहनें। रात में मच्छर नहीं काटें, इसके लिए रिपेलेंट का इस्तेमाल करें।

सोशल फोरम

भुलक्कड़ आइंस्टीन

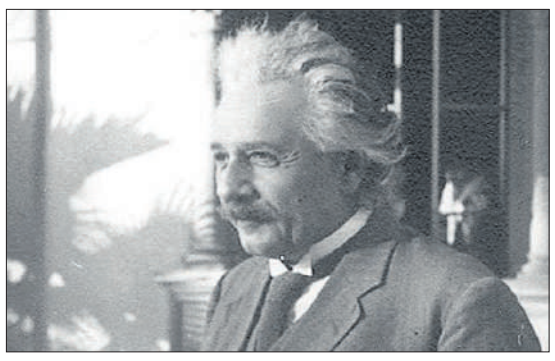

जब अल्बर्ट आइंस्टीन प्रिंसटन विश्वविद्यालय में काम कर रहे थे, तो एक दिन घर जाते समय उन्हें अपने घर का पता भूल गया। टैक्सी ड्राइवर ने उन्हें पहचाना नहीं। आइंस्टीन ने ड्राइवर से पूछा कि क्या वह आइंस्टीन का घर जानता है? ड्राइवर ने कहा, "आइंस्टीन का पता कौन नहीं जानता? प्रिंसटन में हर कोई जानता है। क्या आप उनसे मिलना चाहते हैं?" आइंस्टीन ने उत्तर दिया, "मैं ही आइंस्टीन हूं। मैं अपने घर का पता भूल गया हूं, क्या आप मुझे वहां पहुंचा सकते हैं?" ड्राइवर ने उन्हें उनके घर पहुंचा दिया और उनसे किराया भी नहीं लिया।

नॉलेज अड्डा

फेसबुक

इसी तरह एक बार आइंस्टीन प्रिंसटन से ट्रेन में यात्रा कर रहे थे। जब टिकट चेक करने वाला कंडक्टर उनके पास आया, तो आइंस्टीन ने अपनी जैकेट की जेब में हाथ डाला, लेकिन टिकट नहीं मिला। फिर उन्होंने अपनी पैंट की जेबें देखीं, लेकिन टिकट वहां भी नहीं था। इसके बाद उन्होंने अपने ब्रीफकेस में देखा, लेकिन टिकट नहीं मिला। फिर उन्होंने अपनी सीट के पास देखा, लेकिन फिर भी टिकट नहीं मिला।

कंडक्टर ने कहा, "डॉ. आइंस्टीन, हम जानते हैं कि आप कौन हैं! मुझे यकीन है कि आपने टिकट खरीदा है। चिंता मत कीजिए।" आइंस्टीन ने सिर हिला दिया। कंडक्टर आगे बढ़ गया। कुछ देर बाद उसने पाया कि महान वैज्ञानिक नीचे झुककर सीट के नीचे टिकट खोज रहे हैं।

कंडक्टर तुरंत लौट आया और कहा, "डॉ. आइंस्टीन, चिंता मत कीजिए। मैं जानता हूं कि आप कौन हैं। आपको टिकट की आवश्यकता नहीं है। मुझे यकीन है कि आपने टिकट खरीदा है।" आइंस्टीन ने जवाब दिया, "यंग मैन! मैं भी जानता हूं कि मैं कौन हूं, पर मैं ये नहीं जानता कि मैं कहां जा रहा हूं।"

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

मैं कालिंजर किला हूं...

बुंदेलखंड का इतिहास बुंदेली राजाओं की वीरगाथा से भरा हुआ है। यहां के बांदा जिले में स्थित कालिंजर का किला भी भारत के बदलते सांस्कृतिक और राजनीतिक परिदृश्य का गवाह रहा है। इसे भारत के सबसे विशाल और अपराजेय किलों में गिना जाता है। प्राचीन काल में यह किला जेजाकभुक्ति (जयशक्ति चन्देल) साम्राज्य के आधीन था।

मैं 10वीं शताब्दी तक चन्देल राजपूतों के आधीन रहा फिर रीवा के सोलंकी राजाओं के नियंत्रण में आया। सोलंकी राजाओं के शासनकाल में मुझ पर महमूद गजनवी, कुतुबुद्दीन ऐबक, शेरशाह सूरी और हुमांयू ने आक्रमण किए, लेकिन कभी विजय पताका नहीं फहरा सके। मुझे जीतने के चक्कर में ही तोप का गोला लगने से शेरशाह की मृत्यु हुई थी। हालांकि सम्राट अकबर ने मुझे जीत लिया, लेकिन बाद में बीरबल को तोहफे में दे दिया था। बाद में बुंदेल राजा छत्रसाल ने मेरे ऊपर विजय पताका फहराई। अंग्रेजों ने भी मुझ पर शासन किया। मेरे परिसर में कई प्राचीन मन्दिर हैं। इनमें कई मन्दिर तीसरी से पांचवीं सदी के हैं। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाला कार्तिक मेला मेरा प्रसिद्ध सांस्कृतिक उत्सव है। मुझे देखने आज भी देश-विदेश से पर्यटक आते हैं और प्राकृतिक सौंदर्य देखकर ठगे से रह जाते हैं।

शेरशाह ने 6 माह युद्ध किया और जान गंवाई

1544 में राजा कीरत सिंह यहां के महाराज थे। तब शेरशाह सूरी ने इस किले पर आक्रमण किया था। उसकी विशाल सेना ने किले को चारो तरफ से घेर लिया। छह माह तक घनघोर युद्ध चला लेकिन बुंदेली सैनिकों को वह परास्त नहीं कर सका। युद्ध में विजय न मिलती देख शेरशाह ने यहां किले के पास ही ऊंची मीनार बनाने का निर्णय लिया। इसका निर्माण भी उसने कराया और मीनार के ऊपर ही उसने गोला- बारूद चढ़ाने का आदेश सैनिकों को दिया। सैनिकों ने गोला-बारूद मीनार पर पहुंचाया, लेकिन एक गोले के फटने से शेरशाह गंभीर रूप से जख्मी हुआ और उसकी मृत्यु हुई।

नीलकंठ मंदिर आस्था का केंद्र

किले में नीलकंठ महादेव का मंदिर है। चंदेल शासक परमादित्य देव ने इस मंदिर की स्थापना की थी। यहां भगवान शिव तक पहुंचने के लिए दो द्वारों से होकर गुजरना पड़ता है। यहां स्थापित शिवलिंग स्वयंभू है और नीले पत्थर का है।

अलग- अलग नामों से रही पहचान

इतिहासकार बताते हैं कि कालिंजर को अलग- अलग युग में भिन्न- भिन्न नामों से जाना गया। सतयुग में इसे कीर्तिनगर, त्रेतायुग में मध्यगढ़, द्वापर में सिंहलगढ़ और कलियुग में कालिंजर नाम से जाना गया। इतिहासकार इसे मध्यकालीन भारत का सबसे अच्छा किला मानते हैं। किले में गुप्त काल, प्रतिहार काल और नागर जैसी स्थापत्य शैलियां दिखाई देती हैं। इस किले में राजा व रानी के दो भव्य महल हैं। यहां पाताल गंगा नामक जलाशय भी है। यहां के पांडु कुंड में चट्टानों से निरंतर पानी टपकता रहता है। मान्यता है कि पाताल गंगा इसके नीचे से होकर ही बहती हैं। इसी से यह कुंड भरता है।

किले में प्रवेश के लिए बने हैं 7 दरवाजे

किले के निर्माण को लेकर कुछ इतिहासकारों का मानना है कि इसे चंदेल वंश के संस्थापक चंद्र वर्मा ने बनवाया था तो कुछ इतिहासकारों का मानना है कि इस दुर्ग का निर्माण केदार वर्मन ने कराया था। कलिंजर का किला वैसे तो शांत दिखता है लेकिन बहुत खौफनाक है। यहां सूरज ढलने के साथ सन्नाटा छा जाता है। पर्यटकों को सुरक्षाकर्मी किले से बाहर भेज देते हैं। कहा जाता है कि रानी महल से रात में घुंघुरुओं की आवाज सुनाई देती है। जमीन से आठ सौ फीट की ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी पर बने इस किले में प्रवेश के लिए सात दरवाजे हैं। प्रथम द्वार को सिंह द्वार, तो अन्य गणेश द्वार, चंडी द्वार, स्वर्गारोहण द्वार, बुद्धगढ़ द्वार, हनुमान द्वार हैं। किले में सीता सेज नामकन छोटी से गुफा भी है। जिसमें एक पत्थर का पलंग और तकिया रखा हुआ है।

लेखक
पंडित आशु शर्मा
कानपुर

गणपति के डिजाइनर स्वरूप गढ़ रहे शिल्पकार

अब पत्थर नहीं प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाओं का चलन, उत्सव के बाद कर दी जाती हैं विसर्जित

कानपुर। गणेश उत्सव के मद्देनज़र गणपति की मूर्तियों को आकार देने का काम अंतिम चरण में है। कानपुर में सौ से अधिक स्थानों में प्रतिमाएं बनाई जा रही हैं। राजस्थान से भी मूर्तिकार आए हैं। पिछले 25 साल से महाराष्ट्र की तर्ज़ पर अब कानपुर में भी गणेश उत्सव बड़े पैमाने पर मनाया जाता है 1 तीन हज़ार से अधिक स्थानों पर उत्सव होता है और हर जगह प्रतिमा स्थापित की जाती है। इस बार 26 अगस्त को गणेश चतुर्थी उत्सव शुरू होगा। निराला नगर, बाबूपुरवा और जीटी रोड (गोल चौराहा) पर शिल्पकारों को मूर्तियां गढ़ते देखा जा सकता है। डेढ़ फुट से 12 फुट तक की पांच हजार से अधिक प्रतिमाएं उपलब्ध हैं। यहां से आसपास के जिलों के कारोबारी भी थोक में मूर्तियां ले जाते हैं।

- **तीन दिन में तैयार होती मूर्ति :** निरालानगर में कन्हैया कुमार गणेश प्रतिमा को आकार देने के बाद रंग भर रहे थे। कन्हैया ने बताया अब प्लास्टर ऑफ़ पेरिस की प्रतिमाओं की मांग ज्यादा है। सांचे में ढली एक प्रतिमा बनाने में तीन दिन लगते हैं। पत्थर की मूर्ति में 10-15 दिन लगते हैं। तीन फुट की प्रतिमा चार हज़ार और 11 फुट की 15 हजार में मिल जाती है।
- **तीन पीढ़ी से कर रहे यही काम :** मूर्तिकार मुकेश ने बताया कि उनकी तीन पीढ़ी से मूर्ति गढ़ने का काम हो रहा है, अब आधुनिक तकनीक आ गई है। स्वचालित मशीनों के जरिये कटिंग, आकार देने और रंगने का काम आसान हो गया है। लेकिन हांथो से गढ़ी मूर्ति की बात ही अलग है।
- **कला विलुप्त होने का डर :** निराला नगर के फुटपाथ पर मूर्ति को आकार दे रही पार्वती ने बताया कि अब इस पेशे में परिवार चलाना मुश्किल है। उधार रुपये लेकर कच्चा माल खरीदा है। फुटपाथ का किराया और कमीशन भी देना पड़ता है। प्रतिस्पर्धा बढ़ी तो मुनाफा कम हो गया। सरकार ने ध्यान नहीं दिया तो कुछ समय बाद यह कला ही विलुप्त हो जाएगी।
- **पत्थर की मूर्ति 10 हजार से एक लाख तक :** पत्थर की दो फुट की मूर्ति 10 से 20 हजार और पांच फुट की 50 से 60 हजार में उपलब्ध है। इससे ऊंची 80 हजार से एक लाख तक की है। शिल्पकार रामकेश सैनी ने बताया कि ऑर्डर देने पर एक हफ्ते के भीतर मूर्ति तैयार हो जाएगी। इन दिनों गणेश प्रतिमाओं की बहुत मांग है। वह देवी-देवताओं, महापुरुषों के अलावा किसी भी इंसान की प्रतिमा बना सकते हैं।

लेखक: शैलेश अवस्थी

दिल टूटने और रिश्तों में घुटने की पड़ताल करती हैं देवेंद्र की फिल्में

डॉक्टर देवेंद्र बना चुके समाज को सार्थक संदेश देने वाली 30 शार्ट मूवी

आंखों के जाने-माने डॉक्टर देवेंद्र को अभिनय और फिल्म निर्माण का ऐसा जूनून चढ़ा कि अब वह मूल पेशे को छोड़ पूरी तरह रुपहली दुनिया में रम ही गए हैं। सात साल के भीतर 30 लघु फिल्में बना चुके हैं। डॉ. देवेंद्र पिछले 40 दशक से कानपुर में आंखों का इलाज कर रहे हैं। इस दौरान हज़ारों आपरेशन किए, लेकिन फिल्मों का शौक उनके जहन में पलता रहा। सात साल पहले काकदेव में अपना बड़ा नर्सिंग होम बंद कर फ़िल्म निर्माण का शौक पूरा करने में जुट गए। अभिनय के शौकीन अपने साथियों और उनके संपर्क सूत्रों को एकजुट किया। फ़िल्म निर्माण, कैमरा, लाइट, निर्देशन, एडिटिंग की बारीकियां सीखीं। उपकरण इकठ्ठा किए और काम शुरू कर दिया। इन लघु फिल्मों की शूटिंग कानपुर के पार्कों, सड़कों, मंदिरों और दोस्तों के घर-फ्लैटों में ही की। इन्हें यू- ट्यूब के जरिये प्रदर्शित किया और फिर देखते ही देखते इन्हें पसंद करने वालों की संख्या बढ़ती गई और इसी के साथ प्रोडक्शन टीम का हौसला भी बढ़ता गया। इन लघु फिल्मों के कथानक डॉ. देवेंद्र ने ही लिखे हैं, जो उनके अपने, मरीजों और समाज के विभिन्न वर्गों के अनुभव पर आधारित हैं। बदलते दौर में समाज की विकृतियों, टूटन, घुटन, अवसाद और रिश्तों पर बनी उनकी फिल्में सामाजिक मुद्दों को प्रदर्शित करने के साथ बेहद संवेदनशील तरीके से परिस्थितियों की पड़ताल करती हैं। हर फिल्म अंत में एक सीख देकर बताती हैं कि छोटी -छोटी बातें, अहंकार, दिखावट और बनावट किस तरह जिंदगी को गर्त में ले जाती है। इनमें मेरा क्या, ताकत, बेड़ियां, नहले पे दहला, बदगुमानियां, आदत जैसी फिल्में ज्यादा हिट हैं। इनमें खुद देवेंद्र, उनके साथी कलाकार धूरिया, शालिनी, सिम्मी, अशोक बजाज, संजय खन्ना, सुनील वाजपेई ने काम किया है। अब इन फिल्मों को अन्य बड़े नेट प्लेटफार्म पर ले जाने की तैयारी है।

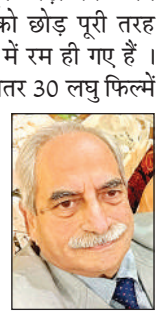

अभिनेता देवेंद्र।

अभी यू-ट्यूब पर प्रदर्शित हो रही हैं फिल्में, लगातार बढ़ते जा रहे हैं दर्शक

बिठूर के इतिहास की सैर कराती है टिकैत राय बारादरी

- 18 वीं सदी में पत्थर घाट के साथ निर्मित बारादरी और मंदिर है वास्तुकला का बेहतरीन नमूना
- प्रदेश की योगी सरकार इस ऐतिहासिक धरोहर को हेरिटेज टूरिज्म के रूप में करेगी विकसित

कानपुर से 18 किलोमीटर दूर गंगा के किनारे स्थित धार्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक नगरी बिठूर (ब्रह्मावर्त) में विभिन्न राजाओं ने अपनी जरूरत के हिसाब से गंगा स्नान के लिए 52 घाटों का निर्माण कराया था। इनमें पत्थर घाट भी एक है। इस घाट का निर्माण राजा टिकैत राय बहादुर ने कराया था। घाट पर ही बारादरी बनी है, जिसे टिकैत राय बारादरी कहा जाता है। 18 वीं सदी में निर्मित पत्थर घाट, बारादरी और यहां बना मंदिर वास्तुकला का बेहतरीन नमूना और ऐतिहासिक धरोहर है।

प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य के जिन 11 विरासत भवनों औप किलों को पर्यटन स्थल में बदलने का फैसला लिया है, उनमें टिकैत राय बारादरी भी शामिल है।बिठूर के पत्थर घाट पर बनी टिकैत राय बारादरी एक ऐतिहासिक इमारत है। करीब 0.217 एकड़ में निर्मित इस बारादरी में श्रद्धालु व दर्शनार्थी गंगा स्नान के दौरान रुकते थे। पत्थर घाट को लाल रंग के पत्थरों से निर्मित गया था। यहां बना शिव मंदिर बिठूर के मंदिरों में अलग स्थान रखता है। राजा टिकैत राय द्वारा पत्थर घाट को बनवाने की कहानी काफी रोचक और दिलचस्प है। जानकारी के मुताबिक वर्ष 1814 में लखनऊ के नवाब ने अवध क्षेत्र के दीवान राजा टिकैत राय को हाथी खरीदने की सलाह दी। नवाब ने टिकैत राय को इसके लिए खजाने से स्वर्ण मुद्राएं दिलाईं। इन मुद्राओं से राजा टिकैत राय ने बिठूर में घाट बनवा दिया। घाट बन जाने पर लखनऊ जाकर नवाब से कहा कि हुजूर हाथी तो खरीद लिया है, लेकिन गंगा नदी के उस पार है। टिकैत राय ने इस बहाने से नवाब को हाथी पर बिठाकर गंगा के उस पार से पत्थर घाट दिखाते हुए कहा कि हुजूर, वह देखिए हाथी वहां खड़ा है। दरअसल, पत्थर घाट पर बने शिव मंदिर का निर्माण कुछ इस तरह से किया गया था कि इसे किसी भी ओर से देखने पर हाथी का मस्तक नजर आता है। टिकैत राय की इस चतुराई और घाट का सौंदर्य देखकर नवाब बहुत खुश हुए।

बिठूर के धार्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व की दिखेगी झांकी

- प्रदेश की योगी सरकार ने इस ऐतिहासिक धरोहर को पीपीपी मॉडल पर विरासत पर्यटन (हेरिटेज टूरिज्म) इकाई के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत टिकैत राय बारादरी को हेरिटेज होटल या होम स्टे में बदला जा सकता है, जिसमें राजा-महाराजाओं के समय की शिल्पकला और संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। बिठूर के धार्मिक और पौराणिक महत्व के साथ स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को सेहजने वाला म्यूजियम और आर्ट गैलरी बनाने की भी योजना है। इसमें पेंटिंग के जरिये, वाल्मिकी आश्रम, सीता रसोई, नाना साहब, रानी लक्ष्मीबाई, ब्रह्मा की खूंटी, ध्रुव टीला जैसे स्थानों का इतिहास दर्शाया जाएगा। इसके साथ ही थीम पार्क बनाया जाना भी प्रस्तावित है।

कसौटी पत्थर का शिवलिंग

बिठूर के पत्थर घाट घाट के ऊपर एक शिव मंदिर है। इस मंदिर को महाकालेश्वर के नाम से भी जाना जाता है। सावन में यहां पूजा-अर्चना के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। मंदिर में 'कसौटी' के पत्थर का शिवलिंग स्थापित है। बलुआ मिट्टी के पत्थरों से निर्मित मंदिर को चारों कोनों से देखने पर हाथी के मस्तक दिखाई पड़ते हैं। सूर्य की किरणें शिवलिंग पर पड़ते ही अलौकिक छटा बिखेरती हैं। मंदिर की उत्तर दिशा में 10 फीट ऊंचा पत्थर का त्रिशूल स्थापित है।

राजा टिकैत राय के मुकुट में बना रहता था दो मछलियों वाला चिह्न

राजा टिकैत राय बहादुर आसिफउदौला के शासनकाल में अवध के दीवान थे। वह कायस्थ समाज से थे। आसिफउदौला के दरबार में उनका स्थान काफी ऊंचा था। राजा टिकैत राय ने अपने समय में कई मंदिर, मस्जिद, तालाब, बारादरी और पुलों का निर्माण कराया। लखनऊ को संवारने और सुविधा संपन्न बनाने में उन्होंने बड़ा योगदान दिया। कहा जाता है कि राजा टिकैत राय के मुकुट में दो मछलियों वाला चिह्न अंकित रहता था, प्रदेश शासन के राजकीय चिह्न में इसका इस्तेमाल देखा जा सकता है।

लेखक-दीपक कुमार, कानपुर

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,644.39	24,980.65
बढ़त	+370.64	+103.70
प्रतिशत में	0.46	0.42

सोना 1,00,420 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,14,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार ,20 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2705, राज श्री 1850, फ़ॉर्चून कि. 2200, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन 13kg 1930, जय जवान 1960, सचिन 2010, सूरज 1960, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 kg 1850, क्लासिक (kg) 2080, मोर 2150, चक्र टिन 2450, ब्लू 2080, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2645

किराना (प्रतिकु.): हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु0): डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10300, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4350

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7700 मलका दाल 7600-7900, मलका छाँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4360, पीलीभीत 4300, सितारगंज 4280, धामपुर 4360

हल्द्वानी मंडी

चावल: शरबती- 5510, मसूरी- 4710 बासमती- 9305, परमल- 3800

दाल दलहन : काला चना- 7910, साबुत चना दाल- 7315, मूंग साबुत- 9510 राजमा- 12000-14100, दाल उड़द-9000, साबुत मसूर दाल- 7330, मसूर दाल- 7400, उड़द साबुत- 8200, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 11300, लोबिया/करमानी- 9100

अमेरिकी शुल्क का दीर्घकालिक प्रभाव नहीं

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की साख को स्थिर परिदृश्य के साथ बढ़ाया

- बेहतर मौद्रिक नीतिगत उपायों का हवाला देते हुए 19 साल बाद भारत की रेटिंग में किया सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के उच्च शुल्क से भारत की दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं पर प्रभाव पड़ने के आसार नहीं है, क्योंकि सरकार आर्थिक सुधारों पर ध्यान दे रही है और जीवनस्तर में सुधार लाने का प्रयास कर रही है। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की साख को स्थिर परिदृश्य के साथ बढ़ाकर पिछले सप्ताह बीबीबी कर दिया।

रेटिंग एजेंसी ने मजबूत आर्थिक वृद्धि, राजकोषीय मजबूती के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धता और महंगाई को काबू में लाने के लिए बेहतर मौद्रिक नीतिगत उपायों का हवाला देते हुए 19 साल बाद भारत की रेटिंग में सुधार किया है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के निदेशक यीफार्न फुआ ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि वृद्धि की यह गतिशीलता अगले तीन वर्ष तक जारी रहेगी और औसत वृद्धि दर करीब 6.8 प्रतिशत रहेगी। अगर भारत में बुनियादी ढांचे और संपर्क में सुधार होता है, तो इससे दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि में बाधा डालने वाली अड़चनें दूर होंगी। साथ ही भारत की संभावित वृद्धि यात्रा और आगे बढ़ेगी। फुआ ने भारत की रेटिंग बढ़ाने पर आयोजित 'वेबिनार' में कहा कि भारत दुनिया की सबसे मजबूत और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत पिछले तीन से चार वर्ष में अपने क्षेत्रीय समकक्षों की तुलना में वृद्धि के मामले में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उच्च अमेरिकी शुल्क के प्रभाव पर एसएंडपी एशिया प्रशांत के अर्थशास्त्री विश्रुत राणा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत कम व्यापार-उन्मुख है, जिसमें बाह्य मांग का योगदान समग्र अर्थव्यवस्था में केवल 15 प्रतिशत है और 85 प्रतिशत घरेलू कारकों द्वारा संचालित है।

राणा ने कहा, यह एक बहुत ही घरेलू अर्थव्यवस्था है। यह सुरक्षा का एक कारक है। उन्होंने कहा कि एक अन्य कारक यह है कि भारत से निर्यात किए जाने वाले सभी उत्पादों पर 50 प्रतिशत का उच्च शुल्क लागू नहीं होता है। राणा ने कहा, यह एक जटिल माहौल है।

प्रस्तावित दो स्लैब की जीएसटी व्यवस्था दीर्घावधि में राजस्व बढ़ाने में होगी मददगार

नई दिल्ली। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के निदेशक यीफार्न फुआ ने कहा कि प्रस्तावित दो स्लैब की जीएसटी व्यवस्था प्रभावी कराधान दर को कम कर सकती है और लंबी अवधि में यह सरकार के राजस्व को बढ़ा सकती है। फुआ की यह टिप्पणी केंद्र और राज्यों की बुधवार व बृहस्पतिवार को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक से पहले आई है। इसमें केंद्र द्वारा जीएसटी सुधार प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। इसके तहत कर 'स्लैब' को घटाकर केवल दो कर 'स्लैब' पांच और 18 प्रतिशत कर दिया जाएगा। कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष कर दर लागू की जाएगी। जीएसटी के तहत वर्तमान में चार स्लैब 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत हैं। जीएसटी दरों में बदलाव से राजस्व पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर फुआ ने कहा कि मौजूदा जीएसटी व्यवस्था जटिल है। इसमें चार अलग-अलग दरें हैं, जिससे लेखा-जोखा एवं क्रियान्वयन कभी-कभी काफी कठिन हो जाता है।

भारतीय कंपनियों पर शुल्क का असर सीमित: फिच

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि भारतीय कंपनियों पर अमेरिकी उच्च शुल्क का सीधा असर सीमित है लेकिन अभी प्रभावित नहीं हुए दवा जैसे क्षेत्र भी भविष्य में होने वाली घोषणाओं की चपेट में आ सकते हैं। अमेरिका ने भारतीय उत्पादों के आयात पर सात अगस्त से 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगा दिया है। इसके अलावा रूसी तेल का आयात जारी रखने के दंडात्मक जुर्माने के तौर पर 27 अगस्त से अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी लगेगा। इस तरह भारत, अमेरिका में 50 प्रतिशत सीमा शुल्क के साथ एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक शुल्क का बोझ उठा रहा है। फिच रेटिंग्स ने इस शुल्क के प्रभावों पर जारी एक बयान में कहा कि मौजूदा शुल्क से भारतीय कंपनियों पर परोक्ष असर बढ़ने का भी जोखिम दिख रहा है। हालांकि, अमेरिका-भारत व्यापार समझौता हो जाने पर यह जोखिम कम हो जाएगा।

कपास के शुल्क मुक्त आयात पर 30 सितंबर तक अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

- सरकार ने कपड़ा क्षेत्र के लिए प्रमुख कच्चे माल की उपलब्धता में सुधार के लिए उठाया कदम

सरकार ने कपड़ा क्षेत्र के लिए प्रमुख कच्चे माल की उपलब्धता सुधारने के मकसद से 30 सितंबर तक कच्चे कपास के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इस कदम से अमेरिका को फायदा मिलने की उम्मीद है। कपास पर अब तक कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) के साथ 11 प्रतिशत का आयात शुल्क भी लगता रहा है। वित्त मंत्रालय की 18 अगस्त की अधिसूचना के अनुसार, शुल्क छूट 19 अगस्त से प्रभावी होगी और 30 सितंबर तक लागू रहेगी।

आयात शुल्क समाप्त करने से कपड़ा क्षेत्र के लिए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी दरों पर कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित होने की उम्मीद है। भारत द्वारा आयात शुल्क में राहत ऐसे समय में दी गई है जब कपड़ा क्षेत्र सहित भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में 50 प्रतिशत के भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। अभी अमेरिकी शुल्क 25 प्रतिशत है। 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क (जुर्माना) 27 अगस्त से प्रभावी होगा। यह शुल्क भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद पर दंड के रूप में लगाया गया है। इस निर्णय पर टिप्पणी करते हुए, शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि भारत ने कम आपूर्ति से निपटने और फसल आने के मौसम से पहले कीमतों को स्थिर करने के लिए कच्चे कपास पर आयात शुल्क 40 दिन के लिए निलंबित कर दिया है।

कपास का आयात 107.4 प्रतिशत बढ़ा है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 57.92 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 1.20 अरब डॉलर हो गया है। पिछले वर्ष प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में ऑस्ट्रेलिया (25.82 करोड़ डॉलर), अमेरिका (23.41 करोड़ डॉलर), ब्राज़ील (18.08 करोड़ डॉलर) और मिस्र (11.63 करोड़ डॉलर) शामिल थे।

जीडीपी की वृद्धि दर 6.7% रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- इक्रा की रिपोर्ट में एमपीसी के अप्रैल-जून तिमाही में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से भी अधिक

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सरकारी पूंजीगत व्यय और निर्यात में बढ़ोतरी के दम पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर के 6.7 प्रतिशत रहने का मंगलवार को अनुमान लगाया है। यह एक साल पहले की समान तिमाही की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर से अधिक है।

यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के अप्रैल-जून तिमाही में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से भी अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) तिमाही के जीडीपी का आधिकारिक आंकड़ा 29 अगस्त को जारी किया जाएगा। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में निवेश गतिविधि को सरकारी पूंजीगत व्यय के अग्रिम भुगतान से बल मिला।

हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव और शुल्क संबंधी घटनाक्रमों के कारण बढ़ी अनिश्चितता के बीच यह स्वीकार्य रूप से निम्न आधार पर रही। नायर ने कहा, मजबूत सरकारी पूंजी के साथ-साथ राजस्व व्यय, कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में अग्रिम निर्यात एवं और बेहतर उपभोग के शुरुआती संकेतों से लाभान्वित होकर वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में आर्थिक गतिविधि में विस्तार की गति 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी, सेंसेक्स 371 अंक चढ़ा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा टाटा मोटर्स में बढ़त के साथ बीएसई सेंसेक्स 371 अंक लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 25,000 अंक के करीब पहुंच गया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 370.64 अंक यानी 0.46 प्रतिशत बढ़कर 81,644.39 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 482.13 अंक तक चढ़ गया था। 50 शेयरों वाला निफ्टी 103.70 अंक या 0.42 प्रतिशत चढ़कर 24,980.65 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों

आईओसी का पर्यावरण अनुकूल ईंधन की आपूर्ति के लिए एयर इंडिया से समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी

- पानीपत रिफाइनरी में कुकिंग ऑयल से पर्यावरण अनुकूल विमानन ईंधन का उत्पादन शुरू करने की योजना

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरशन (आईओसी) ने एयर इंडिया को पर्यावरण अनुकूल विमान ईंधन की आपूर्ति के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह भारत में हरित और स्वच्छ विमानन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आईओसी के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी के अनुसार, कंपनी इस साल दिसंबर से अपनी पानीपत रिफाइनरी में इस्तेमाल किए गए खाना पकाने के तेल से पर्यावरण अनुकूल विमानन ईंधन (एसएएफ) का उत्पादन शुरू करने की योजना बना रही है। इस संयंत्र से आईटीसी और हल्दीराम जैसी होटल और रेस्तरां से इस्तेमाल के बाद बचे अपशिष्ट खाना पकाने के तेल का उपयोग करके सालाना 35,000 टन हरित ईंधन का उत्पादन होने की उम्मीद है। एसएएफ गैर-पेट्रोलियम कच्चे माल से बना एक वैकल्पिक ईंधन है जो हवाई परिवहन से होने वाले उत्सर्जन को कम करता है। उपलब्धता के आधार पर इसे पारंपरिक विमान ईंधन (एटीएफ) में 50 प्रतिशत तक मिलाया जा सकता है। भारत ने 2027 से अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों को बेचे जाने वाले जेट ईंधन में एक प्रतिशत एसएएफ मिश्रण अनिवार्य कर दिया है। आईओसी ने बयान में कहा, कंपनी ने मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

राष्ट्रीय

आगामी मिशनों के लिए अंतरिक्ष यात्री करने होंगे तैयार

पीएम ने 40-50 यात्रियों का दल तैयार करने को कहा, शुभांशु बोले-भारत के गगनयान मिशन की दुनिया में चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने अंतरिक्ष मिशन, इसरो और वैज्ञानिकों को नुकसान पहुंचाया: निशिकांत

नई दिल्ली। भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को कांग्रेस पर देश में अंतरिक्ष मिशन, इसरो और वैज्ञानिकों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। सदन में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री-2047 तक विकसित भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका विषय पर सोमवार को शुरू हुई चर्चा को आगे बढ़ाते हुए दुबे ने यह बात कही। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के बीच चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा सांसद दुबे ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का उल्लेख किया और विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, शुभांशु शुक्ला भाजपा के सदस्य नहीं हैं, वह देश के नागरिक हैं, 140 करोड़ लोगों के प्रतिनिधि हैं। विपक्ष को इस चर्चा में भाग लेकर अंतरिक्ष संबंधी प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री की सराहना करनी चाहिए थी और अंतरिक्ष तथा सुरक्षा पर एकजुटता का संदेश देना चाहिए था। दुबे ने कहा, लेकिन इन्होंने (विपक्ष ने) पूरी संसद को बंधक बना लिया है। कांग्रेस अंतरिक्ष पर भी चर्चा नहीं होने दे रही। उन्होंने आरोप लगाया, 1994 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने केरल के रहने वाले प्रसिद्ध वैज्ञानिक नांबी नारायण को सीबीआई और राज्य पुलिस से गिरफ्तार कराया था। कांग्रेस ने पाकिस्तान और चीन के कहने पर एक वैज्ञानिक को गिरफ्तार कराया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत को भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों का नेतृत्व करने के लिए 40-50 अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल तैयार करना होगा। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष में 20 दिन बिता कर लौटे शुभांशु शुक्ला से बातचीत के दौरान यह बात कही। शुक्ला एक्सिओम-4 वाणिज्यिक मिशन के जरिये अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने।

उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि भारत के गगनयान मिशन को लेकर दुनिया भर में जबरदस्त रुचि है। प्रधानमंत्री के साथ सोमवार शाम को बातचीत में शुक्ला ने एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक की अपनी अंतरिक्ष यात्रा, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण स्थितियों के साथ तालमेल और कक्षीय प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों के बारे में अपने अनुभव भी साझा किए। इस बातचीत का वीडियो सोमावार को जारी किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत के भविष्य के मिशनों के लिए 40-50 अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा भविष्य के अंतरिक्ष मिशन की दिशा में पहला कदम है। मोदी ने कहा कि अब तक बहुत कम बच्चों ने अंतरिक्ष यात्री बनने के बारे में सोचा होगा, लेकिन शुक्ला की यात्रा से इस क्षेत्र में अधिक विश्वास पैदा होगा और रुचि पैदा होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के सामने अब दो बड़े मिशन हैं - भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और गगनयान, और इन प्रयासों में शुक्ला का अनुभव बहुत मूल्यवान होगा। शुक्ला ने कहा कि दोनों मिशन ने देश के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत किया है और चंद्रयान-2 मिशन जैसी असफलताओं के बावजूद अंतरिक्ष क्षेत्र के प्रति सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अंतरिक्ष कार्यक्रम को लगातार बजट उपलब्ध कराने के कारण चंद्रयान-3 को सफलता मिली। शुक्ला ने कहा कि असफलताओं के बाद भी इस तरह के समर्थन को विश्व स्तर पर अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की क्षमता और स्थिति के प्रतिबिंब के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा, भारत नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है और भारत के नेतृत्व में अन्य देशों की भागीदारी से अंतरिक्ष केंद्र एक शक्तिशाली साधन होगा। शुक्ला ने प्रधानमंत्री को बताया कि भारत की गगनयान परियोजना दुनिया भर में बहुत रुचि पैदा कर रही है। उन्होंने कहा, मेरे साथियों ने हस्ताक्षरित नोट भी मांगे, जिनमें उन्होंने प्रक्षेपण में आमंत्रित किए जाने तथा भारत के अंतरिक्ष यान में यात्रा करने की इच्छा व्यक्त की।

चुनाव प्रणाली को मजबूत करने के लिए 28 पहल कीं: ईसी

नई दिल्ली। विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष की आलोचना का सामना कर रहे निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा कि उसने चुनाव प्रणाली को मजबूत करने के लिए पिछले छह महीनों में 28 पहल की हैं। आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने सभी हितधारकों के साथ मिलकर चुनाव प्रणाली को मजबूत और स्वच्छ बनाया है, प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाया है, मतदाता सूची को शुद्ध किया है तथा मतदाताओं के लिए मतदान के अनुभव को आसान बनाया है। इसने बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर को एक महत्वपूर्ण सुधार बताया।

आयोग ने कहा, मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए और कोई भी अपात्र नाम मतदाता सूची में न रहे। बिहार चुनाव से पहले एसआईआर प्रक्रिया को विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है जिनका कहना है कि इस कदम से करोड़ों पात्र नागरिक दस्तावेजों के अभाव में मतदान के अपने अधिकार से वंचित हो जाएंगे।

संसद में खान और खनिज संशोधन विधेयक मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

मानसून सत्र

लोकसभा में विपक्ष के हंगामे से कार्यवाही बार-बार हुई स्थगित

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सांसदों की नारेबाजी के कारण मंगलवार को भी लोकसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी और तीन बार के स्थगन के बाद बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। एसआईआर के मुद्दे को लेकर मानसून सत्र की शुरूआत से ही सदन में गतिरोध की स्थिति बनी हुई है।

संसद ने देश के खनन क्षेत्र के विनियमन और खनिजों के उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रावधानों वाले खान और खनिज संशोधन विधेयक, 2025 को मंगलवार को पारित कर दिया। राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा तथा कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है।

उच्च सदन में इस विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्षी दलों के सदस्य मौजूद नहीं थे। विपक्षी सदस्यों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर सदन से बहिर्गमन किया था। रेड्डी ने विधेयक पर हुई चर्चा के जवाब में कहा कि इस विधेयक के माध्यम से खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में छह संशोधन संसद के समक्ष लाए गए हैं जो खान क्षेत्र के हित में हैं। कहा कि आज दुनिया में अति महत्वपूर्ण (क्रिटिकल) खनिजों की बेहद मांग है और सोलर पैनल से लेकर विंड टर्मिनल तक, बिजली से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक, मोबाइल फोन से लेकर विमानों तक, खेती से लेकर रक्षा और अंतरिक्ष तक, हर क्षेत्र में इनकी जरूरत है।

पूर्व न्यायमूर्ति खन्ना ने समिति के समक्ष ईसी की अनियंत्रित शक्तियों की ओर इशारा किया

नई दिल्ली, एजेंसी

- देश में एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव वाले विधेयक पर रखी राय

पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मंगलवार को देश में एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव वाले विधेयक में निर्वाचन आयोग को दिए गए अनियंत्रित विवेकाधिकार पर सवाल उठाया और कहा कि चुनावों की आवृत्ति कम करने के प्रस्तावित कानून का उद्देश्य व्यावहारिक रूप से हमेशा पूरा नहीं हो सकता। सूत्रों ने यह बात कही।

भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संसद की संयुक्त समिति के समक्ष पेश हुए न्यायमूर्ति खन्ना ने सुझाव दिया कि विधेयक में धारा 82ए(5) के तहत प्रावधान के दुरुपयोग के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा उपाय होने चाहिए, जो निर्वाचन आयोग को किसी अप्रत्याशित कारण से तब राज्य विधानसभा चुनाव स्थगित करने की सिफारिश करने की अनुमति देता है जब यह चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ संभव न हो सके। बैठक के बाद चौधरी ने संवाददाताओं से कहा कि यह सवाल उठाया गया कि क्या यह विधेयक संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ है। उन्होंने कहा, यह व्यापक रूप से स्वीकार किया गया कि विधेयक मूल ढांचे के विरुद्ध नहीं है। सूत्रों ने बताया कि खन्ना ने विधेयक के बारे में अपना आकलन संतुलित रखा और सदस्यों के प्रश्नों के उत्तर में कई कानूनी बिंदु रखे। समिति को पूर्व में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' अवधारणा के रूप में ज्ञात अपने लिखित नोट में उन्होंने कहा था कि किसी प्रस्ताव की संवैधानिक वैधता किसी भी तरह से उसके प्रावधानों की वांछनीयता या आवश्यकता पर घोषणा नहीं है।

खन्ना ने कहा था कि संविधान संशोधन विधेयक के बारे में देश के संघीय ढांचे को कमजोर करने से संबंधित तर्क उठाए जा सकते हैं, क्योंकि उन्होंने इस अवधारणा का समर्थन और आलोचना करने वाले विभिन्न दावों को सूचीबद्ध किया था।

फर्जी एप को लेकर सीआरपीएफ ने जवानों को जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- संवेदनशील जानकारी को लेकर 3.25 लाख कर्मियों को चेताया

सीआरपीएफ ने अपने 3.25 लाख से अधिक कर्मियों को एक अनधिकृत मोबाइल एप के खिलाफ सतर्क किया है और चेताया है कि यह जवानों के महत्वपूर्ण व्यक्तिगत और संगठनात्मक विवरणों तक पहुंचने का प्रयास करके गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा करता है। सीआरपीएफ ने कहा कि यह फर्जी एप है, जो उसके प्रामाणिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की नकल कर बनाया गया है।

अर्द्धसैन्य बल की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शाखा द्वारा सोमवार को जारी एक परामर्श में कहा गया कि संभव एप्लीकेशन राइटर नाम के इस एप का विज्ञापन व्हाट्सएप और यूट्यूब सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ ने सरकारी साइबर सुरक्षा एजेंसियों से ऑनलाइन प्ले स्टोर से इस अनधिकृत एप को हटाने को कहा है, क्योंकि उसके द्वारा इसे विकसित या अनुशंसित नहीं किया गया है। मूल एप का नाम सीआरपीएफ संभव है जिसका इस्तेमाल जवानों व अन्य कर्मियों द्वारा व्यक्तिगत और प्रशासनिक विवरण जैसे वेतन, वित्त, छुट्टियां और स्थानांतरण के संबंध में पात्रता की जांच करने के लिए किया जाता है।

महाराष्ट्र के बारिश प्रभावित जिलों में 6 लोगों की मौत, अगले 48 घंटे अहम

- उपनगरीय रेल सेवा प्रभावित, सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के कई जिलों में भारी बारिश के बीच पिछले कुछ दिनों में छह लोगों की मौत हो गई है और सैकड़ों लोग विस्थापित हुए हैं। मुंबई में मंगलवार को भी भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित रहा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आपदा प्रबंधन विभाग के साथ बाढ़ के हालात की समीक्षा की और कहा कि अगले 48 घंटे मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए अहम होंगे और ये सभी हाई अलर्ट पर हैं। रात भर भारी बारिश जारी रहने के कारण, मुंबई के निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे उपनगरीय रेल सेवा प्रभावित हुई। इसके चलते बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया। भारी बारिश के कारण मुंबई उच्च न्यायालय में अपराह्न 12.30 बजे तक ही कामकाज हुआ। आम तौर पर अदालत में कामकाज सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक चलता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

वेस्ट वर्जीनिया में गोलीबारी में दो की मौत

माउंट कार्बन। अमेरिका के वेस्ट वर्जीनिया प्रांत में सोमवार को गोलीबारी की घटना में एक संदिग्ध बंदूकधारी सहित दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। 'फेयेट काउंटी' के शेरिफ जेस मैकमुलेन ने बताया कि गोलीबारी की यह घटना माउंट कार्बन में हुई। पुलिस को संदिग्ध बंदूकधारी अपने घर में मृत मिला, जिसकी मौत संभवत: खुद को गोली मारने से हुई। एक अन्य व्यक्ति पास के एक खुले गैरेज में मृत पाया गया। मैकमुलेन ने मीडिया संस्थानों को बताया कि तीन अन्य लोग गोली लगने से मामूली रूप से घायल हुए हैं और उनका उपचार किया जा रहा है। मृतकों की पहचान फिलहाल जारी नहीं की गई।

कतर ने कहा- गाजा में तत्काल हो युद्धविराम

यरूशलम। हमास द्वारा युद्ध विराम संबंधी एक प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त किए जाने के बाद प्रमुख मध्यस्थ कतर ने गाजा में युद्ध विराम की तत्काल आवश्यकता पर मंगलवार को बल दिया, लेकिन इजराइल ने अभी तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है और उसकी सेना गाजा के सबसे अधिक आबादी वाले कुछ क्षेत्रों पर आक्रमण की तैयारी कर रही है। लाखों आम नागरिकों के आश्रय वाले क्षेत्रों पर व्यापक हमले किए जाने की आशंका के बीच इजराइल के इस कदम की निंदा की जा रही है। पिछले 22 महीने से युद्ध झेल रहे अधिकतर फलस्तीनी गाजा में किसी भी जगह को सुरक्षित नहीं मानते।

पाकिस्तान में बारिश से अब तक 706 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने मंगलवार को कहा कि बारिश से संबंधित घटनाओं और बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 706 हो गई है। इस बीच, सेना ने बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में राहत अभियान तेज कर दिया है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने अपने नवीनतम आंकड़ों में बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान कम से कम 24 और लोगों की मौत हो गई, जिससे 26 जून से अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 706 हो गई है। बाढ़ संबंधी घटनाओं में घायलों की संख्या बढ़कर 965 हो गई है।

रूस के अस्पताल और तेल रिफाइनरी में आग

मॉस्को। दक्षिण-पश्चिमी रूसी शहर वोल्गोग्राद में गिराए गये यूक्रेनी ड्रोन के मलबे से एक अस्पताल और एक तेल रिफाइनरी में आग लग गई। क्षेत्रीय गवर्नर आंद्रे बोचारोव ने कहा, रूसी सेनाओं ने वोल्गोग्राद पर एक बड़े ड्रोन हमले को विफल कर दिया। शहर के दक्षिणी हिस्से में ड्रोन के टुकड़ों से अस्पताल संख्या 16 की इमारत की छत और एक स्थानीय तेल रिफाइनरी में आग लग गई।

लिंग परिवर्तन कराने वाले डॉक्टर को नए प्रमाणपत्र जारी करने का आदेश

इंफाल, एजेंसी

- मणिपुर हाईकोर्ट ने जारी किया ऐतिहासिक आदेश

मणिपुर हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक आदेश में राज्य चिकित्सा परिषद सहित सभी अधिकारियों को लिंग परिवर्तन सर्जरी कराने वाले एक डॉक्टर को नए नाम और लैंगिक पहचान के साथ नए शैक्षिक प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दिया है।

जन्म से पुरुष, लेकिन ऑपरेशन के बाद महिला बन गई याचिकाकर्ता ने शिक्षा बोर्ड और विश्वविद्यालयों द्वारा नए नाम और लैंगिक पहचान के साथ नए प्रमाणपत्र प्रदान करने के उसके अनुरोध को स्वीकार न करने पर अदालत का रुख किया था। उसने नई पहचान के रूप में पहले ही आधार कार्ड, पैन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र प्राप्त कर लिया है।

न्यायमूर्ति ए. गुणेश्वर शर्मा की एकल पीठ ने 32 वर्षीय डॉ. बेयोन्सी लैशराम की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता जैविक रूप से पुरुष है और सभी प्रमाणपत्रों और दस्तावेजों में उसका नाम 'बोबोई लैशराम' दर्ज है। उसके कक्षा 10 और 12 के बोर्ड परीक्षा प्रमाणपत्रों, एमबीबीएस प्रमाणपत्र, चिकित्सा परिषद के साथ पंजीकरण और अन्य संबंधित दस्तावेजों में लैंगिक पहचान के तौर पर 'पुरुष' दर्ज है।

जनता को कितनी राहत देगा

जीएसटी का बदला रूप

वन नेशन वन टैक्स के नारे के साथ जीएसटी को देश में 2017 में लागू किया गया था। इसका उद्देश्य पूरे भारत में एक समान अप्रत्यक्ष कर प्रणाली लाने के साथ तमाम केंद्रीय और राज्य करों को हटाकर टैक्स ढांचे को सरल बनाना था। सरकार को उम्मीद थी कि इससे टैक्स चोरी रोकी जा सकेगी और उसकी आय में उछाल आएगा। लेकिन इसके जटिल ढांचे से ये उम्मीद और उद्देश्य पूरी तरह सफल नहीं हो पाया। छोटे और मध्यम व्यवसायों को विपरीत हालात से गुजरना पड़ा। अब जीएसटी की संरचना बदलने की तैयारी हो रही है। कहा जा रहा है कि अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से पैदा होने वाली समस्याओं को भी जीएसटी रिफॉर्म से कुछ हद तक कम किया जा सकेगा। ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि इससे व्यापारियों और आम लोगों दोनों को राहत मिलेगी।

क्यों पड़ी जीएसटी रिफॉर्म की जरूरत

- स्लैब्स, दरों की जटिलता और ऊपर से सेस प्रमुख कारण, कई स्लैब्स से वर्गीकरण विवाद, दर में बार-बार परिवर्तन हुए और मुकदमेबाजी बढ़ी।
- इन्वर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर दूसरा कारण, टेक्सटाइल, फुटवेयर जैसे कई सेक्टरों में इनपुट पर ऊंची दर/आउटपुट पर कम दर और रिफंड देरी।
- एमएसएमई के लिए ई इनवॉइसिंग, ई वे बिल, जीआसटीआर-1/3बी आदि का भार, छोटे कारोबारियों के लिए सीखने और टेक की लागत।
- इनपुट टैक्स क्रेडिट विवाद, इस पर कई पाबंदियां, मिलान/मिसमैच, फर्जी इनवॉइसिंग का जोखिम और रिफंड में देरी भी प्रमुख कारण रहा।

रिफॉर्म के उद्देश्य

- स्लैब सरलीकरण कर 12% और 18% को करीब लाकर एक मानक दर स्थापित करना, 28% सेस को सीमित वस्तुओं तक समेटना।
- आईडीएस का स्थाई समाधान, रेट रीबैलेंसिंग या तेज और ऑटोमेटेड रिफंड। छोटे कारोबार के लिए सरल स्कीम, रिटर्न्स एकीकरण।
- रियल टाइम मिलान, फर्जी इनवॉइस पर लक्षित कार्रवाई, अपील ट्रिब्यूनल एकरूपता, एडवांस रूलिंग्स का राष्ट्रीय समन्वय।

राजस्व आय

- वित्तीय वर्ष 2021-22 में मासिक कलेक्शन 1.2 लाख करोड़ रुपये जो 2022-23 में 1.5 लाख करोड़, 2023-24 में 1.7 लाख करोड़ पहुंचा।
- वर्ष 2024 में जीएसटी का मासिक कलेक्शन 2 लाख करोड़ रुपये के स्तर को भी पार कर गया। सरकार ने इसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा।

आम लोगों को संभावित लाभ

- दरों की स्थिरता से रोजमर्रा की चीजो पर दरों में स्थायित्व और सरलीकरण से कीमत भ्रम कम होगा।
- जिन वस्तुओं की दरें नीचे आएंगी वे सस्ती, ऊपर जाएंगी तो महंगी, कम स्लैब से स्पष्टता में वृद्धि होगी।
- बेहतर सप्लाई चेन बनेगी, लॉजिस्टिक्स लागत-अटकाव घटने से अंतिम कीमतों पर दबाव कम होगा।
- छोटे कारोबारों के लिए कम कागजी कार्रवाई, तेज रिफंड, रोजगार-उपलब्धता पर सकारात्मक असर।

अर्थव्यवस्था पर संभावित असर

- उत्पादकता और दक्षता बढ़ेगी, कर घर्षण घटेगा, फॉर्मलाइजेशन तेज होगा। निवेश आकर्षण बढ़ेगा।
- नीति निश्चितता आएगी, लीकेज कम होकर बेस चौड़ा होगा, साथ में टिकाऊ राजस्व के विकल्प बनेंगे।
- यदि कुछ आइटम्स की दरें बढ़ीं तो अल्पकालिक महंगाई, सॉफ्टवेयर और प्रोसेस में बदलाव से दिक्कतें।
- रेट री-बैलेंसिंग में राज्यों की हिस्सेदारी और मुआवजे पर सहमति बनाना भी चुनौती साबित हो सकता है।
- पेट्रोलियम/बिजली/स्टाम्प ड्यूटी जैसे आइटम्स को भविष्य में सम्मिलित करने का रोडमैप, साथ ही ई-इनवॉइसिंग का सुव्यवस्थित विस्तार।

ट्रंप ने शुरू की पुतिन और जेलेंस्की के बीच आमना-सामना कराने की तैयारी

कहा- रूस का दोबारा हमला रोकने को करेंगे यूरोपीय सुरक्षा गारंटी का समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध को समाप्त कराने के लिए दोनों देशों के नेताओं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की के बीच आमने-सामने की बैठक की तैयारी कर रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने साथ ही कहा कि अमेरिका यूरोपीय सुरक्षा गारंटी का समर्थन करेगा जिसका उद्देश्य वर्तमान संघर्ष समाप्त होने के बाद मॉस्को को अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर फिर से आक्रमण करने से रोकना है। हालांकि, सुरक्षा गारंटी और शांति वार्ता की योजना के संबंध में अभी विस्तार से उन्होंने कुछ नहीं बताया। 'व्हाइट हाउस' में ट्रंप, जेलेंस्की और अन्य यूरोपीय नेताओं के बीच सोमवार को एक लंबी बैठक हुई।

इस बैठक के सामाप्त होने पर नेताओं ने उम्मीद जताई कि ट्रंप भीषण युद्ध को समाप्त कराने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने की दिशा में तेज गति से काम कर सकते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संवाददाताओं से कहा, बैठक का सबसे अहम नतीजा यह रहा कि अमेरिका ने सुरक्षा गारंटी प्रदान करने के वास्ते हमारे साथ काम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। ट्रंप ने कहा कि वह जेलेंस्की और पुतिन के बीच बैठक की व्यवस्था में तेजी लाएंगे।

उन्होंने सोमवार को जेलेंस्की और ब्रिटेन, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं के साथ-साथ यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष और नाटो प्रमुख के साथ हुई बातचीत के दौरान पुतिन से भी फोन पर बात की। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मैंने राष्ट्रपति पुतिन को फोन किया और पुतिन तथा जेलेंस्की के बीच एक निश्चित स्थान पर बैठक की तैयारियां शुरू कीं। उन्होंने कहा, उस बैठक के बाद, हम तीनों बैठक करेंगे जिसमें दोनों राष्ट्रपति और मैं शामिल होंगे। जेलेंस्की ने कहा कि व्हाइट हाउस में हुई यह वार्ता अब तक की सबसे अच्छी वार्ता रही है और वह पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए तैयार हैं।

पुतिन और जेलेंस्की की बैठक से खुलेगा रास्ता : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पुतिन और यूरोपीय नेताओं के साथ हुई वार्ता को बहुत अच्छा बताते हुए कहा कि इसने संभावित जेलेंस्की-पुतिन शिखर सम्मेलन की दिशा में गति प्रदान की है। यह तीन साल से भी ज्यादा समय पहले रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली मुलाक़ात होगी। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल मंच पर लिखा, मुझे लगता है कि अगर हम उस बैठक तक पहुंच जाते हैं तो युद्ध समाप्त होने की ज्यादा संभावना होगी। ट्रंप ने कहा, किसी भी समझौते को स्थाई होना चाहिए न कि उसका उद्देश्य केवल संघर्ष रोकना होना चाहिए। अमेरिका राष्ट्रपति ने लिखा, रूस और यूक्रेन के लिए शांति की संभावना को लेकर हर कोई बहुत खुश है। उन्होंने युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने के अपने वादे पर जोर दिया।

बातचीत रुके तो कड़े प्रतिबंध लगाने को तैयार रहे यूरोप : मैक्रों

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि इन वार्ताओं का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम यूक्रेन के लिए ठोस सुरक्षा गारंटी प्रदान करने के लिए अमेरिका की तत्परता थी जिसे उन्होंने एक निर्णायक बदलाव बताया। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की और पुतिन के बीच कोई भी बातचीत द्विपक्षीय होनी चाहिए और यह केवल युद्धविराम के तहत ही होनी चाहिए। उन्होंने ट्रंप की पुतिन के साथ समझौता करने की क्षमता के बारे में उनके विश्वास का स्वागत किया लेकिन चेतावनी भी दी कि बातचीत रुकती है तो यूरोप को कड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

जेलेंस्की की पत्नी ने मेलानिया को भेजा पत्र

जेलेंस्की ने ट्रंप से बातचीत के दौरान अपनी पत्नी का एक पत्र मेलानिया ट्रंप को सौंपा जिसमें उनके लिए एक निजी संदेश था। पत्र में उनकी ओर से युद्ध रोकने के लिए पुतिन को की गई अपील के लिए उनका धन्यवाद किया गया था। बैठक में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने युद्ध के दौरान रूस की ओर से अपहृत यूक्रेनी बच्चों की दुर्दशा का मुद्दा उठाया। ट्रंप ने भी लापता बच्चों की समस्या को एक विश्वव्यापी संकट बताया।

परमाणु हथियारों के साथ अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास पर भड़के किम जोंग

सियोल, एजेंसी

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच जारी सैन्य अभ्यास की निंदा की साथ ही दुश्मनों का मुकाबला करने के लिए देश की परमाणु ताकत को तेजी से बढ़ाने का संकल्प लिया।

किम ने यह बात परमाणु-सक्षम प्रणालियों से लैस सबसे उन्नत युद्धपोत का निरीक्षण करने के दौरान कही। किम जोंग उन ने सोमवार को ठीक उस समय पश्चिमी बंदरगाह नम्पो का दौरा किया जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने अपना वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' शुरू किया। दोनों देशों का यह अभ्यास परमाणु-हथियार संपन्न उत्तर कोरिया से उत्पन्न खतरों का बेहतर ढंग से मुकाबला करने की तैयारियों का हिस्सा है।

- युद्ध भड़काने की कोशिश का आरोप, अपनी परमाणु ताकत को तेजी से बढ़ाने का किया एलान

यह 11 दिवसीय अभ्यास साल में दो बार होने वाले बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास में से दूसरा है। इसमें 21,000 सैनिक शामिल हैं, जिनमें 18,000 दक्षिण कोरियाई हैं और इसमें कंप्यूटर-आधारित कमांड पोस्ट संचालन तथा मैदानी प्रशिक्षण शामिल हैं। दक्षिण कोरिया और अमेरिका का कहना है कि यह अभ्यास रक्षात्मक है लेकिन उत्तर कोरिया लंबे समय से इन्हें हमले की तैयारी बताता आया है और अक्सर ऐसे मौकों पर हथियार परीक्षण करता है।

उत्तर कोरिया की समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' की खबर के अनुसार अप्रैल में पहली बार प्रदर्शित किए गए 5,000 टन क्षमता वाले युद्धपोत 'चोए ह्योन' का निरीक्षण करते समय किम जोंग उन ने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास शत्रुता और उनकी युद्ध भड़काने की इच्छा को दर्शाता है। उत्तर कोरियाई नेता ने दावा किया कि इन सैन्य अभ्यासों में परमाणु हथियार शामिल किए जाने से ये पहले से ज्यादा उकसावे वाली गतिविधि बन गए हैं।

अब यूक्रेन को हथियार नहीं देंगे: मार्को रुबियो

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि उनका देश अब यूक्रेन को हथियार देने में दिलचस्पी नहीं रखता है और इसके बजाय नाटो के ज़रिए यूरोपीय देशों से भुगतान प्राप्त कर उन्हें हथियार बेचेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और कई यूरोपीय राष्ट्राध्यक्षों के साथ बैठक के बाद 'फॉक्स न्यूज़' को दिए एक साक्षात्कार में रूबियो ने कहा, हम अब यूक्रेन को ना हथियार दे रहे हैं और ना ही पैसा दे रहे हैं।

अमेरिकी दबाव के बीच जयशंकर रूस की तीन दिवसीय यात्रा पर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत-रूस की समय की कसौटी पर खरी उतरी साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से मंगलवार को मॉस्को की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की है।

यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 प्रतिशत शुल्कर के फैसले से भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव है। इस शुल्क में रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर लगाया गया 25 प्रतिशत का जुर्माना भी शामिल है। विदेश मंत्रालय ने जयशंकर की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि वह व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के बुधवार को होने वाले 26वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्री और रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव के आईआरआईजीसी-टीईसी की सह-अध्यक्षता करने का कार्यक्रम है।

निमिषा प्रिया के लिए मदद मांगने का दावा फर्जी :विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर किए जा रहे उन दावों को मंगलवार को फर्जी बताकर खारिज किया जिनमें यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया से संबंधित मामले में सरकार द्वारा निर्दिष्ट बैंक खाते में 'मौद्रिक अंशदान' मांगने की बात कही गई है।

मंत्रालय की तथ्य जांच टीम के 'एक्स' हैंडल एमईए फैक्टचेक ने एक 'एक्स' उपयोगकर्ता द्वारा किए गए पोस्ट का स्क्रीनशॉट भी साझा किया जिसमें इस तरह के दावे किए गए हैं। उन्नीस अगस्त को उपयोगकर्ता द्वारा किए गए पोस्ट में 'सेव निमिषा प्रिया' लिखा एक पोस्टर और कुछ 'बैंक लेनदेन' विवरण भी है। एमईए फैक्टचेक ने पोस्ट किया, हमने सोशल मीडिया पर निमिषा प्रिया मामले में भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट बैंक खाते में धन जमा करने की मांग के दावे देखे हैं। यह एक फर्जी दावा है। भारत ने एक अगस्त को कहा था कि वह निमिषा प्रिया के मामले में हरसंभव सहायता प्रदान करना जारी रखेगा। केरल की नर्स को जुलाई 2017 में हुई एक यमनी नागरिक की हत्या की घटना का दोषी पाया गया है। उसे वहां मौत की सजा सुनाई गई है।

सुनक को हत्या की धमकी देने के मामले में युवक दोषी करार

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान ऋषि सुनक को नस्ली आधार पर हत्या की धमकी भरा ई-मेल भेजने के मामले में 21 वर्षीय एक व्यक्ति को अदालत ने दोषी करार देते हुए 14 सप्ताह कारावास और दो वर्ष के लिए निरोधक आदेश की सजा सुनाई। सुनक को पिछले साल जून में धमकी दी गई थी। ब्रिटेन की क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस ने बताया कि मर्सीसाइड के बर्केनहेड निवासी लियाम शॉ ने यॉर्कशायर के रिचमंड और नॉर्थहेलर्टन से सुनक के सरकारी पते पर धमकी भरे और आपत्तिजनक ईमेल भेजे थे।

ताइवान पर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं

चीनी मीडिया में आईं ताइवान को चीन का हिस्सा मानने की खबरें, भारत ने किया खंडन

नई दिल्ली, एजेंसी

ताइवान पर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और नई दिल्ली के ताइवान के साथ आर्थिक, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित रिश्ते हैं। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह साफ किया।

यह स्पष्टीकरण ऐसे वक्त में आया है जब चीनी मीडिया में खबरें हैं कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात के दौरान यह पुनः पुष्टि की कि नई दिल्ली ताइवान को चीन का हिस्सा मानता है। जयशंकर की वांग से बातचीत उनके दो दिवसीय दौरे पर भारत आने के तुरंत बाद सोमवार शाम को हुई।

सरकारी सूत्रों ने कहा, ताइवान पर हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं है। उन्होंने कहा, हमने जोर दिया कि बाकी दुनिया की तरह भारत का भी ताइवान से संबंध है, जो आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक रिश्तों पर केंद्रित है। हम इसे जारी रखना चाहते हैं। भारत और ताइवान के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं, फिर भी दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध प्रगाढ़ हो रहे हैं। भारत ने 1995 में ताइपे में भारत-ताइपे संघ की स्थापना की थी ताकि दोनों पक्षों के बीच संपर्क को बढ़ावा दिया जा सके और व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुगम बनाया जा सके।

वांग ने किया ताइवान से समझौता न करने का आग्रह

सूत्र ने बताया कि सोमवार की बैठक में वांग ने भारतीय पक्ष से ताइवान के साथ कोई समझौता न करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि वांग के आह्वान पर जयशंकर ने आश्चर्य जताया कि यह कैसे संभव है, जब चीन स्वयं ताइवान के साथ उन्हीं क्षेत्रों में सहयोग कर रहा है, जिनमें भारत कर रहा है। सूत्रों ने कहा कि चीनी विदेश मंत्रालय ने जयशंकर के बयान को गलत तरीके से उद्धृत किया। अतीत में भारत ने 'एक चीन' नीति का समर्थन किया था, लेकिन 2011 के बाद से यह किसी द्विपक्षीय दस्तावेज़ में शामिल नहीं है। चीन अक्सर भारत से 'एक-चीन' नीति का पालन करने का आह्वान करता रहा है।

भारत के बाद वांग यी पाकिस्तान जाएंगे

नई दिल्ली। भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी, अपने पाकिस्तानी समकक्ष और उप-प्रधानमंत्री मोहम्मद इशाक डार से बातचीत के लिए बुधवार को पाकिस्तान रवाना होंगे।

चीनी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए कहा कि चीन-पाकिस्तान विदेश मंत्रियों की रणनीतिक वार्ता के छठे दौर के लिए वांग यी 20 से 22 अगस्त तक पाकिस्तान में रहेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने चीन और पाकिस्तान को बेहद भरोसेमंद और सदाबहार मित्र बताते हुए कहा कि दोनों पक्ष व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने के लिए गहन संवाद करेंगे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 अगस्त, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वादशी 13 .58 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

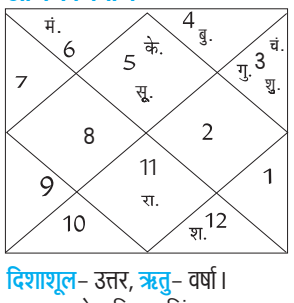

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-पुनर्वसु 21 अगस्त 12 .27, तक तत्पश्चात पुण्य।

मेष — आज आप कुछ दिनों की छुट्टियों को लेकर योजना बना सकते हैं। ऑनलाइन कारोबार में बड़ा लाभ मिल सकता है। लोग आपके ऊपर पूर्ण विश्वास रखेंगे। विदेश में शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृष — आज आपसे ईर्ष्या रखने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ सकती है। व्यवसाय में आपको थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अधिक सोच-विचार के चक्कर में काम बिगड़ सकते हैं। छोटे बच्चों को डांटने के बजाय उन्हें समझाएं।

मिथुन — आज अपने विचारों को दूसरों पर थोपने से बचें। आयात-निर्यात वाले व्यवसाय से आपको धन लाभ होगा। परिवार में आपसी सामंजस्य में वृद्धि होगी। नया वाहन खरीद सकते हैं। भोग-विलास का भरपूर आनन्द उठायेंगे। देव स्थल की यात्रा के लिए जा सकते हैं।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में लोगों के मनोभावों को इग्नोर न करें। पति-पत्नी के बीच मीठी नोक-झोंक होने की संभावना है। छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है। आज आपको लंबी यात्रा करने से बचना चाहिए। रक्तचाप के रोगियों को कुछ परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। माता-पिता का आशीर्वाद लेना न भूलें। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। मित्र के सहयोग से आपको धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है। शत्रुओं के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र की उलझनों को सुलझाने में मेहनत करनी पड़ेगी। अधिकारी वर्ग से आपको काफी समर्थन मिलेगा। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेमभाव में वृद्धि होगी। धार्मिक आयोजन की संभावना बन रही है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

तुला — आज आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। दिखावे के चक्कर में अपना नुकसान करा सकते हैं। व्यापार में प्रभावशाली लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे। कई दिनों से चली आ रही समस्या का समाधान मिलेगा। विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं।

वृश्चिक — आज वैवाहिक संबंधों में तनाव उत्पन्न होने की संभावना है। नए सहयोगियों से आपको सावधान रहना चाहिए। शेयर मार्केट में बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। गर्मी और उमस के कारण माइग्रेन का दर्द उभर सकता है। घूमने-फिरने में समय बर्बाद होगा।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आपका विरोध करने वाले लोगों की आलोचना हो सकती है। कानूनी मामलों में विजय मिलने की प्रबल संभावना है। अपने लोगों की सलाह लेने से पीछे न हटें। परिवार के छोटे बच्चे आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपके मन में विचारों का आधिक्य रहेगा।

मकर — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। प्रेमी जन से झगड़ा हो सकता है। तीखा भोजन करने से बचें। आपके काम का श्रेय दूसरे लोग ले सकते हैं। पहले किए गए प्रयासों का उत्तम परिणाम मिलेगा।

कुंभ — आज आप अपने लक्ष्यों को लेकर थोड़े दबाव में रहेंगे। सरकारी काम में बाधा आ सकती है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अपेक्षानुकूल सहयोग नहीं मिल पायेगा। कोई भी काम करने से पूर्व मित्रों से विचार-विमर्श अवश्य कर लें।

मीन — आज व्यावसायिक अनुबंध करने से पहले दस्तावेजों को संभालकर रख लें। आप लोगों की सहायता के लिए तैयार रहेंगे। लेकिन लोग मौका पड़ने पर आपको धोखा दे सकते हैं। अपनी वाणी पर संयम रखें। कार्यक्षेत्र में आपके काम पर लोग नजर बनाये रखेंगे।

सुडोकू-74

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8		4			6	1	
	1			6				9
			3	5			2	
		5				3		8
4			8		6			2
8		7		9		1		
	5				7			
2				3			4	
	6	9			4		5	

सुडोकू - 73 का हल

6	1	4	3	7	9	5	2	8
3	5	7	1	2	8	4	6	9
2	8	9	5	6	4	3	1	7
4	7	5	9	1	3	6	8	2
8	3	2	7	5	6	9	4	1
9	6	1	4	8	2	7	5	3
1	4	6	8	3	7	2	9	5
7	2	8	6	9	5	1	3	4
5	9	3	2	4	1	8	7	6

"तीसरा सलामी बल्लेबाज जायसवाल है तो टीम में से एक को हटाकर शुभमन गिल को ले आए। मैं शुभमन के लिए खुश हूं लेकिन श्रेयस और जायसवाल के लिए दुखी हूं। दोनों के साथ अच्छा नहीं हुआ।
–रविचंद्रन अश्विन, पूर्व आफ स्पिनर

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 20 अगस्त 2025

अमृत विचार
www.amritvichar.com

एशिया कप : गिल बने उप कप्तान, बुमराह को मिला मौका

ग्रुप ए में भारत के साथ पाकिस्तान, ओमान और यूएई, टूर्नामेंट 9 सितंबर से

मुंबई, एजेंसी

टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टी-20 का उपकप्तान बनाया गया है जबकि जसप्रीत बुमराह की लंबे समय के बाद छोटे प्रारूप में वापसी हुई है। खिलाड़ियों के विकल्प में अधिकता से टीम में दो आईपीएल फाइनल खेलने और 2024 में खिताब जीतने वाले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मौका नहीं मिला है।

गिल ने अपना पिछला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच 2024 में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। वह अब सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली टीम में अक्षर पटेल की जगह उप-कप्तान होंगे। भारत को एशिया कप के ग्रुप ए में पाकिस्तान, ओमान और यूएई के साथ रखा गया है। गिल को टीम में लेना कोई हैरानी की बात नहीं थी। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में पांच मैचों की ड्रॉ (2-2) रही श्रृंखला में चार शतक जड़े थे। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा के दौरान कहा, गिल ने इंग्लैंड दौरे पर उम्मीद से बढ़कर प्रदर्शन किया। टीम प्रबंधन को हालांकि गिल को लेकर सोच-विचार करना होगा क्योंकि अभिषेक शर्मा व संजू सैमसन ने पिछले कुछ समय से शीर्ष क्रम में प्रभावी जोड़ी बनाई है। अब (शीर्ष क्रम के लिए) अधिक विकल्प हैं और शुभमन वैसे भी शानदार लय में हैं। यह टीम जब दुबई पहुंचेगी तो प्रतिद्वंद्वी टीम और परिस्थितियों के अनुसार अंतिम एकादश पर फैसला कर सकते हैं। टीम के पास सैमसन से मध्यक्रम में बल्लेबाजी कराने का विकल्प होगा।

उन्होंने कहा कि सैमसन इसलिए खेल (सलामी बल्लेबाज) रहे थे क्योंकि उस समय शुभमन और यशस्वी (जायसवाल) उपलब्ध नहीं थे। अभिषेक ने ऐसा प्रदर्शन किया है कि उन्हें टीम से बाहर रखना मुश्किल है। वह गेंदबाजी में भी योगदान दे सकते हैं। गिल ने पिछली बार जब टी20 क्रिकेट खेला था, तब वह उप-कप्तान थे। पिछले विश्व कप के बाद ही वह हमारी योजना का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब जब वह उपलब्ध हैं, तो सूर्यकुमार के पास दो विकल्प हैं।

कुलदीप और जितेश भी 15 सदस्यीय टीम में

बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी टीम में है, जबकि जितेश शर्मा दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज होंगे। जितेश एक साल में टी-20 बल्लेबाज के तौर पर काफी विकसित हुए हैं। यशस्वी चयनकर्ताओं द्वारा चुने गए पांच स्टैंडबाय (वैकल्पिक) खिलाड़ियों में है। अभिषेक शर्मा के शीर्ष क्रम में प्रदर्शन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, हर्षित राणा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव। स्टैंडबाय खिलाड़ी : प्रसिद्ध कृष्णा, वॉशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल।

बड़े मुकाबलों के लिए बुमराह उपलब्ध रहें : अगरकर

मुंबई। जसप्रीत बुमराह के काम के बोझ के प्रबंधन की योजना को लेकर आलोचनाओं के बावजूद मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने मंगलवार को कहा कि इस दिग्गज तेज गेंदबाज को लेकर योजना में कोई बदलाव नहीं होगा क्योंकि वे चाहते हैं कि वह सभी बड़े मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहे। बुमराह को यूएई में नौ सितंबर से होने वाले एशिया कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टी20 टीम में शामिल किया गया है। काम के बोझ के प्रबंधन के कारण बुमराह इंग्लैंड में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांच में से तीन मैच में ही खेले थे जिसके कारण कुछ आलोचना भी हुई थी। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम की घोषणा के दौरान अगरकर ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस समय कोई लिखित योजना है। बेशक, इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद अच्छा ब्रेक मिला है। टीम प्रबंधन या फिजियो या संबंधित लोग हमेशा संपर्क में रहते हैं। अभी ही नहीं बल्कि चोट लगने से पहले भी हम उसका ध्यान रखते थे क्योंकि हमें पता है कि वह कितना महत्वपूर्ण है। अगरकर ने कहा कि बुमराह को भविष्य के महत्वपूर्ण मैचों के लिए उपलब्ध रखना जरूरी है। जाहिर है कि हम चाहते हैं कि वह सभी बड़े मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहे। मैं जानता हूं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हर मैच बड़ा होता है लेकिन विश्व कप, चैंपियन्स ट्रॉफी या इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी श्रृंखला होती हैं। दो-तीन साल में लगी चोट से उस पर ध्यान है। उस पर अतिरिक्त नजर है क्योंकि वह विशेष है और इसमें बदलाव नहीं होगा, फिर यह चाहे अगली श्रृंखला हो या छह महीने बाद। अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के समीप होने से महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए बुमराह की उपलब्धता को लेकर संशय था। लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें चुनने का फैसला किया और पिछले साल के विश्व कप के बाद यह बुमराह का पहला टी20 टूर्नामेंट होगा।

गिल की वापसी से खुश हूं, जितेश ने बनाई अपनी जगह: सूर्यकुमार

शुभमन गिल को तीनों प्रारूपों में भारत के भविष्य के कप्तान के रूप में देखा जा रहा है और मौजूदा टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए उन्हें अपना उप-कप्तान बनाकर खुश हैं। गिल अब भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान है। एशिया कप के लिए मंगलवार को घोषित 15 सदस्यीय टीम का उन्हें उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में उनका चयन चयनकर्ताओं की ओर से स्पष्ट संकेत है कि वे सूर्यकुमार यादव (टी-20) और रोहित शर्मा (वनडे) के बाद गिल को सभी प्रारूपों में कप्तान के तौर पर देख रहे हैं। गिल पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए टी-20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने हालांकि आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और फिर इंग्लैंड के टेस्ट दौरे में भी कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर कमाल का प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा, गिल ने जब पिछली बार भारत के लिए टी-20 मैच खेला था तब टी-20 विश्व कप (2024) के बाद हम श्रीलंका गए थे (जुलाई 2024 में)। मैं उस समय कप्तान था और वह उप-कप्तान थे। हमने तब अगले टी-20 विश्व कप के लिए एक नया चक्र शुरू किया था। उसके बाद वह टेस्ट श्रृंखलाओं में व्यस्त हो गए। उन्हें टी-20 क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला, क्योंकि वह टेस्ट क्रिकेट के साथ चैंपियंस ट्रॉफी में भी व्यस्त थे। वह अब टीम में हैं और हमें खुशी है कि वह हमारे साथ हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि पिछले टी20 विश्व कप के बाद हमने इस बारे में बहुत बात की कि कैसे आगे बढ़ना है। खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने काफी बदलाव और सुधार किये हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू टूर्नामेंटों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

हाईलाइट

सिंकफील्ड: प्रज्ञाननंदा ने गुकेश को हराया

सेंट लुई (अमेरिका)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराकर लाइव विश्व रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। प्रज्ञाननंदा अब अमेरिका के लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने पहले राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। पहले राउंड के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने पोलैंड के डुडा जान-क्रिजस्टोफ के साथ ड्रा खेला, जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले सैमुअल सवियन ने अपने अमेरिकी हमवतन वेस्ली सो के साथ अंक बांटे। फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव ने भी हमवतन अलीरेजा फिरौजा के साथ ड्रा खेला। अभी प्रज्ञाननंदा और अरोनियन के बाद छह खिलाड़ी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जबकि गुकेश और अब्दुसत्तोरोव को अभी खाता खोलना है।

पीसीबी: बाबर-रिजवान श्रेणी बी में खिसके

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को केंद्रीय अनुबंध पाने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी की जिसमें पूर्व कप्तान बाबर आजम और वर्तमान वनडे कप्तान मोहम्मद रिजवान को एक पायदान नीचे श्रेणी 'बी' में रखा गया है। पीसीबी को असल में कोई भी क्रिकेटर एलीट श्रेणी में शामिल होने लायक नहीं लगा और उसने 30 खिलाड़ियों को श्रेणी 'बी', 'सी' और 'डी' में रखा है। केंद्रीय अनुबंध एक जुलाई से प्रभावी माना जाएगा।

रबाडा चोटिल होने से वनडे श्रृंखला से बाहर

केर्न्स (ऑस्ट्रेलिया)। दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे श्रृंखला से पहले तब करारा झटका लगा जब उसके तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा टखने की चोट से बाहर हो गए। रबाडा का सोमवार को स्कैन हुआ जिसमें उनके दाहिने टखने में सूजन की पुष्टि हुई। रबाडा ऑस्ट्रेलिया में टीम के साथ रहेंगे और रिहैबिलिटेशन से गुज़रेंगे। पिछले सप्ताह टी-20 श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने वाले क्वेना मफाका को रबाडा की जगह टीम में शामिल किया गया, लेकिन पहले वनडे के लिए उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं दी गई।

ब्रिटिश खिलाड़ी एडमंड ने टेनिस से लिया संन्यास

लंदन। ब्रिटेन के पूर्व नंबर टेनिस खिलाड़ी काइल एडमंड ने 30 वर्ष की उम्र में खेल से संन्यास लेने की घोषणा की। एडमंड ने दो एटीपी खिताब जीते और 2018 में एंडी मरे के बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल दूसरे ब्रिटिश खिलाड़ी बने। वह 79 वर्षों में पहली बार डेविस कप जीतने वाली ब्रिटिश टीम का हिस्सा थे और उन्होंने 2016 में ओलंपिक खेलों में भी अपने देश का प्रतिनिधित्व किया था। एडमंड अपने करियर के दौरान घुटने की चोट से परेशान रहे जिसके लिए उन्हें तीन ऑपरेशन कराने पड़े।

बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप

तन्वी, उन्नति व भार्गव भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा और उन्नति हुड्डा, भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू छह से 19 अक्टूबर तक गुवाहाटी में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में 25 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। भारतीय टीम में एशियाई जूनियर चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता वेन्नाला कलागोटला और रक्षिता श्री भी शामिल हैं, जिससे यह इस प्रतिष्ठित जूनियर प्रतियोगिता के लिए सबसे मजबूत भारतीय टीम बन गई है।

सुहांदिनाता कप (मिश्रित टीम चैंपियनशिप) 6-11 अक्टूबर तक खेला जाएगा, जिसके बाद 13-19 अक्टूबर तक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में व्यक्तिगत स्पर्धाएं होंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा कि हम इसको लेकर बहुत उत्साहित हैं कि भारत अपने घरेलू मैदान पर विश्व जूनियर चैंपियनशिप के लिए मजबूत टीम उतारेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी पोडियम पर पहुंचने में सफल रहेंगे। भारत ने आखिरी बार 2008 में इस टूर्नामेंट की मेज़बानी की थी। तब साइना नेहवाल स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय शटलर बनीं थीं, जबकि आरएमवी गुरु साई दत्त ने लड़कों के एकल वर्ग में कांस्य पदक जीता था। देश ने अब तक इस प्रतियोगिता में चार रजत और छह कांस्य सहित 11 पदक जीते हैं।

भारतीय टीम

लड़कों के एकल (अंडर19) : रौनक चौहान, ज्ञान दत्तू टी.टी., लालथजुआला एच, सूर्याक्ष रावत
लड़कियों के एकल (अंडर19) : तन्वी शर्मा, वेन्नाला कलागोटला, उन्नति हुडा, रक्षिता श्री एस.
लड़कों के युगल (अंडर19) : सुमिथ ए.आर./भाव्या छाबड़ा, भार्गव राम अरिगेला/विश्व तेज गोबुरु, विष्णु केदार कोडे/मिथिलेश पी. कृष्णन
लड़कियों के युगल (अंडर19) : वेन्नाला कलागोटला/रेशिका यू, गायत्री रावत/मनसा रावत, आन्या बिष्ट/एंजेल पुनेरा
मिश्रित युगल (अंडर19) : भाव्या छाबड़ा/विशाखा टोप्पो, लालरामसंगा सी/तारिणी सूरी, विष्णु केदार कोडे/कीर्ति मनचला, वंश देव/डियांका वाल्डिया।

महिला विश्व कप : रेणुका टीम में, शेफाली बाहर

मुंबई, एजेंसी

फिटनेस हासिल करने वाली तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर और शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रतीका रावल ने एक दिवसीय क्रिकेट विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बना ली है जबकि आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा को मौका नहीं मिल सका है। वनडे विश्व कप 30 सितंबर से भारत में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के पहले मैच में भारत श्रीलंका से भिड़ेगा।

हमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम का ऐलान मंगलवार को किया गया। 14 वनडे में शानदार प्रदर्शन करने वाली रावल को आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली पर तरजीह दी गई है। चयनकर्ताओं ने 14 सितंबर से आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले तीन वनडे मैचों के लिए भी टीम का चयन किया है।

हरमनप्रीत और मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में टीम की घोषणा के बाद मीडिया से बात की। भारत पर घरेलू मैदान पर खिताब जीतने का दबाव होगा क्योंकि उसने अब तक कोई विश्व खिताब नहीं जीता है और पूरी संभावना है कि 36 वर्षीय हरमनप्रीत आखिरी एकदिवसीय विश्व कप खेलेंगी। पूर्व भारतीय स्पिनर नीतू ने कहा कि सलामी बल्लेबाज के लिए शेफाली के नाम पर चर्चा हुई लेकिन रावल को तरजीह दी गई। उन्होंने हालांकि कहा कि शेफाली योजनाओं का हिस्सा बनी रहेंगी। नीतू ने कहा कि शेफाली ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ श्रृंखला खेली थी। वह हमारी योजनाओं में है। हमारी नजर उस पर है। उम्मीद करते हैं कि वह अधिक मैच खेलेगी और अनुभव हासिल करेगी। इससे भविष्य में 50 ओवर के प्रारूप में भारत के लिए खेलने में मदद मिलेगी। हम शेफाली के लिए लंबा करियर चाहते हैं। रेणुका की चोट से वापसी पर उन्होंने कहा कि रेणुका हमेशा से एक अनमोल खिलाड़ी रही हैं। उन्हें कुछ छोटी-मोटी चोट थी लेकिन अब वह उपलब्ध है। इस विश्व कप के लिए वह हमारी मुख्य खिलाड़ी है।

विश्व कप व ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के समान टीम चुनी गई है। अमनजोत कौर को विश्व कप तक फिट होने का समय दिया गया है और एकदिवसीय श्रृंखला के लिए उनकी जगह सयाली सतघारे को टीम में जगह मिली है। कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि वह (अमनजोत) हमारी महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक है। वह अभी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में है और छोटी-मोटी चोटों पर काम कर रही है।

विश्व कप टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरूंधति रेड्डी, रिचा घोष, क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया और स्नेह राणा।

वनडे के लिये टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरूंधति रेड्डी, रिचा घोष, क्रांति गौड़, सयाली सतघारे, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया और स्नेह राणा।

पाकिस्तान और ओमान की जगह खेलेंगे बांग्लादेश-कजाखस्तान

एशिया कप पुरुष हॉकी

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान और ओमान की जगह बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से होने वाले पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में बांग्लादेश और कजाखस्तान खेलेंगे। मंगलवार को जारी टूर्नामेंट के कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई।

मेजबान भारत को चीन, जापान और कजाखस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है जबकि पूल बी में मलेशिया, कोरिया, चीनी ताइपे और बांग्लादेश को जगह मिली है। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट के विजेता को नीदरलैंड और बेल्जियम में 2026 में होने वाले विश्व कप में सीधे जगह मिलेगी। मलेशिया और बांग्लादेश के मैच के साथ 29 अगस्त को टूर्नामेंट की शुरुआत होगी जबकि पहले दिन के अंतिम मुकाबले में भारत और चीन आमने-सामने होंगे।

राष्ट्रपति की मंजूरी से अधिनियम बना खेल विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

- **बीसीसीआई को प्रभावी रूप से दायरे से रखा गया है बाहर**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मंजूरी के साथ ही राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक अधिनियम बन गया है। इस विधेयक में भारत के खेल प्रशासन में व्यापक स्तर पर सुधार का वादा किया गया है।

केंद्र सरकार द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति की मंजूरी सोमवार को मिल गई। संसद के अधिनियम को 18 अगस्त को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई और इसे सामान्य जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है - राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025। मूल विधेयक में दो प्रमुख संशोधन किए गए हैं। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के दायरे को सीमित कर केवल उन खेल निकायों को इसमें शामिल किया गया है जो सरकारी धन और सहायता पर निर्भर हैं।

इस तरह से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को प्रभावी रूप से इसके दायरे से बाहर रखा गया है। क्रिकेट बोर्ड आरटीआई के दायरे में आने का विरोध कर रहा था क्योंकि वह सरकारी धन पर निर्भर नहीं है। किसी मान्यता प्राप्त खेल संगठन को, जो उप-धारा (1) के तहत केंद्र सरकार या राज्य सरकार से अनुदान या कोई अन्य वित्तीय सहायता प्राप्त करता है, ऐसे अनुदान या किसी अन्य वित्तीय सहायता के उपयोग के संबंध में आरटीआई के तहत सार्वजनिक प्राधिकरण माना जाएगा। राष्ट्रीय महासंघों में शीर्ष पदों के उम्मीदवारों को कार्यकारी समिति में केवल एक कार्यकाल पूरा करना होगा। पहले यह दो कार्यकाल था।

सिनर के रिटायर होने पर अल्काराज जीते

सिनसिनाटी (अमेरिका), एजेंसी

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर के अस्वस्थ होने से पहले सेट से रिटायर होने के बाद कार्लोस अल्काराज ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम सुरक्षित किया। यह दोनों खिलाड़ी इस साल चौथी बार और विंबलडन के बाद पहली बार फ़ाइनल में आमने-सामने थे लेकिन सिनर की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले सेट में लगातार गलतियों के कारण वह 5-0 से पीछे हो गए।

ब्रेक के दौरान उनके सिर पर आइस पैक देखा गया और सिर्फ़ 22 मिनट खेलने के बाद ही उन्होंने मैच से हटने का फैसला किया। सिनर ने कहा कि कल से मुझे कुछ ख़ास अच्छा नहीं लग रहा था। मुझे लगा था कि रात में स्थिति में सुधार हो जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैं बस दर्शकों के लिए कोर्ट पर उतरने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मेरे लिए खेल जारी रखना बहुत मुश्किल हो गया था।

सिनसिनाटी ओपन टूर्नामेंट

सिनसिनाटी ओपन में यह केवल तीसरा अवसर था जब किसी खिलाड़ी के हटने के कारण पुरुष वर्ग का फाइनल पूरा नहीं हो पाया। इससे पहले आखिरी बार 2011 में ऐसा हुआ था जब नोवाक जोकोविच ने कंधे की चोट के कारण दूसरे सेट में मैच से हटने का फैसला किया था। इससे सिनर का हार्ड कोर्ट पर लगातार 26 मैच जीतने का सिलसिला भी टूट गया।

इगा ने जैस्मीन को हराकर खिताब किया अपने नाम

विश्व में तीसरी रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने सातवें नंबर की जैस्मीन पाओलिनी को हराकर पहली बार सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। स्वियातेक अपने पिछले छह मुकाबलों में सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थीं। वह दो वर्षों में सिनसिनाटी में सेमीफाइनल तक पहुंची थीं, 2023 में कोको गॉफ और 2024 में एरीना सबालेंका से हार गईं थी। स्वियातेक ने इटली की खिलाड़ी के खिलाफ सभी छह मुकाबले जीते हैं तथा उनमें से केवल एक सेट गंवाया है। पाओलिनी ने पहले सेट में बढ़त बना ली थी, लेकिन स्वियातेक ने वापसी की। पाओलिनी ने सर्विस तोड़कर स्कोर बराबर कर लिया, लेकिन स्वियातेक पहला सेट जीतने में सफल रही। स्वियातेक के मैच के आठवें ऐस ने उन्हें दूसरे सेट में 5-3 की बढ़त दिला दी। पाओलिनी ने दूसरे सेट में दो बार सर्विस तोड़ी लेकिन स्वियातेक मैच जीतकर अपने करियर का 24वां एकल खिताब हासिल करने में सफल रहीं।

एशियाई चैंपियनशिप | ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्टार निशानेबाज ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में लिया भाग

मनु ने जीता कांस्य, जूनियर वर्ग में रश्मिका को स्वर्ण

शिमकेंट (कजाकिस्तान), एजेंसी

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने मंगलवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता जबकि रश्मिका सहगल ने जूनियर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। रश्मिका ने व्यक्तिगत के साथ टीम स्पर्धा में भी शीर्ष स्थान हासिल किया।

भाकर ने आठ महिलाओं के फाइनल में 219.7 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की कियान्के मा ने 243.2 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कोरिया की जिन यांग को 241.6 अंक के साथ रजत पदक मिला। रश्मिका ने फिर से कमाल का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में भारत का तीसरा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 241.9 का स्कोर करके रजत पदक जीतने वाली कोरियाई हान सेउंगह्यून को 4.3 अंक की बड़े अंतर से पछाड़ा। यह रश्मिका (क्वालिफिकेशन स्कोर 582) के लिए दोहरी सफलता थी क्योंकि उन्होंने इस स्पर्धा में वंशिका चौधरी (573) और मोहिनी सिंह (565) के साथ मिलकर टीम स्वर्ण पदक जीता।

भाकर ने क्वालीफिकेशन में तीसरे स्थान पर रहकर किया था फाइनल में प्रवेश

भाकर ने क्वालीफिकेशन में 583 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में प्रवेश किया था। कोरिया की येजिन ओह ने 585 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन वह केवल रैंकिंग अंक के लिए इस प्रतियोगिता भाग ले रही थीं, जिससे चीन की कियानक्सुन याओ शीर्ष रैंक की निशानेबाज के रूप में फाइनल में पहुंच गईं। भाकर, सुरुचि सिंह और पलक की तिकड़ी टीम स्पर्धा में 1730 के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही।

भारतीय निशानेबाज ने 13वें प्रयास में बढ़त बनाने के बाद इसे आखिर तक रखा बरकरार

महिलाओं के जूनियर वर्ग में रश्मिका को कोरिया की हान से शुरुआत में कड़ी चुनौती मिली लेकिन भारतीय निशानेबाज ने 13वें प्रयास में बढ़त बनाने के बाद इसे आखिर तक बरकरार रखा। उन्होंने 15वें प्रयास में 10.9 अंक के निशाने के साथ अपना प्रभुत्व कायम किया। भारत ने प्रतियोगिता में अब तक पांच स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक जीते हैं। भारत की अन्य खिलाड़ियों में इस प्रतियोगिता में केवल रैंकिंग अंकों के लिए भाग ले रही ईशा सिंह 577 अंकों के साथ नौवें, सुरुचि सिंह 574 अंकों के साथ 12वें, पलक 573 अंकों के साथ 17वें और सुरभि राव 570 अंकों के साथ 25वें स्थान पर रहीं।